हरिभूमि
रायपुर भूमि

परदे के पीछे चला खेल

पूर्व एमआईसी सदस्य श्रीकुमार मेनन का कहना है, प्रशासनिक रूप से चुनाव अधिकारी ने इस बार के चुनाव को हैंडल किया। परदे के पीछे खेल चला है। बूथ का तोड़फोड़ बड़ा कारण रहा। शुरुआत वार्ड परिसीमन से हुई। दूसरा कारण वोटर लिस्ट में काट-छांट और तीसरा फैक्टर पैसे का बड़ा खेल रहा। चुनाव आयोजन के नाम पर लाखों रुपये खर्च किये गए।

बागी प्रत्याशी बोले, आपसी गुटबाजी कांग्रेस को ले डूबी, टिकट वितरण में गड़बड़ी

प्रमोद दुबे ने कहा- अंडर करंट भांप नहीं पाये

दुर्गति पर फूटा गुस्सा, पार्टी नेताओं ने कहा-पार्षद टिकट मनमर्जी से बंटे, बागियों को मनाया नहीं, मेयर का कार्यकाल भी भारी पड़ा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम के चुनाव में प्रदेश के सबसे बड़े नगर निगम रायपुर में कांग्रेस पार्टी के खराब परफार्मेंस को लेकर अब प्रत्याशियों का गुस्सा फूट पड़ा है। पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड से कांग्रेस के बागी व निर्दलीय प्रत्याशी के रूप में चुनाव जीतने वाले नवनिर्वाचित पार्षद आकाश तिवारी ने दो टूक शब्दों में कहा है, कहीं न कहीं ग्राउंड लेवल पर प्रत्याशी चयन में बड़ा मिस्टेक हुआ, ये भी कांग्रेस पार्टी के पराजय का बड़ा कारण है। कहीं न कहीं कांग्रेस को जनता ने नकारा है। कुछ कमियां रह गई होंगी।

श्री तिवारी ने निर्दलीय के रूप में वार्ड से चुनाव जीतने को लेकर कहा कि ▶▶|शेष पेज 13 पर

हमारे घोषणा पत्र को जनता ने महत्व नहीं दिया

निगम चुनाव में पार्टी की एकतरफा पराजय का कारण पार्टी की कलह या टिकट वितरण नहीं है। जिन-जिन इलाकों में पार्टी के प्रत्याशी चुनाव हारे, वहां समीक्षा की जरूरत है। इस बार के चुनाव में लहर चल गयी। विधानसभा हारे, लोकसभा हारे, पार्टी का कोई विधायक ही शहर में नहीं है। शहर की जनता ने कांग्रेस पार्टी के घोषणापत्र को महत्व नहीं दिया। भाजपा की लहर चल गयी।

- **नागभूषण राव**, पूर्व एमआईसी सदस्य

पार्षद टिकट बिना पूछे जारी हुए, बागियों को मनाया नहीं गया : प्रमोद दुबे, पूर्व सभापति

नगर निगम के पूर्व सभापति प्रमोद दुबे ने कहा है कि भाजपा के संगठन ने भी मजबूती से ग्राउंड लेवल पर चुनाव लड़ा, जबकि हमारी सांगठनिक कमजोरी रही। टिकट वितरण को लेकर कुछ जगह खामियां रहीं। रायपुर नगर निगम के चुनाव में कुछ पार्षदों को टिकट हमसे पूछ कर दिया जाता था। इस बार ऐसा नहीं हुआ, 70 वार्ड के पार्षदों का टिकट फाइनल कर लिस्ट जारी कर दी गयी। यह भी निकाय चुनाव में कांग्रेस की पराजय का एक बड़ा कारण है। दूसरा कारण विलंब से पार्षद प्रत्याशियों की सूची जारी करना है। रायपुर नगर निगम के 4 वार्डों के प्रत्याशियों की सूची आखिरी दिन तक जारी नहीं हो पायी। इससे ▶▶|शेष पेज 13 पर

ढेबर का कार्यकाल भारी पड़ा, पति-पत्नी को टिकट देना भी मजाक

निकाय चुनाव में पार्टी की हार की बड़ी वजह टिकट की खरीदी बिक्री और चापलूसी पसंदी रही। एजाज ढेबर का महापौर के

रूप में पांच साल का कार्यकाल का नुकसान पार्टी को हुआ है। एक ही परिवार के पति-पत्नी को चुनाव में टिकट देकर चुनाव को मजाक बना दिया गया। कांग्रेस पार्टी यदि टिकट वितरण सही तरीके से करती, तो आज निकाय चुनाव में उसके 25 प्रत्याशी पार्षद का चुनाव जीतकर आते। मेरे पास पार्टी का सिंबाल नहीं था, फिर भी मैंने अपने पुराने एरिया में 3 हजार वोट हासिल किये।

- **समीर अख्तर**, पूर्व एमआईसी सदस्य

अमरजीत ने कहा- नगरीय निकाय चुनाव में हार के लिए बड़े नेता जिम्मेदार

- निकाय चुनाव के बाद पार्टी में फिर अंर्तकलह आई सामने

रायपु। छत्तीसगढ़ में हुए नगरीय चुनाव में कांग्रेस को करारी हार मिलने से कांग्रेसी खेमे में सन्नाटा पसरा हुआ है। परिणाम आने के साथ ही अब कांग्रेस में एक बार फिर अंतर्कलह की चर्चा सामने आ रही है। पूर्व मंत्री अमरजीत भगत ने अपनी ही पार्टी के नेताओं पर सवाल खड़े करते हुए पार्टी के बड़े नेताओं को हार का जिम्मेदार ठहराया। उन्होंने कहा, हम पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, पूर्व डिप्टी सीएम टीएस सिंहदेव, पीसीसी चीफ दीपक बैज ▶▶|शेष पेज 13 पर

संतुलन बनाने की रणनीति

निकाय चुनाव में हार के बाद कांग्रेस पार्टी छत्तीसगढ़ में संगठनात्मक संतुलन बनाने के लिए नई रणनीति तैयार कर रही है। इसके तहत नेतृत्व में बदलाव और पदों पर नए चेहरों को जिम्मेदारी दी जा सकती है। पार्टी का मानना है कि इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी और आगामी चुनावों में बेहतर प्रदर्शन किया जा सकेगा।

संगठन करेगा इसका मूल्यांकन : सिंहदेव

पूर्व उप मुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव ने निकाय चुनाव में हुई करारी हार को लेकर लगाए जा रहे आरोप पर कहा, प्रदेश में यह हार नगर पंचायतों नगर पालिकाओं में अध्यक्ष और पार्षदों की जीत के साथ मौजूद है। पार्टी इस निर्णय का मूल्यांकन करेगी, लेकिन कार्यकर्ताओं को हार से विचलित नहीं होना चाहिए। कांग्रेस जल्द जनहित के मुद्दों के साथ मैदान में होगी। उन्होंने कहा, पार्टी ▶▶|शेष पेज 13 पर

खबर संक्षेप

थार से आठ पेटी शराब जब्त, तस्कर गिरफ्तार

रायपुर। आबकारी विभाग की टीम ने चुनाव में मतदाताओं को लुभाने बांटने के लिए लाई गई मध्यप्रदेश निर्मित आठ पेटी शराब कुल 72 लीटर जब्त की है। आबकारी विभाग की टीम ने शराब परिवहन में इस्तेमाल की जा रही थार जीप भी जब्त की है। आबकारी विभाग की टीम ने शराब के साथ त्रिलोक निषाद को अभनपुर के कन्हेरा के पास गिरफ्तार किया है। जब्त शराब की कीमत 54 हजार रुपए है।

14 नशेड़ी वाहन चालक पुलिस के हत्थे चढ़े

रायपुर। ड्रंक एंड ड्राइव पर अंकुश लगाने पुलिस की टीम लगातार अभियान चलाकर कार्रवाई कर रही है। एसएसपी डॉ. लाल उमेंद सिंह के निर्देश पर पुलिस ने शनिवार देर रात श्री राम मंदिर चौक तथा एयरपोर्ट टर्निंग के पास बेरिकेटिंग कर वाहन चालकों की ब्रीथ एनॉलॉइजर से जांच की। जांच में 14 वाहन चालक नशे की हालत में वाहन चलाते पकड़े गए। नशेड़ी वाहन चालकों की गाड़ी पुलिस ने जब्त कर ली, जिसे सोमवार को कोर्ट में पेश किया जाएगा।

20 किलो गांजा जब्त धरा गया तस्कर

रायपुर। तेलीबांधा पुलिस ने एक युवक के कब्जे से 20 किलो 600 ग्राम गांजा जब्त किया है। जब्त गांजे की कीमत दो लाख रुपए से ज्यादा है। पुलिस ने राकेश उर्फ रॉकी बबलानी को गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस ने लभांडी स्थित पुरानी शराब भट्ठी खंडहर के पास से गांजा जब्ती की है।

चेक बाउंस, एक वर्ष कैद पांच लाख रुपए जुर्माना

रायपुर। चेक बाउंस मामले में जेएमएफसी कोर्ट के जज विकास खांडे ने विजय ट्रेडिंग के संचालक नंदलाल मेघानी को एक वर्ष कैद तथा पांच लाख रुपए जुर्माने की सजा सुनाई है। अधिवक्ता राजेश कुमार भावनानी के मुताबिक, विजय ट्रेडिंग के संचालक ने अर्जुन दास सचदेव को पांच लाख रुपए का चेक दिया था, जो बैंक में बाउंस हो गया। इसके बाद अर्जुन दास ने नंदलाल को नोटिस भेजा। नोटिस का जवाब नहीं देने पर अर्जुनदास ने अपने वकील राजेश कुमार के माध्यम से कोर्ट में परिवाद दायर किया।

नियमित भर्ती की अनुमति मिल चुकी, मगर शुरू नहीं हो पाई प्रक्रिया

आधी नर्सों के भरोसे चल रहा आंबेडकर अस्पताल में उपचार, 3 सौ की भर्ती 3 साल से अटकी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के सबसे बड़े शासकीय आंबेडकर अस्पताल को संसाधनों से लैस करने में कोताही बरती जा रही है। तेरह सौ बेड की क्षमता वाले इस अस्पताल में सभी मिलाकर पांच सौ नर्सें काम कर रही हैं। करीब तीन साल पहले यहां नियमित रूप में तीन सौ नर्सिंग स्टाफ की भर्ती की अनुमति तो मिली थी, मगर प्रक्रिया अब तक शुरू नहीं हो पाई है।

हरिभूमि सरोकार

आंबेडकर अस्पताल में नियमित रूप से इलाज के लिए ओपीडी में करीब दो हजार मरीज पहुंचते हैं। यहां लगभग एक हजार मरीज भर्ती होकर अपना इलाज करवाते हैं और इन सबकी जिम्मेदारी वहां नियमित और संविदा रूप से काम करने वाली तीन सौ तथा दैनिक वेतन भोगी के रूप में अपनी सेवा देने वाली पांच सौ लोगों पर है। आवश्यकता को ध्यान में रखते हुए करीब तीन साल पहले यहां नियमित रूप से तीन सौ नर्सिंग स्टाफ की भर्ती करने की अनुमति शासन स्तर दी गई थी। विभिन्न तकनीकी परेशानियों की वजह से अब तक भर्ती प्रक्रिया शुरू नहीं हो सकी है। इसमें सबसे ज्यादा दिक्कत भर्ती आरक्षण विवाद पर था जो 2023 में सुलझ गया था। इसके बाद भी अस्पताल में मानव संसाधन ▶▶|शेष पेज 13 पर

13 सौ बेड के अस्पताल में 3 सौ नियमित नर्स, उतने की जरूरत और

सात सौ बेड के लिए नया सेटअप

अस्पताल अभी 750 बेड के सेटअप के अनुसार काम कर रहा है और क्षमता 13 सौ के लगभग हो चुकी है। आने वाले दिनों में अस्पताल की क्षमता बढ़कर दो हजार हो जाएगी। बेड बढ़ने से भर्ती होने वाले मरीजों की संख्या में भी इजाफा होगा। ऐसे में इलाज के लिए नर्सिंग सहित अन्य स्टाफ की संख्या बढ़ाने की जरूरत होगी।

डाक्टर मिले लेकिन कम

चिकित्सा शिक्षा विभाग ने रायपुर मेडिकल कालेज में फैकल्टी की समस्या को दूर करने के लिए दो सौ से ज्यादा पद पर भर्ती निकाली थी। इसमें बड़ी संख्या में विभिन्न वर्ग के चिकित्सक भी शामिल थे। काफी कोशिशों के बाद भी यहां पर्याप्त संख्या में चिकित्सकों की ज्वाइनिंग नहीं हो सकी। इसकी मुख्य वजह कम वेतन को माना गया था।

परफ्यूजनिस्ट भर्ती आदेश नहीं

अस्पताल के कार्डियक सर्जरी विभाग में परफ्यूजनिस्ट और फीजिशियन के लिए इंटरव्यू का काम पूरा तो किया गया था, मगर इनकी भर्ती का आदेश अब तक जारी नहीं हो पाया है। हार्ट सर्जरी में दोनों स्टाफ की जरूरत काफी होती है। हाल ही में यहां बाइपास सर्जरी की शुरुआत हुई है, मगर इसे नियमित बनाए रखने के लिए इनकी भर्ती काफी आवश्यक है।

कई जांच मशीनों की जरूरत

आंबेडकर अस्पताल में मरीजों की सुविधा के लिए कई तरह की जांच मशीनों को अपडेट करने अथवा उनकी संख्या बढ़ाने की आवश्यकता है। सबसे अधिक जरूरत रेडियोडायग्नोसिस विभाग की एमआरआई और सीटी स्कैन की मशीन है। दोनों मशीन काफी पुरानी हो चुकी है। लगातार उपयोग के दौरान उसमें खराबी आ जाती है। इसका खामियाजा आने वाले मरीजों को भुगतना पड़ता है। मरीजों की दिक्कत को ध्यान में रखते हुए अस्पताल प्रबंधन द्वारा भेजे गए सीटी स्कैन के खरीदी के प्रस्ताव को मंजूरी दिए जाने का इंतजार है।

परिजनों के आवास की योजना

आंबेडकर अस्पताल में दूर दराज से इलाज के लिए आने वाले मरीजों के रहने की समस्या काफी पुरानी है। मरीजों के अटेंडर रात्रि में अस्पताल के गलियारे में रात गुजारते हैं और कई बार चोरी सहित अन्य घटनाओं के शिकार हो जाते हैं। परिजनों की समस्या के समाधान के लिए वहां आवास बनाने की योजना पर काम करने के निर्देश दिए गए है। माना जा रहा है कि सात सौ बेड का नया एकीकृत भवन बनने के बाद अटेंडरों के लिए भवन की बेहद आवश्यकता पड़ेगी।

रविवि बनाएगा श्रीमंत अनुसंधान पीठ, भारत की आदिवासी संस्कृति का होगा अध्ययन

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

पं.रविशंकर शुक्ल विवि द्वारा श्रीमंत शंकर देव अनुसंधान पीठ की स्थापना की जाएगी। इसके अंतर्गत आदिवासी संस्कृति का अध्ययन किया जाएगा। विशेष बात यह है कि इस अनुसंधान पीठ के अंतर्गत ना केवल छत्तीसगढ़ बल्कि उत्तर-पूर्व भारत की आदिवासी संस्कृति का भी अध्ययन होगा। दोनों क्षेत्रों की आदिवासी संस्कृति के मध्य शोध सेतु बनाने का कार्य इस शोधपीठ के माध्यम से किया जाएगा। विद्यापरिषद की बैठक में यह ▶▶|शेष पेज 13 पर

- **5 करोड़ तक की राशि खर्च करेगा रविवि, विद्यापरिषद के बाद कार्यपरिषद में प्रस्ताव पारित**

मांगा जाएगा आर्थिक सहयोग

रविवि द्वारा इस शोधपीठ में 5 करोड़ रूपए व्यय किए जाएंगे। इस शोधपीठ के लिए 5 करोड़ तक की संरक्षित निधि का निर्माण किया जाएगा। शुरुआती 25 लाख रुपए प्रारंभिक अंशदान के रूप में विवि के 2025-26 के बजट से दिए जाएंगे। आवश्यकतानुसार आने वाले वर्षों में भी विवि बजट में इस प्रकार की राशि का प्रावधान किया जा सकेगा। शोधपीठ के लिए निधि निर्माण ▶▶|शेष पेज 13 पर

पुनर्जीवित होगा स्वामी विवेकानंद चेयर

विवि पूर्व में संचालित हो रहे शोधपीठ को भी विवि द्वारा पुनर्जीवित किया जा रहा है। इनमें से एक स्वामी विवेकानंद चेयर भी है। इसकी स्थापना 12वीं पंचवर्षीय योजना के अंतर्गत यूजीसी द्वारा जून 2015 में लिखे गए खत के अनुक्रम में किया गया है। स्वामी विवेकानंद चेयर का कार्यकाल पूर्ण होने के बाद यूजीसी द्वारा इसके कार्यकाल वृद्धि के लिए पत्र प्राप्त नहीं हुआ है। इसके अलावा पूर्व शेष अनुदान राशि अप्राप्त है। इसके देखते हुए स्वामी विवेकानंद चेयर को पुनर्जीवित अर्थात संचालित किए जाने का निर्णय लिया गया है। इसके लिए 2 करोड़ तक की संरक्षित निधि निर्माण का लक्ष्य रखा गया है। राशि एकत्र करने अन्य विभागों से सहयोग मांगा जाएगा।

ट्रेलर ने ट्रक को मारी ठोकर आग लगने से केबिन में फंसे ट्रेलर चालक की मौत

घटना आरंग थाना क्षेत्र के पारागांव के पास की

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महासमुंद से रायपुर की ओर आ रहे कोयला लदे ट्रेलर की सड़क किनारे खड़े जिप्शम से भरे ट्रक को टक्कर मारने से उसमें आग लग गई। ट्रेलर का चालक केबिन के अंदर ही फंस कर रह गया और आग की चपेट में आने से ट्रेलर चालक की जलकर मौत हो गई। पुलिस मर्ग कायम कर मामले की जांच कर रही है। आग लगने से ट्रेलर पूरी तरह से जलकर कबाड़ में तब्दील हो गया है। घटना रविवार तड़के चार बजे की है।

ट्रेलर की ट्रक में भिड़ंत होने से पंजाब, तरणतारन निवासी 26 वर्षीय निशान सिंह की मौत हुई है। ट्रक चालक ने पुलिस को बताया है कि ट्रक का टायर फटने की वजह से उसने ट्रक को रोड किनारे खड़ा कर दिया था। महासमुंद के रास्ते रायपुर की तरफ आ रहे तेज रफ्तार ट्रेलर के चालक ने ट्रक को पीछे से ठोकर मार दी। ठोकर इतनी जबरदस्त थी कि देखते ही देखते ट्रेलर में आग लग गई। ट्रक में टक्कर मारने की वजह से केबिन बुरी तरह से पिचक गया। इससे ट्रेलर चालक केबिन में फंसा रह गया और वह केबिन से बाहर नहीं निकल पाया। उसकी केबिन के अंदर आग में जलने से मौत हो गई। आग की चपेट में आने से ट्रक भी जल गया है।

फायर ब्रिगेड पहुंचने के पहले ट्रेलर जलकर खाक

घटना की सूचना मिलने पर तत्काल मौके पर पुलिस तथा फायर ब्रिगेड की टीम पहुंची। फायर ब्रिगेड की टीम के पहुंचने के पूर्व ट्रेलर आग में जलकर खाक हो गया। आग बुझाने के बाद पुलिस ने मृत ट्रेलर चालक को केबिन से बाहर निकाला और उसकी लाश पोस्टमार्टम के लिए आंबेडकर अस्पताल रवाना किया। घटना पारागांव के पास की है।

समुदाय विशेष पर युवतियों को जॉब का झांसा देकर नौकरी जिहाद का आरोप

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सिविल लाइंस थाना में हिंदू युवतियों को नौकरी लगाने के नाम पर उन्हें गलत काम में धकेलने तथा नौकरी जिहाद की एक सामाजिक कार्यकर्ता ने लिखित में शिकायत दर्ज कराई है। शिकायत की जांच सिविल लाइंस थाने की पुलिस के साथ साइबर सेल की टीम कर रही है। सामाजिक कार्यकर्ता के पास नौकरी के नाम पर एक वाट्सअप ▶▶|शेष पेज 13 पर

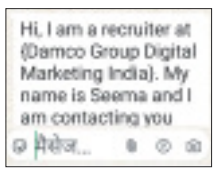

सामाजिक कार्यकर्ता ने सिविल लाइंस थाने में लिखित में शिकायत दर्ज कराई

धमतरी के साथ देवेंद्र नगर में दो प्रकरण

निश्चय ने पुलिस को बताया है कि नौकरी जिहाद को लेकर देवेंद्र नगर के साथ धमतरी में दो युवतियों ने शिकायत दर्ज कराई है। आरोप है कि नौकरी का झांसा देकर काम में रखने के बाद युवतियों को नाइट शिफ्ट कराया जाता है। इसके बाद उनका दैहिक शोषण कर वीडियो बनाकर ब्लैकमेल कर अन्य लड़कियों को फंसाने के लिए दबाव बनाया जाता है। निश्चय ने अपने पास आए मैसेज का स्क्रीन शॉट भी पुलिस के सुपुर्द किया है।

25 सौ रुपए में 25 किलो का कैरेट मिलता था, अब एक कैरेट के दाम 50 से 80 रुपए तक

चार माह पहले सौ रुपए के पार बिका टमाटर अब चिल्हर में ही कीमत 4 से 8 रुपए

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

अपने प्रदेश में जब भी बाहर से टमाटर आता है, तो उसकी कीमत आसमान पर रहती है, लेकिन जैसे ही अपने राज्य की फसल आती है, तो कीमत आसमान से जमीन पर आ जाती है। इस समय भी वहीं हो रहा है। छत्तीसगढ़ में टमाटर की भारी फसल के कारण इस समय टमाटर के दाम थोक में 2 से 4 रुपए और चिल्हर में 4 से 8 रुपए किलो है। चार माह पहले ही यहां पर कीमत सौ रुपए के पार थी। तब एक कैरेट टमाटर के दाम 25 सौ रुपए थे, लेकिन अब 25 किलो वाले एक कैरेट टमाटर के दाम 50 से 80 रुपए हैं।

छत्तीसगढ़ में टमाटर की फसल ठंड के सीजन में आती है। इसकी फसल आने के बाद इसके दाम कम होते हैं। बीते साल दीपावली से पहले जब लोकल टमाटर की फसल नहीं आई थी, तब इसके दाम आसमान पर थे। तब इसकी कीमत थोक में जहां सौ रुपए तक चली गई थी, वहीं चिल्हर में यह 120 से 130 रुपए किलो तक बिका। गर्मी के पूरे सीजन में टमाटर के दाम सौ रुपए के आस-पास रहे।

नए साल में दाम ने तोड़ा दम

टमाटर के दाम ने नए साल में दम तोड़ना प्रारंभ किया। पहले इसकी कीमत चिल्हर में 20 रुपए हुई इसके बाद अब तो दाम बहुत ज्यादा कम हो गए हैं। इस समय डूमरतराई के थोक बाजार में अच्छी क्वालिटी का एक कैरेट टमाटर 70 से 80 रुपए में मिल रहा है। यह चिल्हर बाजार में छह से आठ रुपए में मिल रहा है। कहीं पर यह दस रुपए में डेढ़ किलो तो कहीं पर सवा किलो बिक रहा है। इसी के साथ थोड़ा कम क्वालिटी वाला टमाटर थोक में 50 रुपए कैरेट बिक रहा है। यह टमाटर चिल्हर में चार से पांच रुपए किलो बिक रहा है।

लोकल टमाटर भी 50 रुपए तक बिका

बीते साल दीपावली के बाद जब लोकल फसल आई तो बाहर से आने वाले टमाटर के दाम कम होते चले गए, लेकिन इसी के साथ लोकल टमाटर की कीमत पहली बार चिल्हर में 50 रुपए तक रही। इसके पीछे का कारण यह रहा है कि नई फसल आने के बाद लोकल टमाटर भी बिहार, उप्र, बंगाल, झारखंड सहित अन्य राज्यों में जाने लगा। लेकिन धीरे-धीरे दाम कम होते चले गए और बीते साल दाम चिल्हर में 30 रुपए तक आ गए।

अभी दो माह राहत

कारोबारियों के मुताबिक लोकल टमाटर की फसल अभी करीब दो माह तक चलेगी। ऐसे में इसके दाम बढ़ने वाले नहीं हैं। अप्रैल के तीसरे सप्ताह से जब लोकल फसल की आवक लगभग बंद हो जाएगी और बाहर के राज्यों के टमाटर की आवक होने लगेगी तो दाम फिर से आसमान पर जाएंगे। अप्रैल में दाम पहले 20 से 30 रुपए तक जा सकते हैं। इसके बाद बाहर की फसल से आगे की कीमत तय होगी। बीते साल की तरह ही दाम 50 से पार होकर सौ रुपए तक भी जा सकते हैं।

लोकल फसल के कारण दाम कम

प्रदेश की लोकल फसल के कारण ही दाम बहुत कम हैं। अच्छी क्वालिटी वाला टमाटर 80 रुपए और थोड़ा कम क्वालिटी वाला 50 रुपए कैरेट तक बिक रहा है।

- टी. श्रीनिवास रेड्डी, अध्यक्ष, डूमरतराई थोक सब्जी बाजार

गो-मांस बिक्री के आरोप पर दो गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

डीडीनगर थाना क्षेत्र के सरोना स्थित भैंसथान स्थित डेयरी में मिले गो-मांस मामले में पुलिस ने दो लोगों को गिरफ्तार किया है। एक अन्य फरार है। पुलिस ने गो-मांस बेचने के आरोप में अग्रोहा कालोनी निवासी आमिर कुरैशी तथा

बोरियाखुर्द निवासी कलीम खान को गिरफ्तार किया है। घटना दिनांक को तेज रफ्तार मेटाडोर को रोकने की कोशिश की। मेटाडोर चालक ने मेटाडोर को रोकने के बजाय तेज रफ्तार वाहन चलाते हुए सरोना स्थित भैंसथान में मेटाडोर रोकी और मौके से फरार हो गया। मेटाडोर की जांच करने पर तीन भैंस मिले। साथ ही पास के गड्ढे में तीन मवेशियों के सिर मिले। मेटाडोर चालक की पहचान दानिश कुरैशी के रूप में हुई है।

पाठक सूचना

हरिभूमि के सुधि पाठकों को अखबार की प्रतियां नहीं मिल रही हो या अन्य अखबार दिया जा रहा हो तो हमें निम्न नंबर पर संपर्क करें या वाट्सअप करें

9827555678, 8224868411

चकल्लस

चुनाव की केस स्टडी

नगरीय निकाय चुनाव के नतीजे महज नतीजे नहीं हैं। यह एक अध्ययन का विषय है। अविभाजित मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ का हिस्सा कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। कांग्रेस ही कांग्रेस, एक से एक दिग्गज। फिर भी जब प्रदेश गठन के बाद पहला चुनाव हुआ तब

भाजपा की सरकार बनी। पंद्रह साल तक रही। फिर एक बार जनता ने कांग्रेस को मौका दिया और फिर हटा दिया। अब निगम के चुनाव में कांग्रेस का सफाया ही हो गया। क्यों...? क्योंकि कांग्रेस में नेता चुनाव लड़ते हैं, भाजपा में संगठन। भाजपा में भी मतभेद होते हैं लेकिन मजाल है कि कोई खुलेआम पार्टी लाइन से बाहर जाए। लेकिन कांग्रेस...। दिग्गज एक दूजे की ही खाल खींचते रहते हैं। लोकल चुनाव में भी भाजपा का राष्ट्रीय संगठन सक्रिय था। कांग्रेस का...? तो निचोड़ है कि घर हो, समाज हो, संस्थान या संगठन। अगर मुखिया कमजोर है या मुख्यालय, उसका नुकसान ही होता है। बाकी आप समझ ही गए होंगे।

हमें तो अपनों ने लूटा

शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस में अंदरुनी तौर पर सिरफुटोबल के हालात हैं। खबरी बता रहा था कि पार्टी के वाट्सएप ग्रुप में कार्यकर्ता भड़ास

निकाल रहे हैं। कह रहे हैं कि निष्ठा का कोई मोल नहीं। जो हर हाल में पार्टी के साथ खड़े रहते हैं उनकी पूछपरख कम है। जो बगावत करते हैं, पार्टी के खिलाफ काम करते हैं, पार्टी के नाम पर धंधा करते हैं, उनकी पूछ परख हो जाती है। जो बगावत कर पार्टी के खिलाफ ही चुनाव लड़ते हैं वे फिर कांग्रेस वापसी कर लेते हैं। ऐसे में बगावत करने वालों का डर ही खत्म हो जाता है। रायपुर निगम में ऐसे ही लोगों ने दर्जनभर सीटें हरा दीं।

नेताजी का मौन व्रत

5 साल तक शहर सरकार के मुखिया को निगम चुनाव में तगड़ा झटका लगा। मेयर थे, तूती बोलती थी। अपनी सरकार थी तब का पूछिए ही मत। लेकिन वक्त एकसा कभी नहीं रहता। वह कभी भी पलट जाता है। वक्त ऐसा पलटा कि मेयर की कुर्सी गई, पार्षद का चुनाव लड़ा। उसे भी तगड़े से हार गए। खबरी बता रहा था कि उसके बाद नेताजी सदमे में हैं। किसी से बात नहीं कर रहे। अपने पलंटू को फोन दे दिया है। संवेदना जताने वालों से बात नहीं करना चाहते। कह रहे हैं कि अब हार गए हैं तो हर किसी को क्यों बताएं कि क्यों हारे। कुछ दिन के लिए खामोश रहूंगा।

चुनाव न लड़ने का मलाल

नगर निगम के चुनाव में इस बार जिस तरह से भाजपा की सुनामी आई

और भाजपा के 60 पार्षद जीत गए, उसके बाद भाजपा के उन दिग्गज नेताओं को बड़ा मलाल हो रहा है, जो चुनाव मैदान में नहीं थे। पिछली बार महापौर के लिए जो भाजपा के दिग्गज नेता दावेदार थे, उनमें से चार बड़े नेता चुनाव हार गए थे, इस बार ये नेता मैदान में नहीं थे, लेकिन अब इनको भी इस बात का अफसोस रहा है कि उन लोगों ने क्यों चुनाव नहीं लड़ा? अगर ये चुनाव लड़ते और जीतते तो सभापति बनने का मौका मिल सकता था।

दो नंबरी डाक्टर

अपने छत्तीसगढ़ के डाक्टरों ने देश में नाम कमाया है। खूब कमाया है। इतना कि आयुष्मान योजना में घपला करने में पूरे देश में नंबर दो पर

आ गए हैं। सोचिए कितनी मेहनत की होगी। इतने राज्य हैं। छत्तीसगढ़ से बड़े-बड़े। विशाल अस्पताल हैं। लेकिन न, मेहनत तो मेहनत है। मध्यप्रदेश भी घपलेबाजी में हमसे कम है। इसे कहते हैं मेहनत। लेकिन मेहनत की कद्र कहां होती है। इस ऐतिहासिक सफलता की गूंज राज्यसभा में हो गई। तब ऊपर से कहा गया कि एक्शन लो। तब पता नहीं किसकी नजर लगी है। छत्तीसगढ़ सरकार चुन-चुनकर निपटा रही है। अब तक रायपुर के ब्रांड हास्पिटल वालों की इज्जत उतर गई है। बिलासपुर वाले मुंह छिपा रहे हैं। दुर्ग में भी वही हाल है। इसके बाद धमतरी और रायगढ़ का नंबर आने वाला है। वैसे बधाईयां रुकनी नहीं चाहिए।

डाक्टरों का दर्द

हर जगह दो तरह के लोग होते हैं। अच्छे और बुरे। अब चिकित्सा भी एक पेशा है। प्रोफेशन है। या यूं कहिए कि अब एक बिजनेस है। तो इसमें में भी दो तरह के लोग हैं। एक वे जो मेहनत, ईमानदारी और अपने पेशे के प्रति बेहद सजग रहकर बिजनेस कर रहे हैं। दूसरे वे जो न डाक्टर हैं, न चिकित्सा पेशे से उनका कोई लेनादेना है। वे पैसे के दम पर इस पेशे में घुस आए हैं। करोड़ों खर्च कर अस्पताल खोल दिया है। बाहर से डाक्टर हायर किए और चिकित्सा के नाम पर धंधा कर रहे हैं। अच्छे वाले डाक्टरों का दर्द यह है कि उनकी वजह से पूरा पेशा कठघरे में है। सम्मान का भाव कम हो रहा है। क्योंकि वे लोग आए ही धंधा करने हैं और धंधेबाज केवल मुनाफा देखता है। उसे पेशे के प्रति ईमानदारी से कोई सरोकार नहीं होता ।

हार की खुशी

किसी को हार की खुशी मनाते हुए देखा है आपने? नहीं देखा है और देखने का जी चाह रहा है तो एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को देख लीजिए। क्या है कि इस बार कई छात्रनेताओं ने तय किया था कि वे पार्षद चुनाव के लिए टिकट मांगेगे। फिर विधानसभा, लोकसभा और उप-चुनाव में हार को देखते हुए उन्होंने तौबा कर ली। प्रचार के वक्त मन में रह-रहकर कसक उठती रही कि टिकट मांग ही लेना था। अब ये कसक मिट गई है। जब से परिणाम आए हैं, वोट मांगने की इच्छा रखते हुए भी वोट ना मांगने वाले मन ही मन मुस्कुरा रहे हैं। इसे कहते हैं, हार की खुशी।

नवा बइला के नवा सिंग

व्यापम में नए साहब आए हुए हैं। छत्तीगसढ़ी में एक कहावत है-नवा बइला के नवा सिंग, चल रे बइला टिंगे-टिंग। यानी बैल के जब नए-नए सिंग आते हैं तो वह ज्यादा उछल-उछल कर चलता है। यही हाल नए साहब का है। पुराने वाले जो कुछ करके गए हैं, उसे ही राग लपेट कर पेश कर रहे हैं। बस यूं ही उछल रहे हैं। नई चीजें पाइपलाइन में आ नहीं पा रही हैं और साहब को इसके लिए गाड़ी भर-भरकर तारीफें मिल रही हैं। इतनी तारीफों के बाद भी मजाल है कि साहब के स्वभाव में कोई भी बदलाव आया हो। वैसे ही बेवजह के एटिट्यूड वाले बने हुए हैं।

भाजपा का पूरा फोकस अब जिला पंचायत अध्यक्षों पर, सभी जिलों में परचम लहराने की रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय निकाय चुनाव में प्रचंड जीत के बाद अब भाजपा का पूरा फोकस पंचायत चुनाव में जिला पंचायत अध्यक्षों पर है। भाजपा अब हर जिले में जिलाध्यक्ष चाह रही है। पिछली बार 2020 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के कारण भाजपा को सिर्फ सात जिलों में सफलता मिली थी और 20 में कांग्रेस के जिला पंचायत अध्यक्ष बने थे। तब प्रदेश में 27 जिले थे, लेकिन इस समय 33 जिले हैं। इसी के साथ प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा पंच, सरपंच भी भाजपा अपने समर्थन में चाह रही है। पंच से पार्लियामेंट तक भाजपा का प्रतिनिधित्व की रणनीति पर वह काम रह रही है। प्रदेश में पहली बार नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ हो रहे हैं। नगरीय निकाय चुनाव तो निपट गए हैं। भाजपा ने इसको लेकर बड़ी तैयारी और रणनीति बनाई थी। भाजपा की रणनीति सफल नहीं बहुत ज्यादा सफल रही है। निकाय चुनावों में भाजपा की उम्मीद से ज्यादा बड़ी सफलता मिली है। भाजपा का बड़ा फोकस सभी दस नगर निगमों पर था और भाजपा से सभी में जीत प्राप्त की। इसी के साथ नगर पालिकाओं और नगर पंचायत में भी बड़ी सफलता मिली है। अब बारी पंचायत चुनाव की है। सोमवार को ही पहले चरण का मतदान है। इसमें मतदाताओं को चार वोट एक साथ देने को मौका मिलेगा। मतदाता पंच, सरपंच, जनपद सदस्य के साथ ही जिला पंचायत सदस्यों के लिए मतदान करेंगे। जिला पंचायत सदस्यों में से ही जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव होगा।

- पंच से पार्लियामेंट तक भाजपा के प्रतिनिधित्व की रणनीति पर काम कर रही भाजपा

सभी जिले जीतने की रणनीति

भाजपा ने नगर निगमों की तरह ही पंचायत चुनाव में सभी जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जीतने की रणनीति बनाई है। इसके लिए भाजपा के समर्थकों को जिला पंचायत सदस्य का प्रत्याशी बनाया गया है। वैसे पंच से लेकर सरपंच और जनपद सदस्य भी भाजपा के समर्थक मैदान में हैं। चूंकि पंचायत चुनाव गैर राजनीतिक होता है ऐसे में इसमें भाजपा का चुनाव चिंह नहीं रहेगा, लेकिन इसके चुनाव में जो प्रत्याशी मैदान में रहेंगे, वे जरूर भाजपा और कांग्रेस के समर्थक होंगे। प्रदेश भर के 33 जिलों के लिए भाजपा के 435 जिला पंचायत सदस्य चुनाव मैदान में हैं। इनमें से जो भी जीतकर आएंगे, वे जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। भाजपा का एक बड़ा फोकस इस बात पर भी है ज्यादा से ज्यादा जिला पंचायतों के सदस्य उनके समर्थक चुनाव जीते ताकि जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने में आसानी हो। जैसे रायपुर जिले में 16 जिला पंचायत सदस्य मैदान में हैं। यहां पर अगर आठ से ज्यादा सदस्य भाजपा के चुने जाते हैं तो भाजपा को जिला अध्यक्ष बनाने में आसानी होगी। इसी तरह से अलग-अलग जिलों में जिला पंचायत सदस्यों की संख्या अलग-अलग है।

नगरीय निकाय चुनाव में जातिगत समीकरण

डेढ़ दर्जन साहू जीते, इनमें दर्जनभर भाजपा से, महापौर समेत 8 ब्राह्मण भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर नगर निगम के चुनाव में सबसे ज्यादा साहू समाज के डेढ़ दर्जन पार्षद चुने गये हैं, जबकि ब्राम्हण समाज से 7 पार्षद चुनकर आये हैं, साथ ही निगम की महापौर मीनल चौबे भी ब्राह्मण समाज से हैं। खास बात ये है कि नगर निगम के आधे पार्षद पिछड़ा वर्ग से हैं।

दरअसल, प्रदेश के सबसे बड़े नगर निगम रायपुर के इस बार के निगम चुनाव में 70 निर्वाचित पार्षदों में से सबसे ज्यादा साहू समाज के डेढ़ दर्जन पार्षद हैं। इसके बाद ब्राम्हण समाज के 7 पार्षद चुनकर आये हैं।

दिलचस्प बात ये है कि दोनों ही प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस ने 16-16 प्रत्याशी साहू समाज से उतारे थे। पिछली बार के निगम चुनाव में 17 पार्षद साहू समाज से पार्षद के रूप में चुनाव जीतकर आये। इस बार इनकी संख्या में एक की बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं, 5 कुर्मी, 2 लोहार, 2 देवांगन, 2 ढीमर, 2 सोनकर और एक धोबी समाज से पार्षद चुनकर आये हैं।

इसी तरह वैश्य समाज में 2 अग्रवाल समाज से 2 गुप्ता 2 जैन और 1 राठौर समाज से पार्षद हैं। इसके अलावा सिंधी समाज से 2, मुस्लिम समाज से 2 और राजपूत समाज से 3 पार्षद निर्वाचित हुये हैं। इसके अलावा अनुसूचित जाति के 11 और अनुसूचित जनजाति वर्ग के 3 पार्षद चुने गये हैं।

साहू समाज के निर्वाचित पार्षदों पर एक नजर

- गोपेश कुमार साहू भाजपा, वार्ड नंबर 9 पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड
- मोहन कुमार साहू,भाजपा, वार्ड नंबर 11 डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड
- साधना-प्रमोद साहू भाजपा,वार्ड नंबर 12 कालीमाता वार्ड
- गज्जू साहू भाजपा, वार्ड नंबर 16 वीर शिवाजी वार्ड
- नंद किशोर साहू भाजपा, वार्ड नंबर 4 यतियतनलाल वार्ड
- अंबिका साहू भाजपा, वार्ड नंबर 5 बंजारी माता वार्ड
- परमिला साहू भाजपा, वार्ड नंबर 17 ठक्कर बापा वार्ड
- सोहनलाल साहू भाजपा, वार्ड नंबर 18 बालगंगाधर तिलक वार्ड
- भोलाराम साहू भाजपा, वार्ड नंबर 25 संत रामदास वार्ड
- पुष्पा रोहित साहू भाजपा,वार्ड नंबर 31 नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड
- अजय साहू भाजपा, वार्ड नंबर 43 ब्राम्हणपारा वार्ड
- संतोष साहू भाजपा, वार्ड नंबर 47 मदर टेरेसा वार्ड
- सुषमा तिलक साहू भाजपा, वार्ड नंबर 54 कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड
- प्रमोद साहू भाजपा, वार्ड नंबर 63 शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड
- दुर्गा यादराम साहू भाजपा, वार्ड नंबर 68 डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड

7 पार्षद ब्राह्मण समाज से

- आकाश तिवारी निर्दलीय, वार्ड नंबर 34 पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड
- सुमन -अशोक पांडेय भाजपा, वार्ड नंबर 39 ठाकुर प्यारेलाल वार्ड
- सरिता-आकाश दुबे भाजपा, वार्ड नंबर 41 पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड
- मुरली शर्मा भाजपा, वार्ड नंबर 44 स्वामी विवेकानंद-सदरबाजार वार्ड
- स्वपनिल मिश्रा भाजपा, वार्ड नंबर 58 शहीद पंकज विक्रम वार्ड
- ममता-सोनू तिवारी भाजपा, वार्ड नंबर 67 भक्त कर्मा माता वार्ड

वार्ड नं. 21 की पार्षद रानी जैन ने निकाली विजय रैली

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तिल्दा नेवरा

रविवार को वार्ड क्रमांक 21 की नवनिर्वाचित भाजपा पार्षद रानी सौरभ जैन के द्वारा वार्ड नंबर 21 मिशन वार्ड तिल्दा में जन आशीर्वाद रैली निकालकर जनता का आभार व्यक्त एवं धन्यवाद ज्ञापित कर आशीर्वाद प्राप्त किया। रानी सौरभ जैन ने घर घर जाकर सभी को जीत की मिठाई भी खिलाई, साथ ही जीत का श्रेय पूरे वार्डवासियों को एवं अपने पति सौरभ जैन को दिया। बता दे रानी सौरभ जैन ने एक माह पूर्व ही अपने बच्चे को जन्म दिया है और उसके बाद घूमघूमकर चुनाव प्रचार भी की एवं ऐतिहासिक जीत दर्ज की।

15 प्रतिशत अधिक वोट लेकर भाजपा ने कांग्रेस से बनाई बढ़त

रायपुर। छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव में नगर निगम से लेकर नगर पंचायत तक भाजपा ने कांग्रेस के मुकाबले 15 प्रतिशत अधिक वोट लेकर प्रचंड जीत दर्ज की है। महापौर व अध्यक्ष पद के डायरेक्ट चुनाव में भाजपा को 56.04 प्रतिशत और कांग्रेस को 31.25 प्रतिशत वोट मिले। विधानसभा और लोकसभा चुनाव की बढ़त को बरकरार रखते हुए निकाय चुनावों में भाजपा बढ़त बनाए हुए है। स्थानीय निकायों के चुनाव में मिली जीत से भाजपा उत्साहित है। राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव परिणाम के बाद नगरीय निकाय में वोट शेयर का पार्टी वाइस आंकड़ा भी जारी किया है। प्रदेश के जिन 10 नगर निगमों में चुनाव हुए हैं, उन सभी में महापौर पद पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत हुई है।

जिला पंचायत क्षेत्र क्र. 15 के लिए दुर्गा का सघन जनसंपर्क जारी

आरंग। रायपुर जिला पंचायत क्षेत्र क्र. 15 से दुर्गा परसराम साहू ने प्रचार अभियान तेज कर दिया है और सघन जनसंपर्क कर आम जनता से समर्थन मांग रही है। जनसम्पर्क के दौरान वे जिला पंचायत क्षेत्र क्र. 15 के अंतर्गत आने वाले गांवों गुल्लू, अमेठी, गुदगुदा, पारागांव, राटाकाट, बेनीडीह, चपरीद, रसौटा, तुलसी, करमंदी, परसदा (से.), सेमरिया (प.), कुरुद (कु.), कुटेला, मोहमेला, चिखली, केशला, पंधी, निसदा, गोईंदा, रानीसागर, बनरसी, अकोलीकला (लि.), लिंगाडीह, अकोलीखुर्द (प) के प्रत्येक घरों में घूम-घूम कर मतदाताओं का आशीर्वाद लेकर अपने समर्थन की अपील कर रही है। जिला पंचायत चुनाव में भाजपा अधिकृत प्रत्याशी दुर्गा परसराम साहू ने क्षेत्र क्रमांक 15 से मजबूती से अपनी उम्मीदवारी प्रस्तुत की है और क्षेत्र में सक्रीय

जनसंपर्क कर आम जनता से समर्थन मांग रही है। श्रीमती साहू ने कहा कि वह क्षेत्र के विकास और जनता की आशीर्वाद प्राप्त करने के लिए वह निरंतर सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। क्षेत्र के कई प्रमुख नेता भी उनके समर्थन में सामने आ रहे हैं, जिससे उनकी दावेदारी मजबूत मानी जा रही है। सभी प्रत्याशी अपने-अपने स्तर पर प्रचार-प्रसार में जुट गए हैं और क्षेत्र में राजनीतिक गतिविधियां तेज हो गई हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय का सपना आत्मनिर्भर भारत और सशक्त गांव हैं। श्रीमती साहू ने मतदाताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी से प्रभावित दिल्ली की जनता ने जो एकतरफा जीत दिलाई है, उसका बखान करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ में भी विष्णु देव साय के सुशासन के चलते हमें आम जन की समस्याओं को दूर कर विकास के कार्यों को तेज गति देनी है। भाजपा के पास अनगिनत ऐसी योजनाएं हैं कि इसका समय एवं ईमानदारी के साथ क्रियान्वयन किया जाए तो क्षेत्र में विकास एवं नागरिकों के जीवन स्तर में तेज गति से भाजपा की योजनाओं से विकास होगा। श्रीमती साहू ने मतदाताओं से पतंग छाप पर बहुमूल्य मत देकर समर्थन दिए जाने की अपील करते हुए कहा कि आपका आशीर्वाद ही हमारा संबल होगा।

दो वाहनों की भीषण टक्कर में ट्रेलर चालक की जलकर मौत...

आरंग। थाना क्षेत्र के ग्राम पारागांव के पास नेशनल हाइवे में भीषण हादसा हो गया। तड़के सुबह करीब 04 :30 से 05 :00 बजे ट्रेलर ने ट्रक को जोरदार टक्कर मार दी। जिसके बाद दोनों वाहनों में देखते ही देखते भीषण आग लग गई। हादसे में ट्रेलर चालक की जलकर मौत हो गई। आरंग थाना प्रभारी राजेश सिंह ने बताया कि घटना रविवार की सुबह लगभग 04 :30 से 05 :00 बजे की है। रायपुर की और जा रही जिप्सम भरी हुई ट्रक क्र. सीजी 08 एएस 5190 खड़ी हुई थी, तभी महासमुंद की और से ही तेज रफ्तार से आ रही ट्रेलर क्र. पीबी 10 जीके 7738 ने पीछे से जोरदार टक्कर मार दिया। टक्कर इतना जबरदस्त था कि दोनो वाहनों में आग लग गयी। जिसमे ट्रेलर चालक की जलकर मौत हो गई। वही दोनों वाहन जलकर खाक हो गए। घटना की सूचना मिलते आरंग पुलिस घटना स्थल पर पहुंच गई थी।

नगर पंचायत चंदखुरी में भाजपा के प्रतीक बैस अध्यक्ष निर्वाचित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| आरंग

नगर पंचायत चंदखुरी में अध्यक्ष व पार्शद पद के लिए हुए चुनाव में अध्यक्ष पद में भाजपा प्रत्याशी प्रतीक बैस ने 2462 मत हासिल कर अपनी एक तरफा जीत दर्ज करते हुए कांग्रेस प्रत्याशी को 1415 वोटों से हराया। कांग्रेस प्रत्याशी ने मात्र 1047 वोट हासिल किया। इस प्रकार भाजपा प्रत्याशी के जीत के अंतर से भी कम वोट कांग्रेस प्रत्याशी को मिला। यहां वार्ड क्र. 01 से भरथरी पटेल भाजपा 120 मत, वार्ड क्र. 02 से राजकुमारी उदय वर्मा भाजपा 176 मत, वार्ड क्र. 03 से देवकी साहू भाजपा 160, वार्ड क्र. 04 से ओंकार साहू भाजपा 149 मत, वार्ड क्र. 05 से नरेश चेलक कांग्रेस 144 मत, वार्ड क्र. 06 से मोहन बर्छिहा निर्दलीय 87 मत, वार्ड क्र. 07 से ईश्वरी प्रसाद धीवर भाजपा 198 मत, वार्ड क्र. 08 से चैती खोमलाल धीवर भाजपा 188 मत, वार्ड क्र. 09 से दुलेश्वरी अश्वनी वर्मा निर्दलीय 111 मत, वार्ड क्र. 10 से लक्ष्मीचंद देवांगन कांग्रेस 78 मत, वार्ड क्र. 11 से रवि सोनी भाजपा 121 मत, वार्ड क्र. 12 से संतोष वर्मा कांग्रेस 198 मत, वार्ड क्र. 13 से प्रमिला कोटराने निर्दलीय 141 मत, वार्ड क्र. 14 से हेमंत वर्मा निर्दलीय 131 मत, वार्ड क्र. 15 से अम्बे वर्मा कांग्रेस 137 मत पाकर विजयी हुए।

- 2462 मत भाजपा को और 1415 वोटों कांग्रेस को मिला

इस प्रकार कुल 15 वार्डो में 07 भाजपा, 04 कांग्रेस व 04 निर्दलीय प्रत्याशी विजयी हुए। जीत के बाद प्रतीक बैस ने कहा कि नगर पंचायत के विकास हेतु कार्य करने का अवसर मिला है, जिसे वे ईमानदारी से निभाएंगे। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की गारंटी व मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की सुशासन व मतदाताओं की विश्वास को अपनी जीत का हिस्सा बताया।

चकल्लस

चुनाव की केस स्टडी

नगरीय निकाय चुनाव के नतीजे महज नतीजे नहीं हैं। यह एक अध्ययन का विषय है। अविभाजित मध्यप्रदेश में छत्तीसगढ़ का हिस्सा कांग्रेस का गढ़ माना जाता था। कांग्रेस ही कांग्रेस, एक से एक दिग्गज। फिर भी जब प्रदेश गठन के बाद पहला चुनाव हुआ तब

भाजपा की सरकार बनी। पंद्रह साल तक रही। फिर एक बार जनता ने कांग्रेस को मौका दिया और फिर हटा दिया। अब निगम के चुनाव में कांग्रेस का सफाया ही हो गया। क्यों...? क्योंकि कांग्रेस में नेता चुनाव लड़ते हैं, भाजपा में संगठन। भाजपा में भी मतभेद होते हैं लेकिन मजाल है कि कोई खुलेआम पार्टी लाइन से बाहर जाए। लेकिन कांग्रेस...। दिग्गज एक दूजे की ही खाल खींचते रहते हैं। लोकल चुनाव में भी भाजपा का राष्ट्रीय संगठन सक्रिय था। कांग्रेस का...? तो निचोड़ है कि घर हो, समाज हो, संस्थान या संगठन। अगर मुखिया कमजोर है या मुख्यालय, उसका नुकसान ही होता है। बाकी आप समझ ही गए होंगे।

हमें तो अपनों ने लूटा

शर्मनाक हार के बाद कांग्रेस में अंदरुनी तौर पर सिरफुटोबल के हालात हैं। खबरी बता रहा था कि पार्टी के वाट्सएप ग्रुप में कार्यकर्ता भड़ास

निकाल रहे हैं। कह रहे हैं कि निष्ठा का कोई मोल नहीं। जो हर हाल में पार्टी के साथ खड़े रहते हैं उनकी पूछपरख कम है। जो बगावत करते हैं, पार्टी के खिलाफ काम करते हैं, पार्टी के नाम पर धंधा करते हैं, उनकी पूछ परख हो जाती है। जो बगावत कर पार्टी के खिलाफ ही चुनाव लड़ते हैं वे फिर कांग्रेस वापसी कर लेते हैं। ऐसे में बगावत करने वालों का डर ही खत्म हो जाता है। रायपुर निगम में ऐसे ही लोगों ने दर्जनभर सीटें हरा दीं।

नेताजी का मौन व्रत

5 साल तक शहर सरकार के मुखिया को निगम चुनाव में तगड़ा झटका लगा। मेयर थे, तूती बोलती थी। अपनी सरकार थी तब का पूछिए ही मत। लेकिन वक्त एकसा कभी नहीं रहता। वह कभी भी पलट जाता है। वक्त ऐसा पलटा कि मेयर की कुर्सी गई, पार्षद का चुनाव लड़ा। उसे भी तगड़े से हार गए। खबरी बता रहा था कि उसके बाद नेताजी सदमे में हैं। किसी से बात नहीं कर रहे। अपने पलंटू को फोन दे दिया है। संवेदना जताने वालों से बात नहीं करना चाहते। कह रहे हैं कि अब हार गए हैं तो हर किसी को क्यों बताएं कि क्यों हारे। कुछ दिन के लिए खामोश रहूंगा।

चुनाव न लड़ने का मलाल

नगर निगम के चुनाव में इस बार जिस तरह से भाजपा की सुनामी आई और भाजपा के 60 पार्षद जीत गए, उसके बाद भाजपा के उन दिग्गज

नेताओं को बड़ा मलाल हो रहा है, जो चुनाव मैदान में नहीं थे। पिछली बार महापौर के लिए जो भाजपा के दिग्गज नेता दावेदार थे, उनमें से चार बड़े नेता चुनाव हार गए थे, इस बार ये नेता मैदान में नहीं थे, लेकिन अब इनको भी इस बात का अफसोस रहा है कि उन लोगों ने क्यों चुनाव नहीं लड़ा? अगर ये चुनाव लड़ते और जीतते तो सभापति बनने का मौका मिल सकता था।

दो नंबरी डाक्टर

अपने छत्तीसगढ़ के डाक्टरों ने देश में नाम कमाया है। खूब कमाया है। इतना कि आयुष्मान योजना में घपला करने में पूरे देश में नंबर दो पर आ गए हैं। सोचिए कितनी मेहनत की होगी। इतने राज्य हैं। छत्तीसगढ़

से बड़े-बड़े। विशाल अस्पताल हैं। लेकिन न, मेहनत तो मेहनत है। मध्यप्रदेश भी घपलेबाजी में हमसे कम है। इसे कहते हैं मेहनत। लेकिन मेहनत की कद्र कहां होती है। इस ऐतिहासिक सफलता की गूंज राज्यसभा में हो गई। तब ऊपर से कहा गया कि एक्शन लो। तब पता नहीं किसकी नजर लगी है। छत्तीसगढ़ सरकार चुन-चुनकर निपटा रही है। अब तक रायपुर के ब्रांड हास्पिटल वालों की इज्जत उतर गई है। बिलासपुर वाले मुंह छिपा रहे हैं। दुर्ग में भी वही हाल है। इसके बाद धमतरी और रायगढ़ का नंबर आने वाला है। वैसे बधाईयां रुकनी नहीं चाहिए।

डाक्टरों का दर्द

हर जगह दो तरह के लोग होते हैं। अच्छे और बुरे। अब चिकित्सा भी एक पेशा है। प्रोफेशन है। या यूं कहिए कि अब एक बिजनेस है। तो इसमें में भी दो तरह के लोग हैं। एक वे जो मेहनत, ईमानदारी और अपने पेशे के प्रति बेहद सजग रहकर बिजनेस कर रहे हैं। दूसरे वे जो न डाक्टर हैं, न चिकित्सा पेशे से उनका कोई लेनादेना है। वे पैसे के दम पर इस पेशे में घुस आए हैं। करोड़ों खर्च कर अस्पताल खोल दिया है। बाहर से डाक्टर हायर किए और चिकित्सा के नाम पर धंधा कर रहे हैं। अच्छे वाले डाक्टरों का दर्द यह है कि उनकी वजह से पूरा पेशा कठघरे में है। सम्मान का भाव कम हो रहा है। क्योंकि वे लोग आए ही धंधा करने हैं और धंधेबाज केवल मुनाफा देखता है। उसे पेशे के प्रति ईमानदारी से कोई सरोकार नहीं होता ।

हार की खुशी

किसी को हार की खुशी मनाते हुए देखा है आपने? नहीं देखा है और देखने का जी चाह रहा है तो एनएसयूआई कार्यकर्ताओं को देख लीजिए। क्या है कि इस बार कई छात्रनेताओं ने तय किया था कि वे पार्षद चुनाव के लिए टिकट मांगेगे। फिर विधानसभा, लोकसभा और उप-चुनाव में हार को देखते हुए उन्होंने तौबा कर ली। प्रचार के वक्त मन में रह-रहकर कसक उठती रही कि टिकट मांग ही लेना था। अब ये कसक मिट गई है। जब से परिणाम आए हैं, वोट मांगने की इच्छा रखते हुए भी वोट ना मांगने वाले मन ही मन मुस्कुरा रहे हैं। इसे कहते हैं, हार की खुशी।

नवा बइला के नवा सिंग

व्यापम में नए साहब आए हुए हैं। छत्तीगसढ़ी में एक कहावत है-नवा बइला के नवा सिंग, चल रे बइला टिंगे-टिंग। यानी बैल के जब नए-नए सिंग आते हैं तो वह ज्यादा उछल-उछल कर चलता है। यही हाल नए साहब का है। पुराने वाले जो कुछ करके गए हैं, उसे ही राग लपेट कर पेश कर रहे हैं। बस यूं ही उछल रहे हैं। नई चीजें पाइपलाइन में आ नहीं पा रही हैं और साहब को इसके लिए गाड़ी भर-भरकर तारीफें मिल रही हैं। इतनी तारीफों के बाद भी मजाल है कि साहब के स्वभाव में कोई भी बदलाव आया हो। वैसे ही बेवजह के एटिट्यूड वाले बने हुए हैं।

जिया कुरैशी, राजकुमार ग्वालानी
सुरेंद्र शुक्ला, प्रदीप शर्मा, रुचि वर्मा

भाजपा का पूरा फोकस जिला पंचायत अध्यक्षों पर, सभी जिलों में परचम लहराने की रणनीति

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय निकाय चुनाव में प्रचंड जीत के बाद अब भाजपा का पूरा फोकस पंचायत चुनाव में जिला पंचायत अध्यक्षों पर है। भाजपा अब हर जिले में जिलाध्यक्ष चाह रही है। पिछली बार 2020 में प्रदेश में कांग्रेस की सरकार होने के कारण भाजपा को सिर्फ सात जिलों में सफलता मिली थी और 20 में कांग्रेस के जिला पंचायत अध्यक्ष बने थे। तब प्रदेश में 27 जिले थे, लेकिन इस समय 33 जिले हैं। इसी के साथ प्रदेश में ज्यादा से ज्यादा पंच, सरपंच भी भाजपा अपने समर्थन में चाह रही है। पंच से पार्लियामेंट तक भाजपा का प्रतिनिधित्व की रणनीति पर वह काम रह रही है। प्रदेश में पहली बार नगरीय निकाय और पंचायत चुनाव एक साथ हो रहे हैं। नगरीय निकाय चुनाव तो निपट गए हैं। भाजपा ने इसको लेकर बड़ी तैयारी और रणनीति बनाई थी। भाजपा की रणनीति सफल नहीं बहुत ज्यादा सफल रही है। निकाय चुनावों में भाजपा की उम्मीद से ज्यादा बड़ी सफलता मिली है। भाजपा का बड़ा फोकस सभी दस नगर निगमों पर था और भाजपा से सभी में जीत प्राप्त की। इसी के साथ नगर पालिकाओं और नगर पंचायत में भी बड़ी सफलता मिली है। अब बारी पंचायत चुनाव की है। सोमवार को ही पहले चरण का मतदान है। इसमें मतदाताओं को चार वोट एक साथ देने को मौका मिलेगा। मतदाता पंच, सरपंच, जनपद सदस्य के साथ ही जिला पंचायत सदस्यों के लिए मतदान करेंगे। जिला पंचायत सदस्यों में से ही जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव होगा।

■ पंच से पार्लियामेंट तक भाजपा के प्रतिनिधित्व की रणनीति पर काम कर रही भाजपा

सभी जिले जीतने की रणनीति

भाजपा ने नगर निगमों की तरह ही पंचायत चुनाव में सभी जिलों में जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव जीतने की रणनीति बनाई है। इसके लिए भाजपा के समर्थकों को जिला पंचायत सदस्य का प्रत्याशी बनाया गया है। वैसे पंच से लेकर सरपंच और जनपद सदस्य भी भाजपा के समर्थक मैदान में हैं। चूंकि पंचायत चुनाव गैर राजनीतिक होता है ऐसे में इसमें भाजपा का चुनाव चिंह नहीं रहेगा, लेकिन इसके चुनाव में जो प्रत्याशी मैदान में रहेंगे, वे जरूर भाजपा और कांग्रेस के समर्थक होंगे। प्रदेश भर के 33 जिलों के लिए भाजपा के 435 जिला पंचायत सदस्य चुनाव मैदान में हैं। इनमें से जो भी जीतकर आएंगे, वे जिला पंचायत अध्यक्ष का चुनाव करेंगे। भाजपा का एक बड़ा फोकस इस बात पर भी है ज्यादा से ज्यादा जिला पंचायतों के सदस्य उनके समर्थक चुनाव जीते ताकि जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने में आसानी हो। जैसे रायपुर जिले में 16 जिला पंचायत सदस्य मैदान में हैं। यहां पर अगर आठ से ज्यादा सदस्य भाजपा के चुने जाते हैं तो भाजपा को जिला अध्यक्ष बनाने में आसानी होगी। इसी तरह से अलग-अलग जिलों में जिला पंचायत सदस्यों की संख्या अलग-अलग है।

नगरीय निकाय चुनाव में जातिगत समीकरण

डेढ़ दर्जन साहू जीते, इनमें दर्जनभर भाजपा से, महापौर समेत 8 ब्राह्मण भी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

रायपुर नगर निगम के चुनाव में सबसे ज्यादा साहू समाज के डेढ़ दर्जन पार्षद चुने गये हैं, जबकि ब्राम्हण समाज से 7 पार्षद चुनकर आये हैं, साथ ही निगम की महापौर मीनल चौबे भी ब्राह्मण समाज से हैं। खास बात ये है कि नगर निगम के आधे पार्षद पिछड़ा वर्ग से हैं।

दरअसल, प्रदेश के सबसे बड़े नगर निगम रायपुर के इस बार के निगम चुनाव में 70 निर्वाचित पार्षदों में से सबसे ज्यादा साहू समाज के डेढ़ दर्जन पार्षद हैं। इसके बाद ब्राम्हण समाज के 7 पार्षद चुनकर आये हैं।

दिलचस्प बात ये है कि दोनों ही प्रमुख दल भाजपा और कांग्रेस ने 16-16 प्रत्याशी साहू समाज से उतारे थे। पिछली बार के निगम चुनाव में 17 पार्षद साहू समाज से पार्षद के रूप में चुनाव जीतकर आये। इस बार इनकी संख्या में एक की बढ़ोतरी हुई है। यही नहीं, 5 कुर्मी, 2 लोहार, 2 देवांगन, 2 ढीमर, 2 सोनकर और एक धोबी समाज से पार्षद चुनकर आये हैं।

इसी तरह वैश्य समाज में 2 अग्रवाल समाज से 2 गुप्ता 2 जैन और 1 राठौर समाज से पार्षद हैं। इसके अलावा सिंधी समाज से 2, मुस्लिम समाज से 2 और राजपूत समाज से 3 पार्षद निर्वाचित हुये हैं। इसके अलावा अनुसूचित जाति के 11 और अनुसूचित जनजाति वर्ग के 3 पार्षद चुने गये हैं। साहू समाज के नवनिर्वाचित पार्षदों में सबसे ज्यादा 12 पार्षद भाजपा के हैं।

साहू समाज के निर्वाचित पार्षदों पर एक नजर

- गोपेश कुमार साहू भाजपा, वार्ड नंबर 9 पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड
- मोहन कुमार साहू,भाजपा, वार्ड नंबर 11 डॉ. भीमराव अंबेडकर वार्ड
- साधना-प्रमोद साहू भाजपा,वार्ड नंबर 12 कालीमाता वार्ड
- गज्जू साहू भाजपा, वार्ड नंबर 16 वीर शिवाजी वार्ड
- नंद किशोर साहू भाजपा, वार्ड नंबर 4 यतियतनलाल वार्ड
- अंबिका साहू भाजपा, वार्ड नंबर 5 बंजारी माता वार्ड
- परमिला साहू भाजपा, वार्ड नंबर 17 ठक्कर बापा वार्ड
- सोहनलाल साहू भाजपा, वार्ड नंबर 18 बालगंगाधर तिलक वार्ड
- भोलाराम साहू भाजपा, वार्ड नंबर 25 संत रामदास वार्ड
- पुष्पा रोहित साहू भाजपा,वार्ड नंबर 31 नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड
- अजय साहू भाजपा, वार्ड नंबर 43 ब्राम्हणपारा वार्ड
- संतोष साहू भाजपा, वार्ड नंबर 47 मदर टेरेसा वार्ड
- सुषमा तिलक साहू भाजपा, वार्ड नंबर 54 कामरेड सुधीर मुखर्जी वार्ड
- प्रमोद साहू भाजपा, वार्ड नंबर 63 शहीद ब्रिगेडियर उस्मान वार्ड
- दुर्गा यादराम साहू भाजपा, वार्ड नंबर 68 डॉ. खूबचंद बघेल वार्ड

कांग्रेस से निर्वाचित साहू समाज के पार्षद

- दीपं मनीराम साहू वार्ड नंबर 24 सरदार वल्लभभाई पटेल वार्ड
- रेणु जयंत साहू वार्ड नंबर 51 लाल बहादुर शास्त्री वार्ड

7 पार्षद ब्राह्मण समाज से

- आकाश तिवारी निर्दलीय, वार्ड नंबर 34 पंडित रविशंकर शुक्ल वार्ड
- सुमन -अशोक पांडेय भाजपा, वार्ड नंबर 39 ठाकुर प्यारेलाल वार्ड
- सरिता-आकाश दुबे भाजपा, वार्ड नंबर 41 पंडित सुंदरलाल शर्मा वार्ड
- मुरली शर्मा भाजपा, वार्ड नंबर 44 स्वामी विवेकानंद-सदरबाजार वार्ड
- स्वपनिल मिश्रा भाजपा, वार्ड नंबर 58 शहीद पंकज विक्रम वार्ड
- ममता-सोनू तिवारी भाजपा, वार्ड नंबर 67 भक्त कर्मा माता वार्ड
- देवदत्त द्विवेदी भाजपा, वार्ड क्रमांक 10 रानी लक्ष्मीबाई वार्ड

15 प्रतिशत अधिक वोट लेकर भाजपा ने कांग्रेस से बनाई बढ़त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

छत्तीसगढ़ में नगरीय निकाय चुनाव में नगर निगम से लेकर नगर पंचायत तक भाजपा ने कांग्रेस के मुकाबले 15 प्रतिशत अधिक वोट लेकर प्रचंड जीत दर्ज की है। महापौर व अध्यक्ष पद के डायरेक्ट चुनाव में भाजपा को 56.04 प्रतिशत और कांग्रेस को 31.25 प्रतिशत वोट मिले। विधानसभा और लोकसभा चुनाव की बढ़त को बरकरार रखते हुए निकाय चुनावों में भाजपा बढ़त बनाए हुए है। स्थानीय निकायों के चुनाव में मिली जीत से भाजपा उत्साहित है।

■ नगरीय निकाय चुनावों में कांग्रेस को 31, भाजपा को मिले 56 प्रतिशत मत

राज्य निर्वाचन आयोग ने चुनाव परिणाम के बाद नगरीय निकाय में वोट शेयर का पार्टी वाइस आंकड़ा भी जारी किया है। प्रदेश के जिन 10 नगर निगमों में चुनाव हुए हैं, उन सभी में महापौर पद पर भाजपा प्रत्याशियों की जीत हुई है। वहीं, प्रदेश की 49 नगर पालिकाओं में से 35 तथा 114 नगर पंचायतों में से 81 में भी भाजपा उम्मीदवार जीते हैं। महापौर-अध्यक्ष पद के परिणाम के आधार पर यह भाजपा को 56.04 फीसदी वोट और पार्षद पद के लिए भाजपा को कुल 46.62 प्रतिशत मत मिले हैं। दोनों के वोट प्रतिशत में 10 प्रतिशत का अंतर दिखाई देता है। पार्षदों में 542 पदों में से भाजपा 381 जीत पाई इस लिहाज से वोट शेयर प्रतिशत निकाला गया है। वहीं दूसरी ओर महापौर-अध्यक्ष पद के लिए कांग्रेस को कुल 31.25 फीसदी और पार्षद के लिए 33.58 फीसदी वोट मिले हैं। इसमें मात्र 1.75 प्रतिशत का अंतर है।

निर्दलीय पार्षदों को मिले16 प्रतिशत वोट

महापौर-अध्यक्ष पद के लिए निर्दलीय प्रत्याशियों का वोट प्रतिशत 7.73 तथा पार्षद पद के लिए निर्दलीय प्रत्याशियों का वोट प्रतिशत 16.25 रहा। वहीं महापौर-अध्यक्ष पद के लिए नोटा पर केवल 1.96 प्रतिशत व पार्षद पद के लिए नोटा पर 1.23 फीसदी वोट पड़े। आम आदमी पार्टी को महापौर-अध्यक्ष पद के लिए 0.99 प्रतिशत व पार्षद पद के लिए 0.85 प्रतिशत वोट प्राप्त हुए।

भाजपा समर्थित प्रत्याशी ग्रामीण क्षेत्रों में विकास को दें गति

मुख्यमंत्री साय ने की पंचायत चुनाव में वोट देने की अपील

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के लिए मतदाताओं से भारतीय जनता पार्टी समर्थित प्रत्याशियों को वोट देने की अपील की है। उन्होंने कहा, त्रि-स्तरीय पंचायत चुनाव के प्रथम चरण के अंतर्गत प्रदेश के 53 विकासखंडों में कल वोट डाले जाएंगे। जिस तरह हम मोदी की गारंटी के सभी वादों को पूरा कर रहे हैं, ठीक उसी तरह हम ग्रामीण क्षेत्रों के समुचित विकास के लिए जारी कार्यों को और अधिक गति प्रदान करेंगे, इसलिए भाजपा समर्थित प्रत्याशियों को भारी मतों से विजयी बनाएं।

■ प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जरूरतमंदों के पक्के घर के सपने को साकार किया

उन्होंने कहा, मोदी की गारंटी के तहत हमने प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत जरूरतमंदों के पक्के घर के सपने को साकार किया है। किसानों को 3,100 रुपये प्रति क्विंटल धान की कीमत देने का वादा पूरा किया है और धान की अंतर की राशि बारह हजार करोड़ रुपए भी जारी कर दी है। महतारी का सम्मान करते हुए हमने महतारी वंदन योजना के तहत 70 लाख महिलाओं को अब तक बारह क़स्ति जारी कर दी है। भूमिहीन कृषि मजदूरों को प्रतिवर्ष दस हजार रुपए की आर्थिक सहायता दे रहे हैं। जल जीवन मिशन के तहत गाँवों में घर-घर स्वच्छ पेयजल पहुंचाने का कार्य जोरों पर है। उन्होंने कहा कि हम किसानों, महिलाओं, गरीबों, आदिवासियों, जरूरतमंदों सभी वर्ग की सेवा कर रहे हैं और आगे भी करेंगे। इसलिए अधिक से अधिक संख्या में भारतीय जनता पार्टी समर्थित प्रत्याशियों के पक्ष में मतदान करें, उन्हें भारी मतों से विजयी बनाएं।

जय व्यापार पैनल से अमर पारवानी होंगे चैंबर अध्यक्ष पद के प्रत्याशी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

जय व्यापार पैनल के संरक्षक मंडल ने छत्तीसगढ़ चैंबर आफ कामर्स के आगामी चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा की। इसमें अमर पारवानी को अध्यक्ष, अजय भसीन को महामंत्री और उत्तम गोलछा को कोषाध्यक्ष के रूप में सर्व सम्मति से प्रत्याशी बनाया। यह निर्णय पिछले चार वर्षों तक उनके सफल कार्यकाल को ध्यान में रखते हुये लिया गया है।

जय व्यापार पैनल से अमर पारवानी पुन अध्यक्ष पद के प्रत्याशी होंगे। संरक्षक मंडल की महत्वपूर्ण बैठक में पैनल के संरक्षक मंडल के आसुदामल, महेंद्र धाड़ीवाल, हनुमान प्रसाद अग्रवाल, यूएन

■ आगामी चुनावों में व्यापारियों से उन्हें पूर्ण समर्थन देने का आह्वान किया

अग्रवाल, सलाहकार जितेन्द्र दोषी, सुरेंद्र सिंह, विक्रम सिंहदेव,परमानंद जैन, राजेंद्र जग्गी, मनमोहन अग्रवाल, मनोज अग्रवाल सहित अमर पारवानी, अजय भसीन और उत्तम गोलछा उपस्थित थे। विदित हो, जय व्यापार पैनल छत्तीसगढ़ में व्यापारिक समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। चैंबर ने इस कार्यकाल में वर्तमान अध्यक्ष अमर पारवानी के नेतृत्व में नये 11,500 रिकॉर्ड सदस्यों के साथ एक मजबूत समर्थन प्राप्त किया है। जय व्यापार पैनल ने आगामी चुनावों के लिए अपनी रणनीतियों और लक्ष्यों को स्पष्ट किया है और अपने पिछले कार्यकाल की उपलब्धियों को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। पैनल ने अपने प्रत्याशियों के प्रति विश्वास व्यक्त किया है और आगामी चुनावों में व्यापारियों से उन्हें पूर्ण समर्थन देने का आह्वान किया है। संरक्षक मण्डल ने कहा कि उनके पैनल का उद्देश्य व्यापारिक समुदाय के हितों की रक्षा और संवर्धन करना है, और इसके लिए वे समर्पित रहेंगे। जय व्यापार पैनल ने आगामी चुनावों में एकजुट होकर अपने उम्मीदवारों का समर्थन करने के लिए आव्हान किया है।

राजिम कल्प कुंभ में उमड़ी भीड़ प्रशासन ने किए पुख्ता इंतजाम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

तीर्थ नगरी राजिम में 54 एकड़ में फैले कुंभ कल्प मेला की भव्यता और वहां आने वाले श्रद्धालुओं के लिए की गई व्यवस्थाओं को लोग सराह रहे हैं। मेले में काफी भीड़ उमड़ रही है। यहां मंदिरों के दर्शन के साथ-साथ श्रद्धालु मेले का भी आनंद ले रहे हैं। नए मेला मैदान में मुख्य मंच, सांस्कृतिक मंच, फूड जोन, मीना बाजार, पंचकोशी धाम की झांकी सहित विभिन्न सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं। राजिम कुंभ कल्प में इस बार भीड़ को नियंत्रित करने और श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नया मेला मैदान चुना गया, जिससे ट्रैफिक जाम और अव्यवस्था की समस्या दूर हो गई। दर्शकों के लिए 5000 से अधिक

कुर्सियां लगाई गई हैं। वहीं व्यापारियों को सस्ती दरों पर दुकानें आवंटित की गई हैं, जिससे छोटे व्यवसायियों में उत्साह है। लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग द्वारा पूरे मेला क्षेत्र में पेयजल के लिए पाइपलाइन बिछाई गई, जिससे लोगों को पानी की कोई कमी नहीं हो रही है। वहीं 10 रुपए में भरपेट भोजन की सुविधा उपलब्ध है।

अमित शाह बोले- भाजपा की प्रचंड जीत नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में बढ़ते कदम पर जनता की मुहर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगरीय निकाय चुनाव में भाजपा को मिली प्रचंड एवं ऐतिहासिक जीत पर केंद्रीय नेतृत्व बहुत खुश है। केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से लेकर राष्ट्रीय अध्यक्ष जगत प्रकाश नड्डा सहित रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह एवं अन्य राष्ट्रीय नेताओं ने मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रदेश भाजपा संगठन को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। अमित शाह ने कहा, भाजपा की प्रचंड जीत नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में बढ़ते कदम पर जनता की मोहर है। सीएम साय ने भी बधाई एवं शुभकामनाओं के लिए सभी का हृदय से आभार जताया। केंद्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने एक्स पर लिखा है- छत्तीसगढ़ नगर निकाय के चुनावों में भाजपा को मिली प्रचंड जीत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जन-जन तक विकास कार्यों की पहुंच और नक्सलमुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में बढ़ते कदम पर जनता की मोहर है। इस विजय के लिए जनता का बहुत-बहुत धन्यवाद और प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को शुभकामनाएं। भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष सह केंद्रीय मंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने एक्स पर लिखा है- भाजपा की प्रचंड विजय पर प्रदेश के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव और भाजपा छत्तीसगढ़ के सभी कार्यकर्ताओं को हार्दिक बधाई देता हूं। यह ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रहीं जन-कल्याणकारी व जनजातीय-हितैषी योजनाओं पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

राजनाथ बोले-भाजपा का परफेक्ट टेन

देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने एक्स पर लिखा है- छत्तीसगढ़ के नगर निकाय चुनाव में भाजपा ने 'परफेक्ट टेन' हासिल करके जीत का परचम लहराया है। इस जबरदस्त जीत के लिए छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव साय एवं प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव समेत पूरी टीम को बधाई।

राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश ने एक्स पर लिखा है- यह ऐतिहासिक जीत मोदी की गारंटी और विष्णु देव साय के सुशासन पर जनता की मोहर है। राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े ने एक्स पर लिखा है नगर-नगर भाजपा, शहर-शहर भाजपा, छत्तीसगढ़ नगरीय निकाय चुनाव में 10 की 10 सीटों पर भाजपा ने ऐतिहासिक विजय हासिल की है। भाजपा प्रदेश प्रभारी नितिन नबीन ने एक्स पर लिखा है- पंचायत से पार्लियामेंट तक भगवा लहरा रहा है। राष्ट्रीय प्रवक्ता एवं सांसद संबित पात्रा ने एक्स पर लिखा है छत्तीसगढ़ नगर निकाय चुनाव में भाजपा की ऐतिहासिक विजय प्रधानमंत्री नरेंद्र मोद के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में डबल-इंजन सरकार द्वारा क्रियान्वित हो रहीं जन-कल्याणकारी नीतियों पर प्रदेशवासियों के अटूट विश्वास का प्रतीक है।

खबर संक्षेप

विधवा, विधुर और तलाकशुदा के पुनर्विवाह के लिए परिचय सम्मेलन 9 मार्च को

रायपुर। रायपुर ब्राइट फाउंडेशन द्वारा इस वर्ष भी सभी जाति, समाज की विधवा, विधुर व वैध तलाकशुदा महिलाओं, पुरुषों के पुनर्विवाह के लिए परिचय सम्मेलन का आयोजन किया गया है, जिसमें अविवाहित युवक-युवतियां तथा उम्रदराज अविवाहित महिलाएं भी शामिल हो सकती हैं। यह कार्यक्रम पुरानी बस्ती स्थित महामाया मंदिर के सत्संग भवन में आगामी 9 मार्च को होगा। संस्था के प्रदेश प्रवक्ता चेतन चंदेल और अध्यक्ष प्रदीप गोविंद शितूत ने कहा कि इस वर्ष के परिचय सम्मेलन के लिए महिलाओं का पंजीयन निशुल्क किया जा रहा है, ताकि अधिक से अधिक महिलाएं एवं युवतियां इसका लाभ उठा सकें और अपने लिए योग्य जीवनसाथी चुन सकें। साथ ही परिचय सम्मेलन दिवस पर भी सुबह 9 बजे से कार्यक्रम स्थल पर पंजीयन की सुविधा उपलब्ध रहेगी। कार्यक्रम की तैयारियों को लेकर संस्था की बैठक विगत दिनों की गई, जिसमें निर्णय लिया गया कि संस्था के अन्य दो कार्यालयों धमतरी व डोंगरगढ़ में भी पंजीयन की सुविधा उपलब्ध होगी।

सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का शुभांरभ

रायपुर। पतंजलि योगपीठ हरिद्वार द्वारा 25 दिवसीय सह योग शिक्षक प्रशिक्षण शिविर का शुभारंभ विगत दिनों कई जगहों पर किया गया। यह प्रशिक्षण शिविर 8 मार्च तक जारी रहेगा। कार्यक्रम आयोजक ने बताया कि शिविर का शुभारंभ बेबीलोन टॉवर रायपुर टाटीबंध, नया रायपुर और बलौदाबाजार में एक साथ किया गया।

रेलवे के तीन डिवीजन में चलाया अभियान

रायपुर। भिलाई आरपीएफ ने अभियान चलाकर टिकट दलालों समेत रेलवे क्षेत्र के अवैध कारोबारियों पर शिकंजा कसने का प्रयास कर रही है। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के रायपुर मंडल के अंतर्गत भिलाई-दुर्ग में यात्री ट्रेनों और स्टेशनों में भूलवश छोड़े गए सामानों को ऑपरेशन अमानत के तहत रेलवे सुरक्षा बल के द्वारा यात्रियों को सुपुर्द किया। रेलवे सुरक्षा बल को रेल मदद, ट्विटर या अन्य माध्यमों से रेल यात्रियों के भूलवश छूटे सामानों की जानकारी सुरक्षा नियंत्रण कक्ष को मिलती है। सुरक्षा नियंत्रण कक्ष में तैनात स्टाफ के द्वारा यात्रियों के दिए गए मोबाईल से संपर्क कर उनके ट्रेन नम्बर, कोच नंबर या स्टेशनों की जानकारी प्राप्त कर अगले आने वाले रेलवे सुरक्षा बल पोस्ट को सूचित किया जाता है।

निधन

कैलाश सिंह शिंदे

रायपुर। शांतिनगर निवासी कैलाश सिंह शिंदे (78) का 16 फरवरी को निधन हो गया। उनकी अंतिम यात्रा प्रातः 9 बजे निवास स्थान से देवेंद्र नगर मुक्तिधाम जाएगी। वे कुमुद शिंदे के पति, तेजस्विनी, अमित, ओजस्विनी, श्रीनाथ, जगताप के पिता एवं महेंद्र सिंह शिंदे के भाई थे।

तीन साल तक की पढ़ाई तो इंटर्नशिप जरूरी नहीं, चौथे वर्ष में ही अनिवार्य होगा 'व्यावहारिक अनुभव'

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेशभर के महाविद्यालयों और विश्वविद्यालयों में मौजूदा शैक्षणिक सत्र से राष्ट्रीय शिक्षा नीति लागू कर दी गई है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत विद्यार्थियों के लिए संबंधित क्षेत्र में व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त करना अथवा इंटर्नशिप करना अनिवार्य है। यह व्यवस्था शुरुआती तीन वर्ष के विद्यार्थियों के लिए ना होकर चौथे वर्ष के विद्यार्थियों के लिए होगी। जो छात्र स्नातकोत्तर की उपाधि हासिल करना चाहते हैं और चतुर्थ वर्ष में दाखिला प्राप्त करेंगे, उन्हें ही इंटर्नशिप करना होगा। इसके अंक छात्रों के अंतिम परीक्षा परिणाम में भी जोड़े जाएंगे।

- तीन वर्ष में पूर्ण होगा ग्रेज्यूएशन चौथे वर्ष में मिलेगी ऑनर्स डिग्री

उल्लेखनीय है कि एनईपी के तहत पहले साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र को सर्टिफिकेट दिया जाएगा। दो साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र को डिप्लोमा मिलेगा। तीन साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद छात्र को स्नातक की उपाधि और चार साल की पढ़ाई पूरी करने पर छात्र को ऑनर्स डिग्री मिलेगी। पांच साल की पढ़ाई पूरी करने के बाद विद्यार्थियों को स्नातकोत्तर की उपाधि प्रदान की जाएगी। इस तरह से स्नातकोत्तर की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों को ही इंटर्नशिप करना होगा।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति के अंतर्गत छात्रों के व्यावहारिक ज्ञान पर दिया गया है जोर

स्नातक में स्किल इनहैसमेंट कोर्स ही

महाविद्यालयीन जीवन के शुरुआती तीन वर्षों में विद्यार्थियों के लिए स्किल इनहैसमेंट कोर्स ही संचालित किए जाएंगे। इसके साथ ही वैल्यू एडेड कोर्स का भी संचालन छात्रों के लिए किया जाएगा। विद्यार्थी अपनी सुविधा और रुचि के अनुसार इन पाठ्यक्रमों का चुनाव कर रहे हैं। इनके अंक भी अंतिम परीक्षा परिणाम में जुड़ेंगे। सामान्यतः छात्र अपने विषय संबंधित स्किल इनहैसमेंट और वैल्यू एडेड कोर्स का ही चुनाव कर रहे हैं।

सभी के लिए व्यवस्था संभव नहीं

स्नातक स्तर पर विद्यार्थियों की संख्या स्नातकोत्तर स्तर की तुलना में कई गुना अधिक होती है। सभी विद्यार्थियों के लिए कंपनियों और संबंधित क्षेत्र में इंटर्नशिप की व्यवस्था कर पाना संभव नहीं है। इसे देखते हुए इंटर्नशिप संबंधित व्यवस्था चतुर्थ वर्ष में करने की तैयारी है। प्रथम वर्ष में एनईपी लागू किए जाने के पश्चात अब शैक्षणिक सत्र 2025-26 में द्वितीय सत्र में इसे लागू किया जाएगा। इसके लिए भी तैयारियां की जा रही हैं।

27 करोड़ से अधिक का यूनिपोल घोटाला

ग्रेसफुल मीडिया का टेंडर रद्द, कंपनी से बकाया राशि वसूलने अंतिम नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शहर में यूनिपोल घोटाला मामले में नगर निगम ने ग्रेसफुल मीडिया का टेंडर रद्द कर दिया है। साथ ही कंपनी पर बकाया विज्ञापन शुल्क का भुगतान न करने के कारण 30 मिनी यूनीपोल, अन्य यूनिपोल और कंपनी की संपूर्ण विज्ञापन संपत्ति इन्वेंटरी को राजसात करने का निर्णय लिया है। इसके साथ ही नगर निगम की ओर से कंपनी को तय समयसीमा के अंदर बकाया राशि जमा करने के लिए अंतिम नोटिस जारी किया गया है। निर्धारित समय सीमा में बकाया राशि जमा नहीं करने पर कंपनी को ब्लैक लिस्टेड कर कानूनी कार्रवाई शुरू की जायेगी।

- भुगतान नहीं करने पर संपत्ति की जायेगी जब्त

दरअसल, पूर्व महापौर एजाज ढेबर ने नगर निगम में 27 करोड़ के यूनिपोल घोटाले का आरोप लगाया था। उनका कहना था कि यूनिपोल लगाने वाली कंपनी ग्रेसफुल मीडिया प्राइवेट लिमिटेड को नियम विरुद्ध तरीके से अनुमति दी गई और निर्धारित संख्या से अधिक यूनिपोल लगाने, जगह बदलने के अलावा कम रेट पर मंजूरी देने जैसी विसंगतियां शामिल थीं। इस मामले में नगर निगम और राज्य शासन ने एक समिति बनाई है। दोनों समितियां मामले से जुड़े तथ्यों की जांच कर रही हैं।

बकाया शुल्क वसूली प्रक्रिया की होगी निगरानी

नगर निगम ने राजस्व वसूली और वित्तीय अनुशासन लागू करने के लिए कुछ कठोर कदम उठाने का निर्णय लिया है। इस कड़ी में एक विशेष समिति का गठन किया जायेगा, जो एजेंसी से बकाया राशि वसूली की प्रक्रिया की निगरानी करेगी। यह समिति ग्रेसफुल मीडिया की आय का विश्लेषण कर प्रभावी वसूली उपायों की सिफारिश करेगी। संबंधित एजेंसी का लाइसेंस रद्द कर दिया जायेगा, जिससे कि वह नगर निगम क्षेत्र में कोई भी विज्ञापन गतिविधि संचालित नहीं कर सकेगी। यही नहीं, एजेंसी को ब्लैक लिस्टेड कर दिया जायेगा, जिससे कि वह भविष्य में निगम के किसी भी टेंडर में भाग नहीं ले सकेगी। कंपनी यदि समय पर भुगतान नहीं करेगी, तो विज्ञापन संपत्ति पूर्ण राजसात की जायेगी। इससे पहले निगम की ओर से 30 यूनिपोल राजसात किये जा चुके हैं। आने वाले 10 दिनों में बची सभी विज्ञापन संपत्तियों को भी राजसात किया जायेगा। यदि एजेंसी निर्धारित समय सीमा में बकाया राशि जमा नहीं करती है, तो एजेंसी के बैंक खातों और संपत्तियों को जब्त कर न्यायालय में वित्तीय वसूली का मुकदमा भी दायर किया जायेगा।

नशीली दवा का कारोबार, चार महीने में केवल दो बार मेडिकल स्टोर्स तक पहुंची ज्वाइंट टीम

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

दवा का दुरुपयोग नशे के लिए किए जाने की शिकायतों को रोकने दवा दुकानों में जांच के लिए चलाया गया अभियान ठंडा पड़ गया है। आदेश के चार महीने में खाद्य एवं औषधि प्रशासन और पुलिस की संयुक्त टीम केवल दो बार दवा दुकानों तक पहुंच पाई है। रायपुर जिले में वर्तमान में करीब डेढ़ हजार मेडिकल स्टोर्स क्रियाशील हैं और जांच टीम केवल पचास दुकानों तक पहुंच पाई है।

- जिले में करीब डेढ़ हजार दवा दुकान, जांच केवल पचास में

प्रदेश में सूखा नशा का प्रचलन बढ़ा हुआ है, जिसमें नशीला टेबलेट सहित अन्य दवाओं का उपयोग जोर शोर से हो रहा है। इस तरह की समस्या को देखते हुए स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल तथा गृहमंत्री विजय शर्मा ने खाद्य एवं औषधि प्रशासन तथा पुलिस विभाग को मिलकर दवा के दुरुपयोग को रोकने तथा इसकी अवैध बिक्री करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करने का निर्देश दिया था।

करीब चार माह पहले जारी किए गए इस आदेश के तहत ज्वाइंट टीम ने केवल दो बार रायपुर जिले में अपनी जांच की औपचारिकता पूरी की है। पहली जांच दिसंबर में हुई, जिसमें 30 दुकानों में जाकर दवाओं की खरीदी-बिक्री के मामले में जांच की गई थी। इसके बाद दूसरी कार्रवाई जनवरी में हुई, जिसमें 25 मेडिकल स्टोर्स को जांच के दायरे में लाया गया था। इनमें से कुछ दुकानों में अनियमितता मिलने पर कार्रवाई की गई थी। दिलचस्प बात यह है कि रायपुर जिले में वर्तमान में करीब डेढ़ हजार मेडिकल स्टोर्स हैं और संयुक्त टीम केवल पचास दवा दुकानों में जांच कर पाई है। जांच के दौरान सभी दवा दुकानों में सीसीटीवी कैमरे लगाने के निर्देश जारी किए गए थे और यह हिदायत दी गई थी कि कैमरे कभी बिगड़ने बंद नहीं होने चाहिए। इस आदेश के बाद विभागीय टीम ने इसे पालन करने के मामले में कभी फालोअप नहीं लिया है।

बाहर से सप्लाई ज्यादा

सूत्रों के मुताबिक नशे के लिए उपयोग होने वाला टेबलेट ज्यादातर दूसरे राज्यों से लाकर यहां खपाए जाते हैं। अन्य राज्यों के दवा कारोबारियों के नाम पर इनकी खरीदी होती है और उसे लाकर रायपुर समेत अन्य जिलों में घूम-घूमकर बेचने वालों तक पहुंचाया जाता है। दूसरी ओर लाभ के लालच में भी कई बार छोटे दवा दुकानदार इस तरह का काम करते हैं। जांच अभियान द्वारा ऐसी लापरवाही के मामले में डेढ़ दर्जन दवा दुकानों पर कार्रवाई की गई थी।

दिन में तेज हुई गर्मी, तापमान बढ़कर 35 डिग्री तक पहुंचा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

फरवरी का दूसरा पखवाड़ा शुरू होने पर दिन की लंबाई के साथ गर्मी भी बढ़ने लगी है। रविवार को रायपुर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री पर पहुंच गया, जिससे तेज धूप के प्रभाव से दोपहर में असहजता महसूस होने लगी। अभी रात में ठंडकता महसूस हो रही और इसका असर अगले चौबीस घंटे तक रहने की संभावना है।

- तेज धूप से दोपहर में असहजता रात में ठंडकता

आने वाले पश्चिमी विक्षोभ का प्रभाव दिन की अवधि लगातार बढ़ने की वजह से दिन और रात का मौसम अलग-अलग हो गया है। रात के वक्त वातावरण में ठंडकता आ जाती है, जो सुबह होने तक प्रभावी रहती है। इसके बाद दिन चढ़ने के साथ धूप का प्रभाव बढ़ता जाता है और गर्मी अपना असर दिखाने लगती है। रविवार को राजधानी में दोपहर का अधिकतम तापमान 35 डिग्री दर्ज किया गया, इससे तेज गर्मी महसूस होती रही।

मौसम विभाग के अनुसार वर्तमान में दिन साढ़े 12 घंटे का हो गया है और इसकी लंबाई आने वाले दिनों में और बढ़ती जाएगी। दिन की लंबाई बढ़ने की वजह से धूप का प्रभाव ज्यादा समय तक रहेगा और रात में जमीन को ठंडा होने का वक्त कम मिलेगा, जिससे बढ़ती गर्मी का अनुभव होगा। अगले चौबीस घंटे में रात की ठंड और सुबह की तेज धूप पर ज्यादा प्रभाव नहीं होगा, मगर 18 फरवरी को आने वाले पश्चिमी विक्षोभ के असर से दोनों वक्त के तापमान में थोड़ी बढ़ोतरी होने की उम्मीद है।

मौसम विभाग के आंकड़ों के अनुसार रविवार को सबसे ज्यादा गर्म जगदलपुर रहा। यहां का अधिकतम तापमान 35.5 डिग्री तक पहुंचा, वहीं रायपुर का पारा 35 डिग्री तक गया। राज्य के अधिकतर शहरों में दिन का पारा सामान्य से अधिक है। वहीं रात के न्यूनतम तापमान में सामान्य से हल्की गिरावट दर्ज की जा रही है।

अवकाश के दिन नगर निगम ने लगाया राजस्व कर वसूली शिविर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

नगर निगम का राजस्व अमला निगम चुनाव के बाद अब बकाया राजस्व वसूली में जुट गया है। रविवार को अवकाश के दिन जोन 9 अमले ने शिविर लगाया। इसमें 10 लाख रुपये से अधिक की राजस्व वसूली की गयी।

- जोन 9 के शिविर 10 लाख रुपये से अधिक की वसूली

नगर निगम जोन 9 के 7 वार्ड के रहवासियों की सुविधा के लिए रविवार को संपत्ति कर वसूली शिविर जोन सहायक राजस्व अधिकारी विजय शर्मा की उपस्थिति में लगाया गया। जोन कमिश्नर संतोष पांडेय के मार्गदर्शन में कुशाभाऊ ठाकरे वार्ड, पंडित मोतीलाल नेहरू वार्ड, डॉक्टर भीमराव अम्बेडकर वार्ड , नेताजी सुभाष चंद्र बोस वार्ड, महर्षि वाल्मिकी वार्ड, शहीद वीरनारायण सिंह वार्ड और पंडित विद्याचरण शुक्ल वार्ड के करदाताओं की सुविधा के लिये यह शिविर लगाया गया। शिविर में 10 लाख 87 हजार रुपये की राजस्व कर वसूली की गयी। जोन कमिश्नर संतोष पाण्डेय ने जोन 9 के सभी 7 वार्डों के सम्पति करदाता नागरिकों से अपील की है, संपत्तिकर, जलकर एवं अन्य बकाया निगम करों का पूर्ण भुगतान सुनिश्चित कर लें, ताकि किसी प्रकार की असुविधा से बचा जा सके।

स्टेशन में 19 किलो गांजा के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

राजधानी में ओडिशा के काटाभांजी से लगातार गांजा सप्लाई की जा रही है, जिसे लेकर जीआरपी और आरपीएफ की संयुक्त टीम ने शनिवार को दो अंतरराज्यीय गांजा तस्करों के खिलाफ बड़ी कार्रवाई की है। जानकारी के अनुसार दोनों आरोपी लंबे समय से रायपुर में गांजे की तस्करी कर रहे थे। जीआरपी ने विशेष निगरानी रखते हुए दोनों को रेलवे स्टेशन से गिरफ्तार किया। इस दौरान आरोपियों से 19 किलो 270 ग्राम गांजा बरामद किया गया, जिसकी कीमत 3,85,400 रुपये बताई जा रही है। पुलिस अधीक्षक श्वेता श्रीवास्तव सिन्हा और उप पुलिस अधीक्षक एसएन अख्तर के मार्गदर्शन में जीआरपी और आरपीएफ द्वारा लगातार जांच अभियान चलाया जा रहा है।

तलाशी से हुआ खुलासा

उप पुलिस अधीक्षक एसएन अख्तर ने बताया कि 15 फरवरी की रात लगभग 11 बजे प्लेटफार्म नंबर एक दुर्ग छोर पर महिला शौचालय खंभा नंबर 37 के पास चबूतरा क्षेत्र में दोनों आरोपी बैठे हुए थे। जब उनकी तलाशी ली गई, तो उनके पास अवैध रूप से मादक पदार्थ गांजा पाया गया। गंगाधर महानंद (25) के पास एक आर्मी रंग का बैग था, जिसमें 7.810 किलो गांजा था, जबकि अशफाक अली (21) के पास डार्क ग्रे रंग का ट्राली बैग था, जिसमें 11.460 किलो गांजा बरामद हुआ।

रायपुर भेजा जा रहा था गांजा

दोनों आरोपियों के पास से 19.270 किलो गांजा बरामद हुआ, जिसकी कीमत 3,85,400 रुपये बताई जा रही है। दोनों आरोपियों को एनडीपीएस एक्ट के तहत गिरफ्तार कर रायपुर के विशेष न्यायालय में पेश किया गया, जहां उन्हें न्यायिक रिमांड पर भेज दिया गया। पुलिस ने बताया कि आरोपी काटाभांजी (ओडिशा) से गांजा लेकर रायपुर आ रहे थे। लगातार आरोपियों द्वारा गांजा की सप्लाई की जा रही थी।

पेज 11 के शेष ...

दुर्गति पर फूटा...

पिछली बार के निगम चुनाव में जब वे कांग्रेस पार्टी के टिकट से चुनाव लड़े, तब उन्हें 460 वोट से जीत हासिल हुई। इस बार निर्दलीय चुनाव लड़ा, तो सीधे 1200 वोट से चुनाव जीतकर पार्षद बना। मेरा ऐसा मानना है, निगम चुनाव में पार्टी सिंबाल से ज्यादा प्रत्याशी का काम और उसका चेहरा देखकर लोग वोट देते हैं। **गुटबाजी, टिकट वितरण में गड़बड़ी से शर्मनाक हार : बंटी होरा, बागी प्रत्याशी:** कांग्रेस से बागी प्रत्याशी बंटी होरा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस पार्टी में आपसी गुटबाजी, टिकट वितरण में गड़बड़ी पार्टी को निगम चुनाव में ले डूबी। जिताऊ प्रत्याशी को टिकट न देकर मनचाहे व्यक्ति को टिकट देना महंगा पड़ा। लेनदेन की अफवाह प्रदेश अध्यक्ष से लेकर शहर अध्यक्ष पर आरोप हैं, इसे संज्ञान में लेना था। 10 से 15 सीट पर कांग्रेस से बागी खड़े नहीं होते, तो 25 से 27 सीट पार्टी को जरूर मिलती। जब पार्टी का महापौर अपने ही घर के इलाके का वार्ड हार गये, इससे बड़ी बात क्या होगी। **जनता को विश्वास में नहीं ले पाये : विकास उपाध्याय-** पार्टी के टिकट वितरण में कहीं कोई दिक्कत नहीं है, अच्छे प्रत्याशियों को टिकट दिया गया। बदकिस्मती रही कि चार बार के पार्षद भी चुनाव हार गये। जनता को विश्वास में नहीं ले पाये। संगठन इस विषय पर विचार करेगा। नगर निगम चुनाव में स्थानीय मुद्दा प्रमुख रहता है, पर ऐसी क्या लहर रही कि हम चुनाव में हारे। सनातन, जाति धर्म का बड़ा प्रभाव रहा। आम मतदाता ने विकास कार्य पर बातचीत नहीं की। रोड, नाली, पानी के मुद्दे पर पार्टी के पार्षदों ने अच्छा काम किया।

पार्षद टिकट बिना पूछे...

60 हजार वोटर सीधे संबद्ध थे। इस बार के निगम चुनाव में बागी बड़े पैमाने पर अच्छी मजबूत स्थिति में थे। वामनराव लाखे वार्ड से कृष्णा-बब्बी सोनकर जो निर्दलीय चुनाव जीतकर पार्षद बने, रविशंकर शुक्ल वार्ड से कांग्रेस के बागी व निर्दलीय प्रत्याशी आकाश तिवारी, शहीद हेमूकालाणी वार्ड से बागी बंटी होरा, जसबीर ढिल्लन इन सबको मनाना था, पर ऐसा नहीं हुआ। नगरीय निकाय चुनाव में गिरी से गिरी हालत में इतनी बुरी स्थिति कांग्रेस पार्टी की कभी नहीं रही।

अमरजीत ने कहा- नगरीय...

और नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत के कारण चुनाव हारे हैं। चारों नेताओं को अब हार की जिम्मेदारी लेनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया है कि कांग्रेस के चारों बड़े नेताओं के बीच आपसी समन्वय नहीं था। चारों नेताओं ने अपना-अपना क्षेत्र बांट लिया था। कांग्रेस की दूसरी पंक्ति के नेताओं को सामने लाना था, लेकिन नहीं ला पाए। उन्होंने अपनी ही पार्टी पर आदिवासियों को नजरअंदाज करने का बड़ा आरोप लगाया। फिलहाल अब इस मसले को लेकर प्रदेश में सियासत गर्म होने के आसार हैं। निकाय चुनाव में टिकट बंटने के दौरान कई पार्षदों ने पार्टी छोड़कर निर्दलीय चुनाव लड़ा, इनमें से कई जीत कर भी आए। चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी के कई नेता हार के कारण को संगठन में समन्वय न होने को लेकर जोड़ रहे हैं। जल्द ही हार की समीक्षा कांग्रेस करेगी।

संगठन करेगा इसका...

फोरम में ही लोगों को अपनी बात रखनी चाहिए। संगठन में समन्वय कैसे बनाया जाए इस पर विचार करना चाहिए। **गुटबाजी के कारण कई नेता हुए बागी :** नगर निगम चुनाव में कांग्रेस की हार का सबसे बड़ा कारण गुटबाजी रहा। टिकट बंटवारे के बाद कांग्रेस के कई नेता बागी हो गए और चुनाव के मैदान में उतर गए। वहीं, दूसरी तरफ नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने निकाय चुनाव के दौरान ऐसा बयान दिया, जिसके बाद गुटबाजी को और हवा मिली। उन्होंने अंबिकापुर की चुनावी रैली में कहा कि अगला चुनाव टीएस सिंहदेव के नेतृत्व में लड़ेंगे। उनके इस बयान से कांग्रेसी नेता किनारा करते दिखाई दिए।

आधी नर्सों के भरोसे...

को बढ़ाने की तरफ ध्यान नहीं दिया जा रहा है। कम नर्सिंग स्टाफ और ज्यादा मरीजों की वजह से काम का काफी दबाव है। साथ ही मेडिकल कालेज से संबंधित अस्पताल एनएमसी के नियमों का पालन नहीं कर पा रहा है।

रविवि बनाएगा श्रीमंत...

प्रस्ताव पारित होने के बाद अब कार्यपरिषद की बैठक में भी इसे मंजूरी मिल गई है। उल्लेखनीय है कि प्रत्येक विवि में कई तरह के शोधपीठ का निर्माण किया जाता है। इसके माध्यम से प्रयत्न किया जाता है कि जिस क्षेत्र संबंधित पीठ की स्थापना की जाती है, उससे जुड़े शोध कार्य किए जा सकें। नवीन तथ्य सामने लाने और समाज को साहित्यिक रूप से समृद्ध करने यह यत्न किए जाते हैं। हालांकि विवि प्रबंधन ने यह स्पष्ट नहीं किया है कि उक्त शोधपीठ के अध्यक्ष-सदस्य कौन होंगे तथा उनकी चयन प्रक्रिया क्या होगी।

मांगा जाएगा आर्थिक...

करने राज्यपाल, मुख्यमंत्री, रायपुर जिले के विधायक के साथ-साथ उच्च शिक्षा विभाग, छग शासन आदिम जाति विकास विभाग, समाज कल्याण विभाग तथा छग शासन से आर्थिक सहयोग के लिए आग्रह किया जाएगा।

समुदाय विशेष पर युवतियों...

आया, उसके बाद सामाजिक कार्यकर्ता मैसेज भेजने के वाले के खिलाफ शिकायत दर्ज कराने थाने पहुंचा। शंकर नगर निवासी निश्चय बाजपेयी ने मोबाइल नंबर 9616536517 के धारक के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। सामाजिक कार्यकर्ता ने आरोप लगया है कि जिस नंबर से उनके पास मैसेज आया है, उसमें मैसेज करने वाले का नाम प्रोफाइल में उर्दू में लिखा है। मैसेज करने वाले ने जो मैसेज किया है, उसमें उसका नाम हिंदू सरनेम का है। **नंबर भंवरपाल के नाम से रजिस्टर्ड :** पुलिस की साइबर सेल की टीम ने नंबर की पड़ताल की, तो मोबाइल नंबर बंद बता रहा है। साथ ही नंबर की जांच करने पर उत्तरप्रदेश, सहजानपुर निवासी किसी भंवरपाल के नाम से रजिस्टर्ड होना पाया गया। पुलिस नंबर की पड़ताल करने के बाद आगे वैधानिक करने की बात कह रही है। **तेलंगाना के विधायक ने नौकरी जिहाद का जिक्र किया है :** पिछले महीने इंदौर में आयोजित एक कार्यक्रम में तेलंगाना के भाजपा विधायक टी. राजा ने रायपुर में चल रहे नौकरी जिहाद का उल्लेख करते हुए कहा कि हमारी बहन-बेटियों को लव जिहाद के जरिए तो फंसाया ही जा रहा है, अब एक नया जिहाद रायपुर से सामने आया है। यह नौकरी जिहाद है, इसमें नौकरी देने के बहाने हमारी बहनों के साथ अन्याय किया जा रहा है।

HEALTH TOWN

अहलूवालिया हॉस्पिटल
नेमीचंद गली, रामसागर पारा, प्रभाट टॉकीज के पास, स्टेशन रोड रायपुर
0771-4050006, 81031 28515
डॉ. एस.के. अहलूवालिया M.B.B.S., DLO
डॉ. गौरव अहलूवालिया M.B.B.S., D.N.B.-ENT, M.N.A.M.S.
नाक,कान, गला विभाग
• सिर, मुख एवं गले का कैन्सर।
• ऑपरेशन द्वारा ईलाज
• नाक की प्लास्टिक सर्जरी
चक्कर की जॉच
एलर्जी
Dental & Consmetic Treatments
• टेड़े मेढ़े दांतो को सीधा करना
• दांतो की नसों का इलाज
• दांतों की सफाई व चमकाना
• दंत प्रत्यारोपण
• मुंह के कम खुलने का इलाज
(Hearing Aids) सुनाई मशीन

अब नई जगह ओम डेन्टल हॉस्पिटल
Now We Are Certified INVISALIGN Provider
अपने वेलेंटाईन को दे दुनिया की बेस्ट स्माईल का उपहार
HAPPY Valentine's DAY
15th Feb INVISALIGN Open Day
INVISALIGN One of the leading clear aligner in world
Free Scans | Free Dental Checkup | Free Dental Scaling
117, मेन रोड समता कालोनी, पंजाब नेशनल बैंक के सामने, रायपुर 0771-4064222, 8305948040

जीवन ज्योति होम्योपैथी क्लीनिक
17 वर्षों से आपके सेवा में
रोग निदान
• महिला संबंधी रोग : अनियमित मासिक धर्म, पी.सी.ओ.डी.
• अस्थि रोग : अर्थाइटिस, सायटिका फ्रोजन सोल्डर, स्पॉडिलाइटिस
• पुरूष संबंधित रोग : कमजोरी, हाइड्रोसील, नाक, कान, गला व श्वास संबंधित रोग
• चर्म रोग : एक्जीमा, सोरिएसिस, सफेद दाग, शरीर में गठान, मस्से, झाइ
• पाचन संबंधी रोग : एसीडिटी, अल्सर, बवासीर, कब्ज
• किडनी एवं हृदय रोग : पथरी, यूरीन इंफेक्शन, बीपी
• शिशु रोग : सर्दी, खांसी, बुखार
• स्नायू (वर्व) रोग : मिर्गी, माइग्रेन, पैरालाईसीस
• केश रोग : बालो का झड़ना, रूसी, एलोपेनिया,
सुगर, थाईराइड, मोटापा, मानसिक रोग, तनाव, चिड़चिड़ापन, डिप्रेशन, नींद की बिमारी
डॉ. रंजीता जायसवाल
BHMS. (BHOPAL)
Ex. RMO Maharana Pratap Homoeopathic College & Hospital Raipur (C.G)
अपॉइंटमेंट हेतु कॉल करें
84351-99964
शॉप नं. 5, शुभम विन्ध अपार्टमेंट, मेनरोड, न्यू राजेन्द्र नगर मेडिसाइन हॉस्पिटल के पास, रायपुर

विज्ञापन हेतु संपर्क करें : 0771-4242213, 7987119756, 9303508130

खबर संक्षेप

नवनिर्वाचित पार्षद डॉ. मनमोहन का किया स्वागत

रायपुर। संत कबीर दास वार्ड क्रमांक 3 के नवनिर्वाचित प्रत्याशी डॉ मनमोहन मनहरे जीत के बाद बसंत विहार कॉलोनी भ्रमण के लिए पहुंचे, वहां कॉलोनीवासियों द्वारा पुष्प हार भेंटकर उनका आत्मीय स्वागत किया गया। इस अवसर पर रायपुर ग्रामीण विधायक प्रतिनिधि, वरिष्ठ नागरिक एवं बसंत विहार कॉलोनीवासी उपस्थित थे।

चुनाव जीतने के बाद गिदवानी पहुंचे गोदड़ीवाला धाम

रायपुर। वार्ड पार्षद का चुनाव जीतने के बाद सबसे पहले अमर गिदवानी देवपुरी स्थित गोदड़ीवाला धाम पहुंचे। जहां उन्होंने बाबा गेलाराम साहब को नमन किया और दरबार की महंत अम्मा मीरा देवी से आशीर्वाद लिया। पूरा धाम परिसर जय श्रीराम व भक्तों का भगवान है, बाबा गेलाराम है, के नारों से गूंज उठा। स्वागत करने वालों में प्रमुख रूप से सेवाधारी इंदर सचदेव, सतीश थौरानी, पवन प्रीतवानी, लाल खूबचंदानी, महेश हरजानी, रवि प्रीतवानी, नवल राय गिदवानी, घनश्याम माखीजा, राजेश गिदवानी, संदीप गिदवानी, दिप्शा छुगानी, सेजल प्रीतवानी, भक्ति बालानी, पुरुषोत्तम छुगानी, शिवा खूबचंदानी, रवि सचदेव समेत अनेक सेवादार शामिल हुए।

धरे गए दो चाकूबाज, न्यायिक रिमांड पर जेल भेजा

रायपुर। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक लाल उमेंद सिंह के दिशा-निर्देश, एएसपी शहर लखन पटले तथा सीएसपी केसरी नंदन नायक के पर्यवेक्षण में अपराधों पर अकुंश लगाने असामाजिक तत्वों के खिलाफ अभियान चलाया जा रहा है। इसके तहत थाना मौदहापारा क्षेत्र में एक आरोपी को गिरफ्तार किया गया। अब्दुल कासिम ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि उसके भाई अब्दुल नाजिम पर पारिवारिक लड़ाई में मो. युनूस ने सब्जी काटने के चाकू से वार कर दिया, जिससे उसके पेट में जख्म हो गया। पुलिस ने आरोपी की तलाश कर उसे धर दबोचा और उसके कब्जे से एक नग चाकू जब्त कर न्यायालय में पेश कर न्यायिक रिमांड पर जेल दाखिल किया है। दूसरी घटना में मौदहापारा पुलिस ने एक बदमाश को धारदार चाकू के साथ गिरफ्तार करने में सफलता पाई है। रविवार को जीएसटी टॉवर के पास सड़क पर धारदार चाकू लहराते हुए आने जाने वाले लोगों को धमकाते बदमाश मो. सिद्दीकी को हिरासत में लिया गया, उसके कब्जे से धारदार चाकू मिलने पर आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया। आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया।

सैद्धांतिक पर्चे के साथ ही होगी स्वाध्यायी विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

माध्यमिक शिक्षा मंडल की 10वीं की परीक्षाएं 3 मार्च से 24 मार्च तक और 12वीं की परीक्षाएं 1 मार्च से 28 मार्च तक होंगी। दिसंबर माह में ही माशिम ने इसके लिए समय-सारिणी घोषित कर दी थी।

नियमित विद्यार्थियों की प्रायोगिक परीक्षाएं विद्यालयों द्वारा जनवरी माह में ही ली जा चुकी हैं, लेकिन प्राइवेट स्टूडेंट्स के प्रैक्टिकल एग्जाम मार्च में ही लिए जाएंगे। दो परीक्षाओं के मध्य मिलने वाले गैप में यह परीक्षा होगा। प्रायोजना कार्य भी प्राइवेट छात्रों को इस दौरान ही करने होंगे। स्कूलों को माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा पूर्व में ही दिशा-निर्देश दिए जा चुके थे। अब विद्यालय अपने यहां परीक्षा फॉर्म भरने वाले प्राइवेट स्टूडेंट्स को इसकी जानकारी दे रहे हैं। माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा कहा गया है कि प्राइवेट छात्रों के लिए प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित कराने पिछले वर्ष की बची हुई उत्तरपुस्तिकाओं का प्रयोग किया जाए। इसके समाप्त होने की स्थिति में स्थानीय स्तर पर उत्तरपुस्तिकाओं की व्यवस्था की जाएगी।

प्रायोगिक परीक्षा एवं प्रायोजना कार्य पश्चात अंकों को 3 अप्रैल तक अनिवार्यतः पोर्टल पर अपलोड करने होंगे। ऐसा ना करने पर माशिम द्वारा विलंब शुल्क लगाया जाएगा। इनका मूल्यांकन शाला स्तर पर होगा।

- माध्यमिक शिक्षा मंडल की दसवीं-बारहवीं की परीक्षाएं अगले सप्ताह से
- 3 अप्रैल तक अनिवार्य रूप से अपलोड करने होंगे अंक
- इस्तेमाल होंगी पिछले साल की कॉपियां

पोर्टल लॉक करने से पहले द्वि-स्तरीय जांच

विद्यालय जिस पोर्टल में अंक अपलोड करेंगे, उसे लॉक करने से पहले दो बार जांच करनी होगी। माशिम ने छात्रों के अंकों की हार्डकॉपी निकलवाकर विषय विशेषज्ञों तथा आंतरिक परीक्षकों से मिलान कराने कहा है। द्वि-स्तरीय जांच किए जाने के बाद ही पोर्टल लॉक करने कहा गया है। त्रुटिपूर्ण अंक अपलोड करने की शिकायतें प्रत्येक सत्र में माशिम को प्राप्त होती रही हैं।

नहीं होती जानकारी

प्राइवेट छात्रों ने जिस स्कूल से परीक्षा फॉर्म भरा है अर्थात जो उनका परीक्षा केंद्र है, वहीं प्रायोगिक परीक्षाएं भी दिलाएंगे। प्रत्येक वर्ष ऐसे मामले सामने आते रहे हैं, जिसमें प्राइवेट छात्रों को विद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रायोगिक परीक्षाओं की जानकारी नहीं होती है। इस स्थिति में उनके प्रैक्टिकल अंक शून्य मानते हुए परिणाम जारी किए जाते रहे हैं। ऐसे छात्रों के लिए माशिम द्वारा पुनः प्रायोगिक परीक्षाएं भी पूर्व में आयोजित की जाती रही हैं, लेकिन इस बार जारी की गई अधिसूचना में माशिम ने स्पष्ट किया है कि परीक्षा से वंचित विद्यार्थियों के लिए दोबारा प्रायोगिक परीक्षाएं आयोजित नहीं कराई जाएंगी। इसके चलते भी विद्यार्थियों को विद्यालय सूचित कर रहे हैं।

प्लेटफॉर्म पर तैनात किए गए अतिरिक्त जवान

भगदड़ के बाद उत्तरप्रदेश और दिल्ली की ट्रेनों में बढ़ाई सुरक्षा

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

शनिवार रात नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर भगदड़ की घटना के बाद रेलवे प्रशासन ने सुरक्षा व्यवस्था को सख्त कर दिया है। महाकुंभ और दिल्ली जाने वाली ट्रेनों के साथ-साथ प्लेटफार्मों पर अतिरिक्त आरपीएफ जवान तैनात कर दिए गए हैं। अधिकारियों और जवानों द्वारा सुरक्षा को लेकर पूरी चौकसी बरती जा रही है, साथ ही स्टेशन पर आने-जाने वाले लोगों पर भी निगरानी रखी जा रही है।

रविवार रात 9:00 बजे हरिभूमि की टीम ने रेलवे स्टेशन पहुंची, जहां प्लेटफार्म पर यात्रियों की भारी भीड़ देखी गई। प्लेटफार्म नंबर-5 पर सारनाथ ट्रेन की आवाजाही को लेकर एनाउंसमेंट किया जा रहा था, और उत्तरप्रदेश और बिहार जाने वाले यात्री काफी संख्या में ट्रेन का इंतजार कर रहे थे। जैसे ही ट्रेन 9:20 बजे प्लेटफार्म पर रुकी, यात्रियों ने ट्रेन में चढ़ने के लिए आपाधापी शुरू कर दी। जनरल कोच में चढ़ने के लिए यात्रियों को खासी मशक्कत करनी पड़ी।

इस दौरान, भीड़ को नियंत्रित करने के लिए जीआरपी और आरपीएफ के अधिकारी और जवान मौजूद थे, जिन्होंने यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने में सहयोग किया। स्टेशन पर सुरक्षा में तैनात जीआरपी के अधिकारी और जवान पूरी तरह मुस्तैद दिखे। वे यात्रियों पर पैनी नजर रख रहे थे और मेटल डिडेक्टर से उनके बैग और झोलों की जांच कर रहे थे, ताकि कोई असामान्य वस्तु ना चढ़ सके

दिल्ली के लिए बुकिंग में कमी यात्रियों ने कैंसिल किए टिकट

भगदड़ के बाद रविवार को दिल्ली जाने वाली ट्रेनों में बुकिंग में कमी देखी गई। आरक्षण भवन में यात्रियों की संख्या सामान्य दिनों की तुलना में कम रही। सूत्रों के अनुसार, भीड़ और भगदड़ की घटना को लेकर दर्जन भर से अधिक यात्रियों ने अपने टिकट कैंसिल भी कराए हैं। महाकुंभ के मद्देनजर सारनाथ और बरौनी एक्सप्रेस में पहले से यात्रियों की भीड़ कम होने लगी है, लेकिन स्लीपर कोच में सीटें भरी हुई हैं। वहीं, जनरल कोच में यात्रियों को सफर के लिए अब भी काफी मशक्कत करनी पड़ रही है। ट्रेनों में सामान्य कोच में जगह की कमी के कारण यात्रियों को ट्रेन में चढ़ने और बैठने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।

- महाकुंभ जाने सारनाथ में कम होने लगी यात्रियों की भीड़, स्टेशन में यात्रियों के बैग की हो रही जांच

महाकुंभ में श्रद्धालुओं का ऐसा तांता

प्रयागराज की एकमात्र फ्लाइट ऑनलाइन बुकिंग साइट से गायब

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महाकुंभ में शामिल होने श्रद्धालुओं का तांता लगने की वजह से रायपुर-प्रयागराज की एकमात्र नियमित फ्लाइट ऑनलाइन बुकिंग साइट से गायब हो चुकी है। इस फ्लाइट में सामान्य तरीके से सफर करने के लिए 25 फरवरी के बाद ही 6 हजार में टिकट मिलना मुमकिन है। यात्रियों को गंगा में डुबकी लगाने के लिए वहां तक पहुंचने के लिए दिल्ली अथवा लखनऊ की फ्लाइट का सहारा लेना पड़ रहा है।

रायपुर-प्रयागराज के बीच नियमित रूप से एक विमान का संचालन होता है, जो छोटा एयरक्राफ्ट है। महाकुंभ की शुरुआत के बाद इसकी डिमांड इतनी बड़ी हुई है कि 5 से 6 हजार में मिलने वाला टिकट अभी 20 हजार में नहीं मिल पा रहा है। अजय ट्रैवल्स के संचालक रमन जादवानी के मुताबिक कुंभ के शेष दिनों के लिए फ्लाइट में बुकिंग पूरी हो चुकी है, इसलिए ऑनलाइन बुकिंग साइट से गायब हो चुकी है। कुंभ की समाप्ति महाशिवरात्रि के साथ होगी, जिसके बाद ही दोनों शहरों के बीच यात्रा सामान्य तरीके से होगी। 26 फरवरी को रायपुर से प्रयागराज जाने के लिए लगभग 6 हजार में टिकट मिल रहा है। इसके बाद दोनों शहरों को जोड़ने वाली फ्लाइट पचास फीसदी यात्रियों के साथ ही आवाजाही करेगी। वर्तमान में प्रयागराज तक पहुंचने के लिए श्रद्धालु निकट शहर लखनऊ का टिकट बुक कर रहे हैं, जिसकी वजह से वहां का फेयर भी 15 हजार से ऊपर जा चुका है। इसके अलावा यात्री व्हाया दिल्ली होकर भी अपनी यात्रा पूरी कर रहे हैं, जिसके लिए भी उन्हें 15 से 20 हजार रुपए खर्च करना पड़ रहा है।

- सामान्य तरीके से 6000 में टिकट, 25 फरवरी के बाद ही मिलना मुमकिन
- वर्तमान में प्रयागराज जाने दिल्ली अथवा लखनऊ की फ्लाइट ही सहारा

अप्रैल से समर शेड्यूल

विमान 30 मार्च तक विंटर शेड्यूल के अनुसार आवाजाही कर रहा है। 30 मार्च के बाद विमानों का परिचालन गर्मी यानी समर शेड्यूल के अनुसार किया जाएगा। विंटर शेड्यूल के दौरान रायपुर से जगदलपुर के बीच बंद हुई निजी एयरलाइंस की उड़ान पुनः शुरू होने की उम्मीद है। वहीं रायपुर से सालों से लंबित जयपुर के साथ भारी डिमांड वाले अयोध्या के लिए भी विमान सेवा शुरू किए जाने की उम्मीद है।

परीक्षा के बाद बढ़ेगा सफर

ट्रैवल्स कारोबारियों का कहना है कि अब स्कूलों में परीक्षा का दौर शुरू हो गया है। इसकी वजह से यात्रा करने वालों की संख्या सामान्य स्थिति में पहुंच जाएगी। परीक्षा समाप्त होने के बाद लोग छुट्टियां मनाने का प्रोग्राम बनाएंगे। इसकी वजह से गर्मी के दिनों में यानी अप्रैल के बाद यात्रियों की संख्या में इजाफा होगा।

नगरीय निकायों में 3 मार्च से पूर्व करना होगा पहला सम्मेलन उसके बाद ही हटेंगे प्रशासक

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

प्रदेश के सभी नगरीय निकायों के चुनाव परिणाम और गठन की अधिसूचना रविवार को ही राज्य निर्वाचन आयोग ने प्रकाशित कर दी थी। नगरीय प्रशासन विभाग के सूत्रों के मुताबिक इसके बाद अगले 15 दिनों के भीतर सभी निकायों के पहले सम्मेलन और सभी निर्वाचितों को सदस्यता की शपथ करानी होगी। चुनाव परिणाम आने के बाद अगले माह की 3 तारीख तक शपथ ग्रहण कराने के बाद प्रशासक हटेंगे।

बताया गया है कि यह कार्यवाही संबंधित कलेक्टर और उनके सक्षम प्राधिकार कराएंगे। इसके बाद ही सभी निकायों से प्रशासक वापस लिए जाएंगे। उसके बाद ही महापौर-अध्यक्ष, एमआईसी/पीआईसी का गठन कर सकेंगे। इससे पहले राज्य निर्वाचन आयोग ने मतगणना होने के तत्काल बाद केवल नगर पालिकाओं के निर्वाचन क्षेत्रों में आदर्श आचरण संहिता का प्रभाव शून्य कर दिया है। उल्लेखनीय है कि आयोग ने बीते 20 जनवरी को चुनाव कार्यक्रम जारी करते हुए सभी संबंधित नगरीय क्षेत्रों में आदर्श आचार संहिता लागू कर दिया था। इसी कड़ी में प्रदेश के 173 नगरीय निकायों के लिए 11 फरवरी को मतदान हुआ और 15 को मतगणना हुई।

- नगरीय निकाय के महापौर और पार्षदों को कलेक्टर दिलाएंगे शपथ, फिर बनेगी एमआईसी

कार्यकाल समाप्त होने पर बैठाए गए थे प्रशासक

छत्तीसगढ़ के 10 नगर निगमों में चुने हुए प्रतिनिधियों का कार्यकाल जनवरी में समाप्त हो गया था। कार्यकाल समाप्त होने के बाद जिला कलेक्टर को निगमों में प्रशासक बनाकर बिठाया गया था। राज्य सरकार ने समय पर चुनाव न करा पाने के कारण छह माह के अंदर चुनाव कराने एक अध्यादेश भी लाया था।

महादेव सट्टा एप मामले में सीबीआई कर सकती है नए सिरे से गिरफ्तारी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

महादेव सट्टा एप मामले की जांच सीबीआई के सुपुर्द किए जाने के बाद सीबीआई के अफसरों ने जेल में बंद 15 आरोपियों से जेल में पूछताछ की है। मामले से जुड़े अन्य लोगों से भी सीबीआई ने पूछताछ की है। महादेव सट्टा एप मामले में सीबीआई अब तक दो दर्जन से ज्यादा लोगों से पूछताछ कर चुकी है। सट्टा एप मामले में सीबीआई ने अब तक किसी की गिरफ्तारी नहीं की है।

मामले की जांच सीबीआई के सुपुर्द किए जाने के बाद कोर्ट ने सीबीआई को दो महीने के अंदर चार्जशीट दाखिल करने के निर्देश दिए हैं। महादेव सट्टा एप को लेकर अलग-अलग थानों में दर्ज प्रकरण के साथ ईओडब्लू से महादेव सट्टा एप से जुड़े सभी तरह के दस्तावेज अपने कब्जे में लेकर दस्तावेजों की पड़ताल कर रही है। इसके साथ ही सीबीआई के अफसरों ने मामले से जुड़े अफसरों के साथ आरोपियों को सीबीआई कार्यालय तलब कर पूछताछ की है।

- अब तक दो दर्जन से ज्यादा लोगों से सीबीआई ने अलग-अलग की है पूछताछ
- विशेष अदालत ने सीबीआई को 60 दिन के भीतर चार्जशीट दाखिल करने दिए हैं निर्देश

बयान, दस्तावेजों की पड़ताल के बाद गिरफ्तारी

सूत्रों के मुताबिक सीबीआई ने महादेव सट्टा एप के आरोपियों से नए सिरे से जो बयान दर्ज किया है, उनके उन बयानों को पूर्व में दिए गए बयानों से मिलान कर रही है। जिनके बयान विरोधाभाषी पाए गए हैं, उनके सीबीआई के अफसरों ने फिर से बयान दर्ज किए हैं। सूत्रों के मुताबिक पुलिस द्वारा दर्ज महादेव सट्टा एप मामले में जिन आरोपियों को पुलिस पूर्व में गिरफ्तार कर जेल दाखिल कर चुकी है और उन्हें कोर्ट से जमानत मिल गई है, उन्हें सीबीआई गिरफ्तार कर कोर्ट में नए सिरे से जांच कर कोर्ट में चालान पेश करेगी।

ब्लड कैंसर और थायरॉयड का इलाज किडनी ट्रांसप्लांट की तरह अटका

हरिभूमि न्यूज ▶▶| रायपुर

सुपरस्पेशलिटी सुविधा के लिए पहचान बनाने वाले डीके हास्पिटल में मरीजों को अब तक ब्लड कैंसर और थायरॉयड के उपचार की सुविधा नहीं मिल पाई है। करीब तीन साल पहले बनाए गए इंडोक्रिनोलॉजी और हेमेटोलॉजी विभाग शुरू करने का प्रस्ताव अब तक ठंडे बस्ते से नहीं निकल पाया है। दोनों तरह के उपचार की सुविधा किडनी ट्रांसप्लांट की सुविधा की तरह अटके रहने की संभावना है।

जानकारी के अनुसार वर्तमान में थायरॉयड की समस्या आम हो चुकी है। इसके अलावा रक्त विकार से संबंधित परेशानियों की जांच और रोगों के उपचार की सुविधा भी प्रदेश के सरकारी अस्पताल नहीं है। इस तरह के रोगों के उपचार के लिए मरीजों को निजी अस्पताल पर निर्भर होना पड़ता है। आवश्यकताओं को ध्यान मे रखते हुए तीन साल पहले सुपरस्पेशलिटी विभागों का संचालन करने वाले डीके अस्पताल में इंडोक्रिनोलॉजी और हेमेटोलॉजी विभाग का संचालन करने की योजना बनाई गई थी। अनुमति के लिए प्रस्ताव चिकित्सा शिक्षा विभाग को भेजा था, जिसे ठंडे बस्ते में डाल दिया गया जो अब तक बाहर नहीं निकल पाया है। इसकी वजह से आम हो चुकी कुछ तरह की बड़ी बीमारियों के इलाज के मरीजों को निजी अस्पतालों में बड़ी राशि खर्च करना पड़ रहा है। दोनों बीमारियों के उपचार की सुविधा का हाल इस अस्पताल में किडनी प्रत्यारोपण जैसी होने की आशंका है। इस प्रत्यारोपण के लिए शासन-प्रशासन स्तर पर कई बार घोषणाएं की गई मगर तैयारी इससे आज तक आगे नहीं बढ़ पाई है।

डीके अस्पताल में इंडोक्रिनोलॉजी और हेमेटोलॉजी विभाग, नहीं मिली अब तक अनुमति

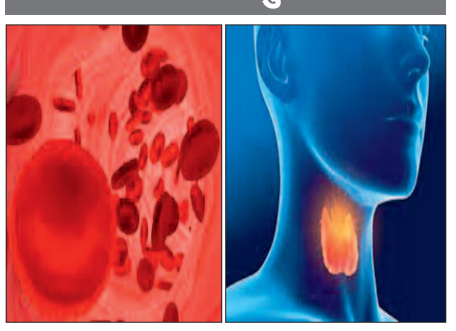

बेड बढ़ाने की योजना भी अधूरी

डीके अस्पताल के कुछ विभागों में अधिक मरीज आने की वजह से कई बार बेड की समस्या आन पड़ती है। इसे ध्यान में रखते हुए यहां न्यूरो सर्जरी सहित कुछ विभागों में मरीजों के लिए बेड बढ़ाने की योजना तो बनाई गई थी मगर इस पर अब तक किसी तरह का ठोस काम नहीं हो पाया है।

हास्टल अटका

डीके अस्पताल के एमसीएच छात्रों के लिए हास्टल बनाने की योजना भी फिलहाल अटक गया है। इसके लिए डीएमई सहित अन्य कार्यालय खाली होने के बाद पुराना नर्सिंग हास्टल को चिन्हित किया जा रहा था। तहसील भवन के जीर्णोद्धार की वजह से वहां का कामकाज इस बिल्डिंग से पूरा किया जा रहा है।

बिजनेस साइट

एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल में जनरल सर्जरी के लिए परामर्श शिविर

रायपुर। लालपुर स्थित एमएमआई नारायणा हॉस्पिटल में 17 फरवरी से 22 फरवरी तक जनरल सर्जरी के लिए एक विशेष परामर्श शिविर का आयोजन किया जा रहा है। इस शिविर का प्रमुख आकर्षण यह है कि इसमें प्रथम परामर्श पूरी तरह से निशुल्क होगा, साथ ही आवश्यक जांचों पर 30% तक की छूट भी प्रदान की जाएगी। शिविर सुबह 9 बजे से दोपहर 2 बजे तक संचालित होगा।

इस शिविर में अनुभवी सर्जन डॉ. राजेश कुमार सिन्हा और डॉ. गौरव जोशी मरीजों को विशेषज्ञ परामर्श प्रदान करेंगे। यदि आप एसिड रिफ्लक्स, मुंह में खट्टा पानी या खट्टी डकार आना, पेट या सीने में जलन और दर्द, गॉलब्लैडर (पित्त की पथरी), अपेंडिक्स, पाइल्स, फिस्टुला, फिशर, सभी प्रकार के हर्निया, आमाशय और आंतों की समस्याएं, लिवर, पेंक्रियाज या स्प्लीन की समस्या/बीमारी, पेट में गांठ जैसी समस्याओं से परेशान हैं तो इस शिविर में परामर्श जरूर लें।

कोलंबिया में 'कलर्स 2025' छात्र-छात्राओं का सम्मान

रायपुर। कोलंबिया ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स द्वारा संचालित फार्मेसी, इंजीनियरिंग, नर्सिंग, बीएड और साइंस एंड कॉमर्स संकाय के वार्षिकोत्सव 'कलर्स 2025' का आयोजन संस्थान के प्रांगण में बैक टू गोल्डन एरा थीम पर हुआ। इस अवसर पर बी फार्म और एम फार्म के टॉपर्स को स्वर्ण पदक से सम्मानित किया गया।कार्यक्रम में विभिन्न संकायों के प्राचार्य और अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहे। विद्यार्थियों को 'स्टूडेंट ऑफ दी ईयर' पुरस्कार से सम्मानित किया गया और आनंद मेला भी आयोजित किया गया। संस्थान के अध्यक्ष किशोर जादवानी ने संस्थान की सफलता का श्रेय कर्मचारियों की समर्पण भावना को दिया। वहीं संस्थान के सचिव हरजीत सिंह हूरा ने टीम बिल्डिंग और प्लेसमेंट के महत्व को रेखांकित किया। कार्यक्रम के समापन पर जनप्रगति एजुकेशन सोसाइटी के कोषाध्यक्ष रविंदर सिंह हूरा ने धन्यवाद ज्ञापित किया।

हरिभूमि
रायपुर, सोमवार 17 फरवरी 2025
लाइव
Email id- zindgi.live.hb@gmail.com
0771- 4242222, Message at - 9630172937

02

एलुमिनी मीट से गुलजार दुर्गा कॉलेज...

धर्म लाइव

महाकुंभ की झलकियों से सजेगी 50 फोटोग्राफ की प्रदर्शनी

रायपुर। जो लोग किसी कारण से महाकुंभ स्नान का पुण्य अर्जन नहीं कर पाए हैं। ऐसे लोगों के लिए वहां की 50 झलकियों से ओतप्रोत फोटोग्राफ की प्रदर्शनी महाकोशल कला परिषद सोमवार को सजाने जा रहा है। फोटोग्राफी कला प्रदर्शनी का शुभारंभ कला वीथिका की आर्ट गैलरी में सोमवार को गोधूलि बेला में मुख्य अतिथि सुमनेश वत्स करेंगे। वरिष्ठ फोटोग्राफर द्वारा तस्वीरों को लेकर मार्गदर्शन भी दिया जाएगा। महाकुंभ नामक इस फोटोग्राफी प्रदर्शनी में देश के जाने-माने वरिष्ठ, युवा और बाल कलाकारों के छायाचित्रों को अवलोकन के लिए सजाया जाएगा। इसे लोग 18 की शाम 5 से 7 बजे के बीच देख सकेंगे।

शक्ति प्रदर्शन, राजिम कुंभ की झांकी

इस कला प्रदर्शनी में श्वेत, श्याम और रंगीन फोटोग्राफ को उत्कृष्टता के आधार पर आर्ट गैलरी में स्थान दिया जाएगा। इसमें वहीं रचनाएं शामिल की जाएंगी, जिन्हें निर्णायक समिति ने प्रदर्शित करने लिए सहमत है। उन सभी फोटोग्राफ को प्रदर्शन के लिए सजाया जाएगा। महाकुंभ फोटोग्राफी प्रदर्शनी विषय पर इस बार महाकुंभ में महापर्व स्नान, अखाड़ों का शक्ति प्रदर्शन, राजिम कुंभ की झांकी, पूजा-स्नान, साधु-संतों के विविध रूप, शासकीय प्रदर्शन, आस्था का सैलाब, महाकुंभ के रंग की प्रदर्शनी सजने वाली है। इसमें युवाओं की महाकुंभ को लेकर सोच, फोटो एंगल भी देखने लायक हैं।

सिटी लाइव

पारंपरिक और नए परिधानों में स्टूडेंट्स ने किया डांस

रायपुर। समता कॉलोनी स्थित महाराजा अग्रसेन इंटर कॉलेज के सेमिनार हॉल में श्रीकृष्ण इंग्लिश मीडियम स्कूल का वार्षिकोत्सव रविवार को धूमधाम से मनाया गया। इस अवसर पर आयोजित डांस प्रतियोगिता में नर्सरी से लेकर कक्षा 5वीं तक के बच्चों ने शानदार प्रदर्शन किया। नर्सरी के 3 से 4 साल के बच्चों के साथ-साथ टीचर्स भी नृत्य कर रही थीं, जिनके डांस मूव्स को छोटे बच्चे बहुत ही आकर्षक तरीके से कॉपी कर रहे थे। इस उत्सव में अभिभावकों की भी बड़ी संख्या थी, जो अपने बच्चों का उत्साहवर्धन करते हुए कार्यक्रम का आनंद ले रहे थे। वार्षिकोत्सव में नर्सरी के बच्चों ने 'मॉम डैड व ओ मॉय फ्रेंड गणेशा' थीम पर समूह नृत्य प्रस्तुत किया। इसके अलावा केजी वन के बच्चों ने राजकपूर के गीतों पर नृत्य किया, जबकि केजी टू की बच्चियों ने मराठी परिधान में लावणी नृत्य किया।

बचपन की दिलाई याद

नर्सरी की 12 बच्चियों ने 'मॉम डैड' थीम पर नृत्य की प्रस्तुति दी, जिसमें वे गुलाबी रंग की पोशाक में अपनी शिक्षिका के डांस मूव्स की नकल करते हुए थिरक रही थीं। चंदा ने पूछा तारों से, तारों से पूछा सितारों से, सबसे प्यारा कौन है, पापा मेरे पापा गीत पर बच्चियों ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। इस दौरान बच्चों ने तोतली आवाज में अपना परिचय भी दिया, जो सभी को उनके प्यारे बचपन की याद दिला गया। इसके बाद 5 बच्चों ने 'ओ मॉय फ्रेंड गणेशा' पर नृत्य किया, जहां भगवान गणेश की तस्वीर बैकग्राउंड में दिख रही थी। इस पूरे कार्यक्रम के दौरान बच्चे अपनी मासूमियत और ऊर्जा से सभी का दिल जीत रहे थे।

समाज इवेंट

कैंसर के उपचार की विशेषज्ञों ने बताई नई तकनीक, नर्सों की भूमिका पर भी चर्चा

रायपुर। एम्स के नर्सिंग कॉलेज में विश्व कैंसर दिवस के अवसर पर राज्य स्तरीय सम्मेलन का आयोजन किया गया। इसका विषय ऑन्कोलॉजी केयर के भविष्य को आकार देने में नर्सों की भूमिका रहा। इस सम्मेलन में लेफ्टिनेंट जनरल सेवानिवृत्त अशोक जिंदल, प्रो. आलोक सी. अग्रवाल डीन, अकादमिक्स और प्रो. डॉ. बिनु मैथ्यू प्राचार्य नर्सिंग कॉलेज ने गरिमामयी उपस्थिति दर्ज कराई। राज्यभर से 700 से अधिक प्रतिभागियों ने इस सम्मेलन में भाग लिया। डॉ. सरमा सुबाथ्राने नर्सिंग विशेषज्ञ एम्स रायपुर ने कैंसर की घटनाओं और उपचार में आए महत्वपूर्ण बदलावों पर प्रकाश डाला। मुख्य अतिथि सेवानिवृत्त लेफ्टिनेंट जनरल अशोक जिंदल ने नर्सों की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया, विशेष रूप से आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के कैंसर रोगियों को संवेदनशील और प्रभावी देखभाल प्रदान करने में।

जीवन के अंतिम चरण की देखभाल

विशेष संगोष्ठी में ऑन्कोलॉजी नर्सिंग कौशल को बेहतर बनाने पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसमें पिक लाइन देखभाल, बोनमैरो ट्रांसप्लांट, आहार प्रबंधन और जीवन के अंतिम चरण की देखभाल जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की गई। प्रतिभागियों ने पोस्टर प्रेजेंटेशन, वैज्ञानिक शोधपत्र सत्र और क्विज प्रतियोगिता में भी भाग लिया। सम्मेलन का समापन, समापन भाषण के साथ हुआ, जिसमें सम्मेलन की सफलता पर प्रकाश डाला गया। इस सम्मेलन ने नर्सों को ऑन्कोलॉजी ज्ञान और उन्नत कौशल प्रदान किए, जिससे कैंसर रोगियों की देखभाल में सुधार हुआ और अंतर्विषयक सहयोग को बढ़ावा मिला।

बोर्ड परीक्षा के लिए माशिमं ने शुरू की हेल्पलाइन, बच्चे और पालक को मिल रही सुविधा

कमजोर बच्चों ने बढ़ाई पालकों की चिंता, काउंसिलिंग में पूछ रहे एग्जाम से पहले कैसे बढ़ाएं मनोबल?

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मंडल द्वारा हेल्पलाइन नंबर की शुरुआत की गई है। पहली बार बोर्ड परीक्षा के 15 दिन पहले ही साइकोलॉजिस्ट और विषय विशेषज्ञों की टीम पालक व विद्यार्थियों से काउंसिलिंग कर रही। बीते वर्ष अभ्यर्थियों की समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मंडल द्वारा नई पहल की गई है, इससे बोर्ड एग्जाम संबंधित समस्या और डर को कम करने की कोशिश की जाएगी। दूसरी ओर शनिवार को सुबह 10.30 बजे से दोपहर 1.30 बजे तक सीबीएसई बोर्ड परीक्षा का प्रारंभ किया गया। इस दौरान कक्षा 10वीं के विद्यार्थियों ने अंग्रेजी विषय का प्रश्नपत्र हल किया है। एग्जाम के बाद स्कूली विद्यार्थियों ने हरिभूमि की टीम से चर्चा कर परीक्षा के अनुभव को साझा किया है।

रायपुर। हेल्पलाइन नंबर जारी होने के बाद प्रदेश के विभिन्न स्थानों से लगातार कॉल का सिलसिला जारी रहा। बीते वर्ष की तुलना में इस वर्ष माता-पिता और विद्यार्थी परीक्षा को लेकर अधिक सक्रिय नजर आए। शिक्षा मंडल से प्रदीप साहू ने बताया कि शनिवार 15 फरवरी से 27 फरवरी तक हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर गाइडेंस लिया जा सकता है। इस वर्ष रोजाना दो विषय विशेषज्ञ और काउंसलर की उपस्थिति रहेगी, काउंसलिंग के लिए 18002334363 हेल्पलाइन नंबर पर कॉल कर सकते हैं। पहले दिन जीव विज्ञान विषय विशेषज्ञ माधुरी बोरेकर, मनोवैज्ञानिक वर्षा वरंवडकर और स्वाति शर्मा उपस्थित रहीं।

परीक्षा पर चर्चा का आयोजन, अच्छे परिणाम के लिए हुई कार्यशाला

बोर्ड परीक्षा की बेहतर तैयारी के लिए महाराष्ट्र मंडल द्वारा 'परीक्षा पर चर्चा' कार्यशाला का आयोजन किया गया। एक दिवसीय कार्यक्रम में मुख्य वक्ता स्वरूप विजय चोपड़ा और निजी स्कूल के डायरेक्टर मुकेश शाह शामिल हुए। जिन्होंने परीक्षा के दौरान तनाव कम करना, लेखन प्रणाली और सवाल-जवाब को याद करने के टिप्स साझा किए। वक्ता श्री चोपड़ा ने कहा कि छात्रों में पांच विशेष गुण का होना आवश्यक है, इसमें लगन, मेहनत, धैर्य, अनुशासन और आत्मविश्वास शामिल है।

इस दिन ये विषय विशेषज्ञ रहेंगे उपलब्ध

- 16 फरवरी- रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, जीव विज्ञान
- 17 फरवरी- अंग्रेजी, गणित, लेखाशास्त्र
- 18 फरवरी- विज्ञान, कॉमर्स, भौतिक शास्त्र
- 19 फरवरी- जीव विज्ञान, रसायन शास्त्र, गणित, लेखाशास्त्र
- 20 फरवरी- रसायन शास्त्र, गणित, भौतिक शास्त्र
- 21 फरवरी- रसायन शास्त्र, भौतिक शास्त्र, गणित
- 22 फरवरी- जीव विज्ञान, गणित, अंग्रेजी, रसायन शास्त्र
- 23 फरवरी- लेखाशास्त्र, जीव विज्ञान, गणित, रसायन शास्त्र
- 24 फरवरी- भौतिक शास्त्र, लेखाशास्त्र, अंग्रेजी, गणित
- 25 फरवरी- गणित, जीव विज्ञान, रसायन शास्त्र
- 26 फरवरी- अंग्रेजी, विज्ञान, रसायन शास्त्र
- 27 फरवरी- कॉमर्स, गणित, रसायन शास्त्र, जीवन विज्ञान, भौतिक शास्त्र

पढ़ाई से पहले हाकिमी और प्राणयोग मुद्रा

कार्यक्रम में मुकेश शाह ने बताया कि पढ़ाई के दौरान हाकिमी और प्राणयोग मुद्रा विद्यार्थियों को याद करने में मदद करती है। इन योग मुद्राओं से एकाग्रता बनी रहती है। पढ़ाई शुरू करने से पहले विद्यार्थी हाथ की पांचों ऊंगलियों के कोर को आपस में जोड़ ले, इस प्रक्रिया को रोजाना 5-10 मिनट करने का प्रयास करें।

- **सवाल- दो बार गणित विषय में सप्लीमेंट्री आने से बच्चे का पढ़ाई में रुझान कम होता जा रहा, परिजन होने के नाते हम अपने बच्चे का मनोबल कैसे बढ़ा सकते है?**
  जवाब- इस स्थिति में माता-पिता का साथ बच्चे के लिए जरूरी होता है। इससे बच्चों को परेशानी से उबरने में मदद मिलती हैं। ऐसे में बच्चे के दोस्त, शिक्षक और करीबियों से बात करने की कोशिश करें और विद्यार्थी के मनोभाव को समझने का प्रयास करें। उसे कहें कि गणित विषय से डरना नहीं है, लिखकर पढ़ाई करने से लंबे समय तक याद रखने और सवालों को समझने में मदद मिलेगी।
- **सवाल- अंग्रेजी-हिंदी विषय में आर्टिकल कैसे लिखें, क्या इसे पॉइंट में लिखा जा सकता है?**
  जवाब- व्याकरण के प्रश्नों को समझने के लिए बीते पांच वर्ष के प्रश्न पेपर की मदद ले सकते हैं। आर्टिकल को पॉइंट में लिखना सही नहीं है, परीक्षा के दौरान आर्टिकल पैराग्राफ में लिखें। जवाब को लंबे समय तक याद रखने के लिए लिखकर प्रयास करें।
- **सवाल- विज्ञान संबंधित विषयों में आंकिक प्रश्नों की तैयारी कैसे करें?**
  जवाब- आंकिक प्रश्नों की तैयारी के लिए पाठ्यपुस्तक को आधार मानकर तैयारी करना सही रहेगा, बीते पांच सालों के प्रश्नपत्र से भी तैयारी करते चलें। आंकिक प्रश्नों को याद करना मुश्किल है, इसलिए इसे लिखकर याद करते चलें। इसमें शॉट नोट्स की मदद लें। ब्यूप्रिंट को समझें और उसके अनुसार पढ़ाई करें।
- **सवाल - एनसीईआरटी किताब से पढ़ना सही है या नवबोध-प्रबोध से?**
  जवाब- अधिकतर दसवीं-बारहवीं बोर्ड परीक्षा में एनसीईआरटी किताबों को बेस बनाकर प्रश्न पूछे जाते हैं, लेकिन नवबोध-प्रबोध से भी तैयारी कर सकते हैं। विद्यालय में सालभर जिस किताब से पढ़ाई कराई गई है, उसी से पढ़ाई करें। बोर्ड परीक्षा के विद्यार्थी एनसीईआरटी को आधार बनाकर पढ़ाई करें।
- **सवाल- प्रश्नों के उत्तर अगर मैं अपने शब्दों में लिखूं तो नंबर मिलेंगे या नहीं?**
  जवाब- अपने शब्दों में लिखते समय तकनीकी शब्दों और विषयवस्तु को समझकर लिखने की आवश्यकता है। जरूरी नहीं कि किताबों में लिखे सवालों को रटकर लिखें। ऐसा करने से आपको नंबर जरूर मिलेंगे, इस दौरान विषयवस्तु का विशेष ध्यान रखें।

स्कूल के अंतिम दिन छलके आंसू, मिस इवनिंग बनी अदिति, डांस और गेम्स में दिखा टैलेंट

रायपुर। जेआर दानी शासकीय उत्कृष्ट विद्यालय में रविवार को विदाई समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सांस्कृतिक कार्यक्रमों के साथ की गई, जहां अंतिम वर्ष के विद्यार्थियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति दी। विद्यालय प्रांगण में आयोजित समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में जिला शिक्षा अधिकारी डॉ. विजय खंडेलवाल रहे, जिन्होंने छात्रों के उज्ज्वल भविष्य की कामना करते हुए शुभकामनाएं दीं। एक दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन 11वीं कक्षा के विद्यार्थियों द्वारा किया गया, जिन्होंने सीनियर छात्रों के लिए संगीत, नृत्य, गेम्स जैसे मनोरंजन के कार्यक्रमों को भी शामिल किया। समारोह में मिस इवनिंग अदिती ताम्रकार और स्टूडेंट ऑफ द ईयर का खिताब गेनिका साहू को दिया गया।

विदाई समारोह का आयोजन

संबोधन में विद्यालय के प्राचार्य डॉ. हितेश दीवान ने कहा कि सभी विद्यार्थियों को जीवन के नए सफर की शुभकामनाएं। विद्यार्थी जीवन सबसे खास होता है, जहां निस्वार्थ भाव से दोस्ती और आपस में प्रेम देखने को मिलता है। इस दौरान विद्यार्थियों ने यादगार स्वरूप कई तस्वीरें लीं, ऐसे में दोस्तों से विदाई के वक्त कई छात्र भावुक भी नजर आए। कार्यक्रम के दौरान व्याख्याता मंजू शर्मा, संचालक सुरेश अवस्थी, प्रधानपाठिका क्रांति चंद्राकर, व्याख्याता डॉ. रामलाल पेढरिया, नीता पवार उपस्थित रहीं।

सैट का टाइम टेबल जारी 8 मार्च से होगी परीक्षा

रायपुर। कॉलेज बोर्ड ने सैट, स्कॉलेस्टिक असेस्मेंट टेस्ट के लिए टाइम टेबल जारी कर दिया है। स्प्रिंग सेशन 2025 के लिए सैट 8 मार्च से आयोजित किया जाएगा। यह परीक्षा अमेरिका, कनाडा और ब्रिटेन सहित कई देशों के कॉलेजों और यूनिवर्सिटी में एडमिशन के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है, क्योंकि सैट का स्कोर कार्ड इन संस्थाओं द्वारा मान्य होता है। कॉलेज बोर्ड हर साल इस परीक्षा का आयोजन करता है, जो यह निर्धारित करता है कि कैंडिडेट विदेशी विश्वविद्यालयों में उच्च शिक्षा के लिए योग्य हैं या नहीं। कैंडिडेट्स रजिस्ट्रेशन करवाकर परीक्षा की तारीख और सेंटर का चयन कर सकते हैं। सैट की रजिस्ट्रेशन फीस 5839 रुपए है। इसके अलावा, कॉलेज बोर्ड ने शीतकालीन सत्र 2025 और स्प्रिंग सेशन 2026 के लिए भी टेस्ट की तिथियों की घोषणा की है, जो 23 अगस्त से 6 जून 2026 तक आयोजित किए जाएंगे।

केटीयू में लेट फीस 25 तक

कुशाभाऊ ठाकरे पत्रकारिता एवं जनसंचार विश्वविद्यालय में द्वितीय, चतुर्थ और छठवें सेमेस्टर के छात्रों को 25 फरवरी तक फीस जमा करनी होगी। विलंब शुल्क के साथ यह शुल्क जमा किया जा सकता है। विवि के अधिकारियों का कहना है कि इस तारीख तक जिन छात्रों की फीस जमा नहीं होगी, उनका प्रवेश निरस्त किया जा सकता है।

सगाई के लिए कपल खरीद रहे डायमंड रिंग, 10 हजार से 50 लाख तक ज्वेलरी

सोने के दाम में बढ़ोतरी से अब शादियों में डायमंड ज्वेलरी का बढ़ा क्रेज, इंगेजमेंट रिंग-नेकलेस की ज्यादा डिमांड

कार्नर न्यूज

रायपुर। डायमंड ज्वेलरी खरीदने महानगर की निर्भरता अब कम हो गई है। लोगों को शहर में ही आकर्षक और नई डिजाइन के ज्वेलरी आसानी से मिलने लगी है। इन दिनों में शादियों में अब बड़ी संख्या में लोग डायमंड की ज्वेलरी खरीदना पसंद कर रहे हैं। अनोपचंद तिलोपचंद ज्वेलर्स में 50 लाख तक डायमंड की अलग-अलग तरह की ज्वेलरी है। सोने के दामों में हो रही लगातार बढ़ोतरी की वजह से भी लोग डायमंड ज्वेलरी पसंद कर रहे हैं। कम कैरेट वाले हीरे के आभूषण भी चमक बढ़ाने लगे हैं। पहले विदेशों में ही रंगीन डायमंड की ज्वैलरी बिकती थी, लेकिन अब इसका चलन भारतीय बाजारों में भी देखने को मिलने लगा है। हीरा क्वालिटी और कलर ग्रेड के अनुसार खरीदा जाता है। एटी ज्वेलर्स के मुताबिक हीरे की मांग पिछले कुछ वर्षों से शहर में बढ़ गई है। सिंगल डायमंड और ज्वेलरी में बारीक पीस डायमंड को काफी पसंद किया जा रहा है। आजकल लोग सगाई के लिए डायमंड रिंग लेना ही पसंद करते हैं, जिनकी कीमत भी 10 हजार रुपए से शुरू हो जाती है। क्वालिटी के अनुसार डायमंड के दाम घटते-बढ़ते हैं।

एटी ग्रुप ने पूरे किए दो साल

सराफा व्यापार जगत में 68 वर्षों से कार्यरत अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स समूह (एटी ग्रुप) ने अनोपचंद तिलोकचंद ज्वेलर्स के दो वर्ष पूर्ण होने पर भव्य स्नेह-भोज का आयोजन किया। यह कार्यक्रम एटी पैलेस में आयोजित हुआ। इस विशेष अवसर पर ग्रुप ने पत्रकारों के साथ दोपहर स्नेह भोज किया। कार्यक्रम में मित्रतापूर्ण वातावरण में पत्रकारों ने एटी परिवार के साथ समय बिताया और इस महत्वपूर्ण उपलब्धि की खुशी साझा की। इस दौरान मनोरंजक खेल भी खेले गए।

रिंग और नेकलेस ज्यादा भा रहा

ज्वेलर्स के मुताबिक, हीरा जितना साफ और पारदर्शी होगा, उसकी कीमत उतनी ही अधिक होगी। डायमंड के छोटे से गहने की कीमत दस हजार से शुरू होती है। वहीं अगर दुल्हन के लिए सेट लिया जाए तो उसकी कीमत पांच लाख तक भी पहुंच जाती है। जिसमें कान की ईयरिंग्स और गले का नेकलेस शामिल होता है। वहीं डायमंड से सजी चूड़ियां ली जाएं तो उनकी कीमत लगभग डेढ़ लाख के पार होगी। इस तरह से पूरे सेट की कीमत साढ़े तीन लाख से शुरू होकर ग्राहक के बजट पर निर्भर करती है। वहीं अंगूठी की कीमत दस-पंद्रह हजार से शुरू होती है। सबसे ज्यादा लोग डायमंड अंगूठी खरीदना पसंद करते हैं।

लाइव इवेंट

शिक्षा मॉडल को बढ़ावा देने के लिए भारतीय भाषाओं का संरक्षण जरूरी

रायपुर। नई शिक्षा नीति 2020 की कड़ी में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) के दिशा-निर्देशों का पालन रविवार को कृषि कॉलेज रायपुर में किया गया। जहां भारतीय भाषा उत्सव का संचालन एनईपी सारथियों ने किया, जो विश्वविद्यालय द्वारा नामित छात्र होते हैं। इनका मुख्य उद्देश्य नई शिक्षा नीति के प्रति लोगों को सजग करना है। भारतीय भाषा उत्सव का आयोजन कृषि कॉलेज के सभागार में किया गया।

इसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बहुभाषी शिक्षा मॉडल को बढ़ावा देने और भाषाओं के संरक्षण व संवर्धन पर वक्ताओं ने जोर दिया। आईजीकेवी के जनसंपर्क अधिकारी संजय नय्यर विशेष अतिथि के रूप में मंचस्थ रहे। अपने व्यक्त में कहा कि मातृभाषा केवल संवाद का माध्यम नहीं, हमारी पहचान का अभिन्न हिस्सा है।

सफल बनाने में दिया सहयोग

यह विरासत को संरक्षित करने, एकता को बढ़ावा देने और बौद्धिक विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। डॉ. दास ने छात्र- छात्राओं को हिंदी पुस्तकों के अध्ययन का महत्व बताया। क्लास के बाद हिंदी से जुड़े साहित्य को पढ़ने की सलाह दी। इसमें 85 से ज्यादा छात्रों ने सहभागिता निभाई। ओम अग्रवाल के साथ प्रतीक झा, देहुति ध्रुव ने भारतीय भाषाओं के महत्व पर पक्ष में जानकारी दी। यह आयोजन सारथी अनुष्का चौरसिया, अंशु मढ़रिया की अगुवाई में हुआ। डॉ. एसबी वेरुलकर, डॉ. रामा मोहन ने सहयोग दिया।

समग्र लेखन क्षमता में होगा सुधार

विशेष अतिथि ने भारत में बोली जाने वाली भाषाओं के बारे में संक्षिप्त परिचय देते हुए संस्कृत और हिंदी के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने बताया कि अच्छा साहित्य पढ़ने से वाक्य संरचना और समग्र लेखन क्षमता में सुधार होता है। मुख्य अतिथि के रूप में कृषि कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. गोपी कृष्ण दास ने कहा कि मातृ भाषा में शिक्षा मिलने से विद्यार्थियों का समग्र विकास होगा। भारत विविध भाषाओं का देश है, जिनमें सभी का अपना समृद्ध इतिहास, संस्कृति और पहचान है। भारतीय भाषा का महत्व संचार से भी वंचित है।

● कॉलेज कैंपस में रहा उत्सव का माहौल, हर किसी ने साझा की अपने दौर की यादें

एलुमिनी मीट से गुलजार दुर्गा कॉलेज, बेटे-बेटियों के सहयोग से मिले 73 साल पुराने क्लासमेट

'पढ़ाई के दिनों की दोस्ती और उस दौर की यादें इंसान के जीवन से हमेशा जुड़ी होती हैं। अगर 73 साल पुराना कोई क्लासमेट मिल जाए तो न यादें खत्म होती हैं न बातें। कुछ ऐसा ही नजारा इस रविवार दुर्गा कॉलेज कैंपस में दिखा। जब वर्ष 1952 से 2024 के बीच पास होकर निकले छात्र-छात्राएं एक बार फिर कॉलेज कैंपस में मिले। अंतर सिर्फ इतना था कि 73 साल पहले वे अपनी साइकिल पर कॉलेज आए थे, लेकिन एलुमिनी मीट में वे बेटे-बेटियों के साथ आयोजन का हिस्सा बने और अपने दौर की यादें भी साझा कीं।'

रायपुर। इस एलुमिनी मीट में कॉलेज के शुरुआती बैच 1952 से लेकर सालभर पहले तक पास हुए छात्र-छात्राएं शामिल रहे। बहुत से छात्र-छात्राएं उम्र के उस दहलीज में होने के बाद भी आयोजन का हिस्सा बने, जिनका जीवन वॉकर और व्हीलचेयर का मोहताज हो गया है। ऐसे सीनियर्स अपने बेटे-बेटियों के साथ पहुंचे। दुर्गा कॉलेज ने आईपीएस, फनकार, अध्यापक, प्रोफेसर, पत्रकार, राजनेता और लगभग हर प्रोफेशन के लिए कॉलेज के छात्र-छात्राओं को अपने में सींचा और तैयार किया है। हरिभूमि ने दुर्गा कॉलेज पहुंचकर वहां आयोजन का हिस्सा बने अलग-अलग दौर के छात्र-छात्राओं से बात करते हुए उनके दौर से जुड़ी यादों के बारे में जाना। एलुमिनी मीट में दशकों बाद मिले छात्र-छात्राओं के चेहरे पर खुशी छलक रही थी।

कंधे पर हाथ रखकर खिंचवाई फोटो

एलुमिनी मीट के प्रमुख संतोष अग्रवाल ने मंच से कहा कि इस कॉलेज ने हम सभी के अंदर जीवन में बेहतर कर गुजरने का आत्मविश्वास दिया है। जीवन जीने के लिए जरूरी निर्भिकता, ईमानदारी और परिश्रम का पाठ भी पढ़ाया। संस्कारों की इस पाठशाला ने हार को स्वीकार करते हुए जीवन में निरंतर आगे बढ़ने की सीख प्रदान की है। इस बीच सबके चेहरे पर खुशी साफ छलक रही थी। कई लोगों ने पुराने साथियों के कंधे पर हाथ रखकर तस्वीरें भी खिंचवाई और पुराने किस्से ता बातों को याद करते हुए अपनी हंसी नहीं रोक पाए। आपस में वैसे ही बात कर रहे थे, जैसे क्लासरूम और कैंटीन में पढ़ाई के दिनों में बातचीत करते थे।

भूतपूर्व पीएम नेहरू को सुनाया था 'संगी भिलाई जाबो'

उम्र से बुजुर्ग, पर दिल से नौजवान सेवानिवृत्त बीएसएफ कमांडेंट मधुसूदन पुरोहित ने बताया कि 1960 में पासआउट हुए। उनके सफर की शुरुआत जनगणना विभाग से हुई। बाद में भारतीय सेना की गोरखा राइफल्स (1/5जीआर एफएफ) में लेफ्टिनेंट पद पर पहुंचे। 1965 में बीसीएफ में असिस्टेंट कमांडेंट और 1978 में जालधंर बीएसएफ हेडक्वार्टर में प्रशासनिक इंचार्ज रहे। 1985 से 87 तक हैदराबाद नेशनल पुलिस अकादमी में असिस्टेंट डायरेक्टर ट्रेनिंग रहे। आखिर में 1992 में जोधपुर से सेनानिवृत्त श्री पुरोहित ने एक दिलचस्प वाक्या सुनाते हुए बताया कि उन्होंने पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू को संगी भिलाई जाबो, गरम गुलगुला खाबो गाना सुनाया था।

जहां से पढ़े, उसी कॉलेज में दी सेवा

दुर्गा कॉलेज में पढ़ाई करने और वहीं पर संस्कृत के प्रोफेसर रहे डॉ. लक्ष्मीकांत शर्मा बताते हैं कि यहां पर उन्होंने 1961 में अपनी पढ़ाई पूरी की थी। उसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए बनारस हिंदू विवि गए थे। संयोग ही रहा कि पढ़ाई पूरी करने के बाद मुझे दुर्गा कॉलेज में ही असिस्टेंट प्रोफेसर के रूप में सेवा देने का अवसर मिला। प्रोफेसर शर्मा चलने-फिरने में असमर्थ हैं। कॉलेज के गेट से आयोजन स्थल तक उन्हें ई-रिक्शा से लाया गया। उम्र की इस बेबसी के बाद भी सबसे गर्मजोशी से मिले। आगे बताया कि संस्कृत भाषा में लोकधिराम, सीता स्वाभिमानम नाम की किताबें लिख चुके, जिसे लोगों ने पसंद किया।

चर्चित रेडियो शो चुगली किया होस्ट

आकाशवाणी केंद्र रायपुर में उद्घोषिका का काम कर चुकीं शुभ्रा ठाकुर बताती हैं कि उन्होंने यहां से 1992 में स्नातक की पढ़ाई पूरी की। इस दौरान उनका नाम मेरिट लिस्ट में दूसरे स्थान पर रहा। इसके बाद संगीत और पत्रकारिता की पढ़ाई करते हुए आकाशवाणी दूरदर्शन से जुड़ीं। प्रदेश के पहले कमर्शियल रेडियो स्टेशन रंगीला के चर्चित शो चुगली को होस्ट किया करती थीं।

सिटी इवेंट

25 आचार्यों ने मंत्रोच्चार से 31 दिव्यांग जोड़े का कराया विवाह

रायपुर। शहर के आशीर्वाद भवन में दूसरे दिन भी मांगलिक उत्सव का सिलसिला चला। 25 आचार्यों ने मंत्रोच्चार करते हुए 31 जोड़ों का सामूहिक विवाह कराने में सहयोग दिया। अखिल भारतीय विकलांग चेतना परिषद, रायपुर सेंट्रल मारवाड़ी युवा मंच, कान्यकुब्ज सभा, शिक्षा मंडल एवं सीनियर सिटीजन वेलफेयर फोरम के प्रयास से राज्य स्तरीय विकलांग युवक युवती विवाह का 15वां आयोजन भी खास रहा। संयोजक वीरेंद्र पांडे विकलांग चेतना परिषद के अध्यक्ष सत्येंद्र अग्रवाल एवं कार्यक्रम संयोजक घनश्याम पोद्दार की अगुवाई में इस निशुल्क सामूहिक वैवाहिक आयोजन में मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय रहे, वहीं अध्यक्षता रायपुर के सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने की। समारोह भूषण डॉ. विनय पाठक मंचस्थ रहे।

बच्चों को आशीर्वाद देते हुए ली फोटो

विशिष्ट अतिथि के रूप में समाजसेवी चतुर्भुज अग्रवाल, अरुण शुक्ला ने आयोजन को सफल बनाने में अहम भूमिका निभाई। इस अंतरजातीय विवाह में मुख्यमंत्री विष्णु देव साय, सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए कहा कि दिव्यांगों को समाज की मुख्यधारा में जोड़ने किया गया आयोजन ही सही मायने में दिव्यांगों की सबसे बड़ी सेवा है। इसके बाद कोपलवाणी के मूक-बधिर बच्चों द्वारा बहुत सुंदर नृत्य पेश किया गया। मुख्यमंत्री ने आशीर्वाद देते हुए उनके साथ फोटो ली। सीएम ने सभी विवाहित जोड़ों को अपने हाथ से संस्था द्वारा दी गई 50000 की सामग्री व गिफ्ट प्रदान किए।

जातीय बंधन का रोड़ा नहीं

इससे पूर्व आर्य समाज के आचार्य जगबंधु ने अपने 25 सह आचार्य के सहयोग से वैदिक रीति-रिवाजों व पारंपरिक परिधान में सजे दिव्यांग जोड़े का सामूहिक विवाह कराया। वहीं अनुराधा दुबे ने दिव्यांगों को हरसंभव सहयोग देने के साथ ही सरकार द्वारा दी जाने वाली सहायता राशि जल्द प्रदान करने की घोषणा की। इस अवसर पर सबसे प्रमुख बात यह रही कि दोनों पैरों से दिव्यांग बिलासपुर की सुंदरी लहरे को सकलांग युवक विनोद गेंदले ने जीवनसाथी बनाया। कुछ जोड़ों ने जातीय बंधन को रोड़ा नहीं माना व दोनों पैरों से दिव्यांग तिल्दा के महेश कुमार से एक पैर से दिव्यांग रायपुर की पार्वती तिवाटे ने विवाह किया।

इंटर-स्कूल डांस प्रतियोगिता में छात्राओं ने दिखाई अपनी प्रतिभा

रायपुर। पुरानी बस्ती स्थित अग्रसेन महाविद्यालय में रविवार को "उमंग-2025" के तहत इंटर-स्कूल डांस कम्पीटिशन का आयोजन किया गया। इसमें विभिन्न शालाओं के छात्र-छात्राएं अपने-अपने डांस ग्रुप के साथ पहुंचे। प्रतिभागियों ने फिल्मी और पारंपरिक लोक नृत्यों के साथ-साथ आधुनिक डांस की रंगारंग प्रस्तुति दी। सुंदर पोशाकों में सजे इन प्रतिभागियों ने एकल व समूह नृत्य के जरिये अपनी प्रतिभा का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए दर्शकों की तालियां बटोरी। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि ठाकुर रामचंद्र और स्वामी सार्वजनिक न्यास जैतूसाव मठ मंदिर के सचिव महेंद्र अग्रवाल उपस्थित थे। कहा कि छात्रों को जीवन में हमेशा आगे बढ़ते रहने का जरूर लेना चाहिए। संकल्प से जीवन को नयी दिशा मिलती है। साथ ही अनुशासन में रहने की सीख भी मिलती है। विशिष्ट अतिथि प्रेस क्लब अध्यक्ष प्रफुल्ल ठाकुर ने कहा कि प्रतियोगिताएं छात्र जीवन को निखारने में मदद करती हैं। हार और जीत से परे ये प्रतियोगिताएं व्यक्तित्व निर्माण में बहुत कारगर साबित होती हैं। कॉलेज के निदेशक डॉ. वीके अग्रवाल ने कहा कि छात्रों को अपने कॅरियर चुनाव में अपनी रुचि के अनुसार करना चाहिए। रूचि वाले क्षेत्र में मेहनत करने पर असफल होने की संभावना कम हो सकती है। मलाल भी नहीं रहेगा कि किसी के बताए रास्ते पर चलकर असफल नहीं हुए।

नृत्य प्रस्तुति से दर्शक झूम उठे

तिरंगे परिधान में 7 छात्राओं न देशभक्ति गीत पर नृत्य किया। इसे देख लोग देशभक्ति से ओत-प्रोत हो उठे। शास्त्रीय संगीत पर पारंपरिक परिवेश धारण की छात्रा ने शानदार नृत्य प्रस्तुत किया। वहीं छत्तीसगढ़ी गाने पर छात्राओं के समूह ने लोगों को कुर्सी से उठकर झूमने के लिए मजबूर कर दिया। इसमें लड़कियां सिर पर टोकरी लिए हुए नाच रही थी। इसके अलावा छात्राओं के नृत्य समूह में शामिल एक लड़की ने धर्नुधर बन धनुष की प्रत्यंचा चढ़ाई। इससे लोग उत्साह से भर उठे। निर्णायकों ने नृत्य की प्रस्तुति, ताल और संयोजन के आधार पर सर्वश्रेष्ठ प्रतियोगियों का चयन किया। श्रेष्ठ प्रदर्शन के आधार पर एकल वर्ग में पायल प्रधान (अग्रसेन पब्लिक स्कूल) को विजेता और पीयूष धीवर (वीर छत्रपति शिवाजी स्कूल) को उपविजेता चुना गया। वहीं समूह नृत्य में भूमि कर, विद्या, दर्शन, मीनल, भूमि (सेंट जोसेफ सीनियर सेकेंडरी स्कूल) को विजेता होने का गौरव मिला और आद्या, लीशा, आराध्या, रागिनी, मुस्कान व रोशनी (सेंट थॉमस स्कूल) को उपविजेता चुना गया।

मनुष्य जीवन का पहला लक्ष्य अविनाशी परमात्मा को प्राप्त करना

रायपुर। मोवा स्थित बालाजी हाऊस में श्रीमद भागवत कथा श्रवण के लिए भक्तों की भीड़ जुट रही है। कथावाचक आचार्य बांके बिहारी गोस्वामी ने शनिवार को जड़भरत कथा एवं नरसिंह अवतार का वाचन किया। उन्होंने कहा कि मानव जीवन का मुख्य लक्ष्य अविनाशी परमात्मा को प्राप्त करना है, परंतु काम, क्रोध, मद, लोभ और मोह के अधीन होकर मनुष्य अपने परम लक्ष्य से भटकता जा रहा है। इसी कारण उसे अनेक बार जन्म लेना पड़ रहा है और मृत्यु की गोद में सोना पड़ रहा है। धर्म का प्रयोग किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं होना चाहिए। ध्रुव चरित्र के बाद भगवान शिव एवं माता पार्वती की कथा को समझाते हुए आचार्य बिहारी गोस्वामी कहा कि दक्ष ने भगवान शंकर को नीचा दिखाने के लिए यज्ञ का आयोजन किया जो कि विध्वंस हो गया था। इससे यही सीख मिलती है कि धर्म का प्रयोग किसी को नीचा दिखाने के लिए नहीं करना चाहिए। प्रहलाद चरित्र एवं भगवान के नरसिंह अवतार प्रसंग का वर्णन करते हुए कहा कि भक्ति के मार्ग में बाधक बनना किसी प्रकार से उचित नहीं है।

प्रहलाद के लिए भगवान ने लिया था नरसिंह अवतार

कथा के दौरान आकर्षक झांकियां भी सजाई गईं। जड़भरत की कथा विष्णुपुराण, भागवत पुराण और आदिपुराण में उल्लेखित है। जड़भरत का असली नाम भरत था। वे पूर्वजन्म में स्वयंभू वंशी ऋषभदेव के पुत्र थे। पवित्र ग्रंथ श्रीमद भागवत के पंचम स्कंध के सातवें अध्याय में श्रीहरि विष्णु के अनन्य भक्त भरत की कथा का वर्णन मिलता है। वे मोक्ष के अधिकारी होते हुए भी अपने जीवन के अंतिम क्षणों में एक हिरण के मोह में फंस अपना चित्त लगा बैठे थे। इसके फलस्वरूप उन्होंने अगले जन्म में हिरण की योनि को प्राप्त किया। शुकदेव कहते हैं कि हे परीक्षित, जड़भरत ने अपना अंत समय आने पर ईश्वर के चरणों में अपना ध्यान लगाकर योगाभ्यास द्वारा अपने शरीर को छोड़ दिया और मोक्ष को प्राप्त किया। हिरण्यकश्यप जैसे अधर्मी को मारने और भक्त प्रहलाद की रक्षा के लिए विष्णु भगवान ने नरसिंह अवतार लिया था।

मंदिर में गुलाब, गेंदा, सेवंती, चमेली, लिली और गुलबहार जैसे रंगबिरंगे फूलों से सजावट

दुनिया से हारा तो आया तेरे द्वार...सालासर मंदिर में भजनों की धुन पर झूमे श्रद्धालु, 400 किलो फूलों से सजा बालाजी का दरबार

कार्नर न्यूज

रायपुर। सालासर बालाजी मंदिर में दो दिवसीय वार्षिकोत्सव के दूसरे दिन भक्ति की लहर और भी तेज हो गई। दूरदराज से आए श्रद्धालुओं ने बालाजी के दर्शन किए और भजनों की मधुर ध्वनि सुन आनंदित हुए। इस खास मौके पर प्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल ने अपनी शानदार भजन प्रस्तुति से श्रद्धालुओं को मंत्रमुग्ध कर दिया। भजनों की धुन पर लोग नाचते और गाते नजर आए। कार्यक्रम की शुरुआत लोकप्रिय भजन मैं तो हो गया था बड़ा मजबूर बालाजी...से हुई, जिसके बाद दुनिया से मैं हारा तो आया तेरे द्वार और बालाजी तुम ही दिखा करो.., जैसे भजनों ने माहौल को और भव्य बना दिया। मंदिर परिसर में जयकारों की गूंज सुनाई दी और श्रद्धालुओं ने मनमोहक भक्ति गीतों का आनंद लिया। सालासर बालाजी का दरबार 400 किलो फूलों से सजाया गया था, जो भक्तों के लिए एक अविस्मरणीय दृश्य था। इस भजन संध्या में हजारों की संख्या में भक्त शामिल हुए और देर रात तक भजनों का लुत्फ उठाया।

151 थालियों से बालाजी सरकार की महाआरती

सालासर बालाजी सरकार के दरबार को 400 किलो से अधिक फूलों से सजाया गया, जिसमें गुलाब, गेंदा, सेवंती, चमेली, लिली और गुलबहार जैसे रंगबिरंगे फूलों का उपयोग किया गया। इस विशेष सजावट को कोलकाता के कुशल कारीगरों ने तैयार किया, जिन्होंने पूरे दरबार को खूबसूरती से सजा दिया। सजावट में इस बार सूरजमुखी फूलों को प्रमुख थीम बनाया गया, जो वातावरण में एक ताजगी और ऊर्जा का संचार कर रहे थे। मंदिर समिति के सदस्य कर्तव्य अग्रवाल ने बताया कि संध्या आरती के दौरान 151 पूजन थालियों के साथ बालाजी सरकार की महाआरती की गई।

51 किलो दूध से अभिषेक

सुबह 11 बजे से लेकर दोपहर 3 बजे तक 51 किलो दूध से बालाजी सरकार का अभिषेक किया गया। इस दौरान भक्तों ने श्रद्धा और भक्तिभाव से भगवान का दुग्धाभिषेक किया। अभिषेक के बाद, महोत्सव के आयोजकों ने श्रद्धालुओं के लिए सवामणि का भोग भगवान को अर्पित किया, जिसे सभी भक्तों ने श्रद्धाभाव से ग्रहण किया। इसके अलावा दोपहर 12 बजे से लेकर देर रात तक भक्तों के लिए प्रसादी की व्यवस्था की गई, जिसमें पांच हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने प्रसादी का स्वाद लिया। यह आयोजन श्रद्धा और भक्ति से परिपूर्ण था, जिसमें सभी भक्तों ने बालाजी के आशीर्वाद को स्वीकार किया और इस पवित्र अवसर का भरपूर लाभ उठाया।

सिटी स्पोर्ट्स

नॉर्वे पैरा-आर्म रेसलिंग कप में रजत पदक जीता श्रीमंत ने

रायपुर। छत्तीसगढ़ के आर्म रेसलर श्रीमंत झा ने नार्वे में आयोजित एशिया पैरा-आर्म रेसलिंग कप 2025 में +85 किलोग्राम वर्ग में भाग लिया और रजत पदक अपने नाम किया। श्रीमंत ने अपना यह पदक महाकुंभ में जान गंवाने वालों को श्रद्धांजलि स्वरूप समर्पित किया है। यह प्रतियोगिता 13 फरवरी से 15 फरवरी आयोजित की गई। जिसमें श्रीमंत ने, पोलैंड के मार्सिन कैप्लिकी को हराकर रजत पदक जीता।

झा ने कहा कि उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए अच्छी तैयारी की है और आगामी अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पर ध्यान केंद्रित करेंगे। श्रीमंत ने इससे पहले भी कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपना लोहा मनवाया है और अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं और कई स्वर्ण पदक जीत चुके हैं। सिल्वर मेडल प्राप्त करने पर आर्म रैसलिंग की अध्यक्षा प्रीति झींझानी छत्तीसगढ़ के आर्म रैसलिंगके अध्यक्ष जी सुरेश बाबे, चेयरमैन बृज मोहन सिंह , सचिव श्रीकांत एवं कोच ऋषभ जैन ने श्रीमंत झा को शुभकामनाएं दी है।

जिला क्रिकेट संघ ने जारी की चयनित खिलाड़ियों की सूची

दुर्ग। छत्तीसगढ़ राज्य क्रिकेट संघ (सीएससीएस) के निर्देशानुशार, ट्रायल्स, प्रदर्शन मैचेस, पूर्व में अंडर-23, अंडर-19, अंडर-16 मैच के प्रदर्शन के आधार पर दुर्ग जिला क्रिकेट संघ ने 16 खिलाड़ियों का चयन किया गया है। जिसमें अर्पित श्रीवास्तव (कप्तान), जितेश वर्मा (उप कप्तान), विजय यादव, आदित्य वर्मा, जितेश चौहान, आकाश सिंह, सिद्धार्थ सिंह, आकांशु क्वाइट, अमन साहू, चेतन सोनकर, सार्थक बाजपाई, अतुल सोनी, स्वयं पाण्डेय, आदित्य बारीक, आयुष सिंह, पोरस यादव, कोच कोंडल राव और मैनेजर आतिफ खान है।

रविवार की सुबह जिला क्रिकेट संघ की सीनियर टीम के टी शर्ट का अनावरण एवं वितरण का कार्यक्रम रविशंकर स्टेडियम दुर्ग में हुआ। इस दौरान एसोसिएशन के अध्यक्ष विजय अग्रवाल, सचिव प्रमोद पारख, संजीव श्रीवास्तव, सुरेश साहू, आशीष सूर्यवंशी, गुरमीत भोगल, कोंडल राव, कौशल वर्मा, आतिफ खान, सुनील जैन, गेंदालाल साहू एवं नवदृष्टि फाउंडेशन के कुलवंत सिंह, राज आढ़तिया, सुरेश जैन व अन्य लोगो की उपस्थिति में आयोजित किया गया।

क्रिकेट एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने चयनित खिलाड़ियों को अपने उत्कृष्ट खेल कौशल का प्रदर्शन करने के लिया अग्रिम बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। नवदृष्टि फाउंडेशन के पदाधिकारियों ने जिला क्रिकेट संघ के टी शर्ट पर प्रिंटेड लोगो के लिए, संघ के प्रयास को सहृदय से साधुवाद दिया।तत्पश्चात अपनी संस्था के रक्त दान, नेत्र दान, शरीर दान यह सब महा दान के सामाजिक महत्वत के विषय से उपस्थित खिलाड़ियों को अवगत कराया। अंत में जिला क्रिकेट संघ के उपाध्यक्ष ने सभी अतिथियों एवं खिलाड़ियों को धन्यवाद ज्ञापित किये। यह जानकारी जिला क्रिकेट एसोसिएशन के उपाध्यक्ष संजीव श्रीवास्तव द्वारा दिया गया।

राष्ट्रीय शालेय सॉफ्टबॉल में छत्तीसगढ़ की बालिकाओं ने जीता रजत पदक

रायपुर। औरंगाबाद (महाराष्ट्र) में राष्ट्रीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता 13 से 16 फरवरी तक के अंर्तगत सॉफ्टबॉल अंडर 14 बालक /बालिका वर्ग में आयोजित की गई। छत्तीसगढ़ क़ी बालिका वर्ग की टीम ने पुरे प्रतियोगिता मे शानदार प्रदर्शन करते हुए रजत पदक जीता है 1 शाउमावि जेवरा-बेमेतरा के व्यायाम शिक्षक एवं टीम के कोच सह दल प्रबंधक मृत्युंजय शर्मा ने बताया कि, इस प्रतियोगिता मे देश के 16 राज्यों क़ी टीम ने भाग लिया। छत्तीसगढ़ क़ी बालक वर्ग टीम ने लीग के मैचों मे क्रमशः गुजरात को 10-02 से तेलांगना को 10-02 से हराया किंतु क्वार्टर फाइनल मे चंडीगढ क़ी टीम से 00-01 से हार गयी 1 बालिका वर्ग की टीम ने लीग मैच मे क्रमशः जम्मू कश्मीर को 10-00 से तमिलनाडु को 10-00 से तथा चंडीगढ को 04-00 से हराकर क्वार्टर फाइनल मे आंध्र प्रदेश को 07-00 से हराया। सेमीफाइनल मे मेजबान राजस्थान क़ी टीम को 04-03 से हराकर प्रतियोगिता के फाइनल में पहुंची। फाइनल मैच में बालिका वर्ग की टीम को मेजबान महाराष्ट्र की टीम से 03-02 हार गई और टीम को रजत पदक प्राप्त हुआ. इस पूरे प्रतियोगिता में शाउमावि जेवरा के कोमल पाटिल, राजू निषाद आदि मौजूद थे।

प्रदूषण को माना जा रहा है इन समस्याओं की जड़

लोगों की कमजोर होती जा रही है याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता, सामने आई इसकी सबसे बड़ी वजह

आमतौर पर वायु प्रदूषण को फेफड़ों और हार्ट की समस्याओं के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है पर समय के साथ ये ब्रेन हेल्थ के लिए भी खतरनाक साबित होता जा रहा है। समय के साथ ये ब्रेन हेल्थ के लिए भी खतरनाक साबित होता जा रहा है। प्रदूषित हवा में थोड़े समय के लिए भी सांस लेने से आपकी याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता पर नकारात्मक असर हो सकता है।

ब्रेन हेल्थ (मस्तिष्क की सेहत) में होने वाली समस्याएं स्वास्थ्य विशेषज्ञों के लिए गंभीर चिंता का कारण बनी हुई हैं। समय के साथ इसका खतरा बढ़ता ही जा रहा है। अध्ययनों में इसके लिए खराब होती लाइफस्टाइल और खान-पान से संबंधित दिक्कतों को एक कारण माना जाता रहा है।

एक हालिया रिपोर्ट में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि लोगों की सोचने-समझने की क्षमता समय के साथ कम होती जा रही है, वयस्कों से लेकर बुजुर्ग तक सभी इसका शिकार हो रहे हैं। इसके अलावा बड़ी संख्या में लोगों ने याददाश्त में कमी को लेकर भी शिकायत की है। मस्तिष्क से संबंधित इन सभी विकारों के लिए वैज्ञानिकों ने बढ़ते वायु प्रदूषण को प्रमुख कारण पाया गया है। ब्रिटेन में किए गए हालिया अध्ययन में विशेषज्ञों की टीम ने बताया कि वैश्विक स्तर पर वायु प्रदूषण की समस्या तेजी से बढ़ती

जा रही है। आमतौर पर वायु प्रदूषण को फेफड़ों और हार्ट की बीमारी के लिए जिम्मेदार माना जाता रहा है पर समय के साथ ये ब्रेन हेल्थ के लिए भी खतरनाक साबित होता जा रहा है। प्रदूषित हवा में थोड़े समय के लिए भी सांस लेने से आपकी याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता पर नकारात्मक असर हो सकता है।

वायु प्रदूषण का बढ़ता स्तर मस्तिष्क के लिए ठीक नहीं

बर्मिंघम और मैनचेस्टर विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं ने एक अध्ययन में पाया कि वायु प्रदूषण का बढ़ता स्तर विशेषतौर पर पीएम 2.5 के संपर्क में रहने से आपकी सेहत पर कई प्रकार से नकारात्मक असर हो सकता है।

पीएम 2.5 वायु प्रदूषण का वह घटक है जो स्वास्थ्य को सबसे अधिक नुकसान पहुंचाता है। आंकड़े बताते हैं कि साल 2015 में वायु प्रदूषण के कारण होने वाले स्वास्थ्य संबंधित दुष्प्रभावों ने करीब 42 लाख लोगों की जान ले ली। इसे सिर्फ सांस लेने से या फेफड़ों की समस्या से जोड़कर देखना सही नही हैं, इसका आपके मस्तिष्क की कार्यक्षमता पर भी असर हो रहा है।

ध्यान केंद्रित करने में लोगों को हो रही हैं दिक्कतें

जर्नल नेचर कम्युनिकेशंस में प्रकाशित इस अध्ययन के निष्कर्षों से पता चलता है कि जो लोग प्रदूषित हवा के अधिक संपर्क में रहते हैं उनके लिए ध्यान केंद्रित करना और भावनाओं पर नियंत्रण भी मुश्किल हो सकता है। दिमागी भटकाव की ये स्थिति रोजमर्रा के कामों पर भी गहरा असर डाल सकती है।

शोधकर्ताओं ने इस अध्ययन में 26 वयस्कों को दो समूहों में बांट कर अध्ययन किया है। इसमें एक समूह वह था जो प्रदूषित हवा के संपर्क में रहता था जबकि और दूसरे समूह के लोग स्वच्छ हवा में सांस लेते थे।

अध्ययन में क्या पता चला?

दोनों समूह के लोगों की मस्तिष्क की कार्यक्षमता की जब जांच की गई तब पता चला कि जो लोग प्रदूषित वातावरण वाली जगहों पर रहते थे उनमें समय के साथ आत्म नियंत्रण और ध्यान केंद्रित करने जैसी समस्याएं बढ़ती गईं।

विशेषज्ञों ने अध्ययन में पाया कि हवा में मौजूद महीन कण जिन्हें पार्टिकुलेट मैटर (पीएम) कहा जाता है, वह दिमागी क्षमता पर नकारात्मक असर डालते हैं। इतना ही नहीं कुछ घंटे भी पीएम 2.5 की संपर्क में रहना आपकी सेहत के लिए कई प्रकार से नुकसानदायक हो सकता है।

बच्चों की डाइट से चीनी कम करने के लिए अपनाएं कुछ जरूरी ट्रिक्स

बहुत ज्यादा चीनी बच्चों की सेहत को नुकसान पहुंचा सकती है। ऐसे में उनकी डाइट से चीनी कम करने के लिए आप कुछ आसान तरीके अपना सकती हैं। बच्चों को मीठी चीजें खाने का एक अलग ही शौक होता है। टॉफी से लेकर चॉकलेट और जूस तक, शुगरी आइटम्स बच्चों को काफी पसंद आती हैं। लेकिन जरूरत से ज्यादा मीठा उनकी सेहत को काफी नुकसान पहुंचा सकता है। इससे ना केवल उन्हें कैविटी की शिकायत हो सकती है, बल्कि वे अधिक थके हुए महसूस कर सकते हैं।

इसके अलावा, उन्हें मोटापा या डायबिटीज जैसी समस्याएं हो सकती हैं। ऐसे में पैरेंट्स के रूप में यह जरूरी हो जाता है कि आप उनके शुगर इनटेक पर नजर बनाए रखें। हालांकि, बच्चों की डाइट में चीनी कम करने का मतलब उनके खाने को बोरिंग बनाना नहीं है। बल्कि बस आपको थोड़ा क्रिएटिव होने की जरूरत है। जिससे बच्चे अपने स्वाद को भी बरकरार रख पाएं और उनकी सेहत पर भी किसी तरह का नेगेटिव असर ना पड़े।

तो चलिए आज इस लेख में सेंट्रल गवर्नमेंट हॉस्पिटल के ईएसआईसी अस्पताल की डाइटीशियन रितु पुरी आपको कुछ ऐसे ही आसान तरीकों के बारे में बता रही हैं, जिन्हें अपनाकर आप बच्चे की डाइट से चीनी को आसानी से कम कर सकते हैं-

मीठी ड्रिंक्स से बनाएं दूरी

अक्सर बच्चे मार्केट में मिलने वाले पैकेज्ड जूस या फ्लेवर्ड मिल्क पीना पसंद करते हैं। लेकिन इनमें बहुत ज्यादा चीनी होती है और इसलिए इनका सेवन सेहत के लिए अच्छा नहीं माना जाता है। इसलिए, कोशिश करें कि आप इसकी जगह बच्चों को पानी, नारियल पानी या फिर सादा दूध दें। आप बच्चों को फलों से इंफ्यूज्ड वाटर भी दे सकते हो। इस तरह हर दिन अलग-अलग फ्लेवर का पानी पीना यकीनन बच्चों को काफी पसंद आएगा।

स्मार्ट स्नैकिंग पर करें फोकस

बच्चों को स्नैकिंग करना काफी अच्छा लगता है, लेकिन वे स्नैकिंग के रूप में मार्केट में मिलने वाले पैकेज्ड कुकीज, कैंडीज और फ्लेवर्ड योगर्ट आदि खाना पसंद करते हैं। हालांकि, इनमें छिपी हुई शुगर होती है, जो बच्चों की हेल्थ को नुकसान पहुंचाती है। इसलिए, आप स्नैकिंग के रूप में भुना हुआ मखाना या सूखे मेवे आदि उन्हें खाने के लिए दे सकते हैं। इसके लिए होल व्हीट टोस्ट पर पनीर स्लाइस और खीरे की मदद से एक सैंडविच बनाकर भी उन्हें दिया जा सकता है। यह काफी फिलिंग होता है और खाने में भी काफी टेस्टी लगता है।

डेजर्ट को बनाएं हेल्दी

बच्चों को तरह-तरह की मिठाइयां खाना काफी पसंद आता है। लेकिन अक्सर पैरेंट्स उन्हें मीठा खाने से रोकते हैं। हालांकि, आपको उनकी डाइट से डेजर्ट को पूरी तरह से बाहर करने की जरूरत नहीं है।

चीनी मिट्टी के बर्तन खरीदने से पहले जान लें जरूरी बातें, वरना हो सकता है पछतावा

चीनी मिट्टी के कई बर्तनों को बनाने के लिए नॉनवेज चीजों का इस्तेमाल किया जाता है। ऐसे में अगर आप एक शाकाहारी हैं, तो आपको चीनी मिट्टी के बर्तन खरीदने से पहले कुछ बातें जरूर जान लेनी चाहिए।

चीनी मिट्टी के कौन-से बर्तन नॉनवेज होते हैं?

बोन चाइना पॉटरी का एक खास प्रकार है। इन्हें मांसाहारी कहा जाता है। इन्हें बनाने के लिए करीब 50 हड्डियों का चूर्ण बोन ऐश मिट्टी में मिलाया जाता है। अधिकतर इसे सूअर की हड्डियों से बनाया जाता है। इससे बर्तन मजबूत और पारदर्शी बनते हैं। ऐसे में अगर आप नॉनवेज से बने बर्तन खरीदना चाहते हैं, तो आपको बोन चाइना पॉटरी बिल्कुल नहीं खरीदने चाहिए।

कलर और शाइन चेक करें

चामोइस लेदर का इस्तेमाल मिट्टी को चमकदार बनाने और किनारों को चिकना करने के लिए किया जाता है। वीगन पॉटरी में हाथ और स्पंज के इस्तेमाल से फिनिशिंग दी जाती है। ऐसे में बर्तन के कलर और शाइन से आप उसके शाकाहारी होने का पता लगा सकते हैं।

समुद्री स्पंज का होता है इस्तेमाल

समुद्री जीवों से प्राप्त समुद्री स्पंज, नेचुरल स्पंज से भी चीनी मिट्टी के बर्तन बनाए जाते हैं। वहीं, शाकाहारी बर्तनों को बनाने के लिए सेल्यूलोज स्पंज का इस्तेमाल होता है, जो लकड़ी के रेशों से तैयार की जाती हैं। बता दें कि मिट्टी की ग्लेजिंग बनाने के लिए भी बकरी के बालों से बने ब्रश का इस्तेमाल किया जाता है।

वीगन पॉटरी खरीदें

अगर आप अपने शोपीस और डाइनिंग टेबल पर एनिमल प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल नहीं करना चाहते हैं, तो आपको वीगन पॉटरी ही खरीदनी चाहिए। वीगन सिरेमिक्स भी नॉर्मल चीनी मिट्टी के बर्तनों जैसे ही चमकदार होते हैं। इन्हें पर्यावरण के लिए भी फायदेमंद माना जाता है।

घर के किस कोने में काजल का टीका लगाने से दूर होता है वास्तु दोष, जानिए

वास्तु दोष से छुटकारा पाने के लिए कई तरह के उपायों और नियमों को अपनाएं जाते हैं। इनमें घर में काला टीका लगाना भी एक उपाय है। वास्तु शास्त्र में घर के सभी कोनों के महत्व के बारे में बताया गया है। वहीं दिशाओं को भी बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। घर के कोने में स्थित ऊर्जा व्यक्ति के जीवन को प्रभावित करती है।

अगर बात करें उत्तर-पूर्व कोना की, तो यह कोना ब्रह्मा का प्रतिनिधित्व करता है और इसे घर का सबसे पवित्र कोना माना जाता है। यहां पूजा स्थल बनाना शुभ माना जाता है। इस कोने में खुलापन और प्रकाश होना चाहिए। दक्षिण-पूर्व कोना अग्नि तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। यहां रसोईघर बनाना शुभ माना जाता है।

दक्षिण-पश्चिम कोना पृथ्वी तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। यहां भारी वस्तुएं रखना शुभ माना जाता है। उत्तर-पश्चिम कोण वायु तत्व का प्रतिनिधित्व करता है। यहां बच्चों का कमरा या अध्ययन कक्ष बनाना शुभ माना जाता है। अब ऐसे में काला टीके का प्रयोग नजरदोष से बचने के लिए लगाया जाता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि वहीं काला टिका अगर घर के कोनों में लगाया जाए, तो वास्तु दोष से भी छुटकारा मिल जाता है।

अकेले काम करने में लगता है आपका मन तो इन फील्ड्स में ढूंढें अपना कॅरियर ऑप्शन

काम के दौरान हमें सिर्फ अपने काम पर ही ध्यान नहीं देना होता है, बल्कि ऑफिस में अपने काम को करते हुए टीम के अन्य कलीग्स से लेकर लगातार होने वाली मीटिंग्स को भी मैनेज करना होता है। ऑफिस का वर्क कल्चर शायद हर किसी के लिए फिट नहीं बैठता है। खासतौर से, अगर आपको अकेले काम करना पसंद हैं, तो ऐसे में लगातार आने वाले कई चैलेंजेस आपको अंदर की अंदर काफी परेशान कर सकते हैं।

लेकिन एक सफल करियर बनाने के लिए जरूरी नहीं है कि आप अपनी इच्छाओं के साथ समझौता करें। दरअसल, ऐसे कई करियर ऑप्शन हैं, जो आपको अकेले काम करने का मौका देते हैं। इन फील्ड्स में आप बिना किसी अन्य व्यक्ति की दखलअंदाजी के भी अपना काम कर सकते हैं और नाम कमा सकते हैं। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको कुछ ऐसे ही करियर ऑप्शन के बारे में बता रहे हैं, जो अकेले काम करना पसंद करने वाले लोगों के लिए एकदम परफेक्ट साबित हो सकते हैं-

फ्रीलांस राइटर

अगर आप क्रिएटिव फील्ड में अपना करियर बनाना चाहते हैं तो ऐसे में बतौर फ्रीलांस राइटर लिख सकते हैं। एक फ्रीलांस राइटर के रूप में आप कहीं से भी ब्लॉग, आर्टिकल या किताबें लिख सकते हैं। अपनी राइटिंग स्किल्स के दम पर ना केवल आप अपनी एक अलग पहचान बना सकते हैं, बल्कि इसमें आपको किसी अन्य व्यक्ति की दखलअंदाजी की जरूत नहीं होती है।

फ़ोटोग्राफ़र

एक फोटोग्राफर के रूप में भी आप अपना एक उज्जवल भविष्य देख सकते हैं। आप अपननी पसंद के अनुसार फोटोग्राफी में फील्ड का चयन कर सकते हैं। मसलन, आप वाइल्डलाइफ फोटोग्राफर बन सकते हैं या फिर प्रोडक्ट फोटोग्राफी के करियर ऑप्शन को चुन सकते हैं। इसे भी पढ़ें- फोटोग्राफर्स से लेकर व्लॉगर तक सबकी पहली पसंद हैं ये कैनन कैमरा, देखिए शौकिया व प्रोफेशनल फोटोग्राफर्स दोनों के लिए अच्छे कैमरा विकल्प।

करें ऑनलाइन बिजनेस

जो लोग खुद का कुछ करना चाहते हैं, वे ऑनलाइन बिजनेस का ऑप्शन भी चुन सकते हैं। ऑनलाइन बिजनेस करते हुए आप ड्रॉपशिपिंग कर सकते हैं या फिर अपने कस्टमर से आमने-सामने बात किए बिना ऑनलाइन स्टोर चला सकते हैं। इस तरह, आप अच्छी-खासी कमाई कर सकते हैं या फिर खुद का भी एक ब्रांड क्रिएट कर सकते हैं।

फिल्म इवेंट

हॉलीवुड

बाफ्टा प्रेजेंटर्स की लिस्ट में कुछ और नाम जुड़ गए, सेलिब्रिटीज ने दी ट्रॉफी

बाफ्टा अवॉर्ड 16 फरवरी की शाम हुए। इन अवॉर्ड के प्रेजेंटर्स की एक लंबी लिस्ट पहले ही सामने आ चुकी थी। इसमें हॉलीवुड सिंगर-एक्ट्रेस सेलिना गोमेज, एक्ट्रेस जोई सल्डाना, सिंगर कमीला कबेयो शामिल थे। इस साल दर्शकों को सेलिना गोमेज, जोई सल्डाना, जेसी ईसेनबर्ग, जो एल्विन, इसाबेला रोसेलिनी, कोलमैन डोमिंगो और राल्फ फिएनेस जैसे हॉलीवुड सेलिब्रिटीज बाफ्टा अवॉर्ड जीतने वालों को ट्रॉफी देते हुए नजर आए। कई और सेलिब्रिटीज के नाम भी शामिल हैं जिन्होंने बाफ्टा अवॉर्ड विनर को ट्रॉफी दी। इसमें एडम पियर्सन, एडम स्कॉट, एन्ना केंड्रिक, कैमिला कैबेलो, सेलिया इमरी, चिवेटेल एजियोफोर, हन्ना जॉन-कामेन, जेम्स मैकएवॉय, जेम्स नॉर्टन जैसे लोगों के नाम शामिल हैं। इनके अलावा भी कई नामी हॉलीवुड सेलिब्रिटी प्रेजेंटर्स की लिस्ट में शामिल हैं। बाफ्टा इवेंट की जहां तक बात है तो यह अवॉर्ड फंक्शन 16 फरवरी को लंदन में हुआ। इस भारत में लायंसगेट प्ले पर देखा गया। यह अवॉर्ड फंक्शन भी फिल्म मेकर्स, एक्टर्स के लिए काफी मायने रखता है। बाफ्टा अवॉर्ड में कॉन्क्लेव और एमिलिया पेरेज को सबसे ज्यादा नॉमिनेशन मिले हैं। कॉन्क्लेव एक मिस्ट्री-थ्रिलर है, इसे 12 नॉमिनेशन मिले हैं। वहीं एमिलिया पेरेज, जो कि एक स्पेनिश भाषा की म्यूजिकल-थ्रिलर है, इसे 11 नॉमिनेशन मिले हैं। यह फिल्म पहले भी कई अवॉर्ड शो में अपना जलवा दिखा चुकी हैं। फिल्म एमिलिया पेरेज को ऑस्कर अवॉर्ड 2025 में कुल 13 नॉमिनेशन मिले हैं।

टॉलीवुड

एनटीआर को फिल्मों में लाने वाली वेणी ने शतक पूरा कर ली आखिरी सांस

साउथ सिनेमा की दिग्गज अभिनेत्री और निर्माता चित्तजल्लु कृष्णवेनी का 16 फरवरी को 100 साल की उम्र में निधन हो गया है। उन्होंने एक फिल्म में बतौर प्रड्यूसर एनटीआर का डेब्यू करवाया था। उनका जन्म आंध्र प्रदेश के पश्चिमी गोदावरी जिले के पंगीडीगुडेम गांव में 24 दिसंबर 1924 को हुआ था। अभिनेत्री चित्तजल्लु कृष्णवेनी ने सती अनसूया -ध्रुव (1936) से अपनी फिल्मी यात्रा की शुरुआत की थी। बाद में उन्होंने मिर्जापुरम के राजा मेका रंगैया से शादी की और तेलुगु, तमिल और अन्य भाषाओं की कई फिल्मों में अभिनय किया। उनके निधन से सिनेमा जगत में शोक का माहौल है। अभिनेत्री की प्रमुख फिल्मों में मोहिनी रुक्मंगदा (1937), कच्चा देवयानी (1938), मल्ली पेली (1939) और गोलाभामा (1947) शामिल हैं। अभिनय के साथ ही उन्होंने फिल्म निर्माता के तौर पर भी काम किया। उन्होंने तेलुगु फिल्म मन देशम (1949) के निर्माण में नंदमुरी तारक राम राव और प्रसिद्ध संगीत निर्देशक घंटाशाला वेंकटेश्वर राव के साथ महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। 'मन देशम' फिल्म से ही उन्होंने एनटीआर का डेब्यू का करवाया था। अभिनेत्री को साल 2004 में रघुपति वेंकैया पुरस्कार से सम्मानित किया गया। उन्होंने एक पार्श्व गायिका के रूप में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। कृष्णवेनी ने मन देशम के अलावा लक्ष्मम्मा, दम्पत्यम और भक्त प्रहलाद जैसी फिल्मों का निर्माण किया है।

भोजपुरी

महिलाओं के साथ भेदभाव पर बोलीं अक्षरा-लड़कियों पर लांछन लगाना आसान

भोजपुरी अदाकारा अक्षरा सिंह सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं। यूं तो अभिनेत्री अक्सर अपने लुक्स ही ज्यादा शेयर करती हैं या अपनी फिल्मों और गानों से जुड़े अपडेट यहां देती हैं। लेकिन, सामाजिक मुद्दों पर भी वे यहां राय जाहिर करती रहती हैं। हाल ही में उन्होंने एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है। इसमें वे भेदभाव पर बात करती दिखी हैं। अक्षरा सिंह ने इंस्टाग्राम स्टोरी पर एक पोस्ट शेयर किया है। इसमें लिखा है, 'नियत से ही नियति तय होती है, इसलिए नियत अच्छी रखना बाकी लोगों का नजरिया मायने नहीं रखता, क्योंकि कुछ तो लोग कहेंगे लोगों का काम है कहना। लोग लड़का और लड़की को बराबर तो कहते हैं, लेकिन सत्य तो ये है कि लड़कियों पर आज भी लांछन लगाना बहुत आसान है'। अक्षरा भोजपुरी इंडस्ट्री की टॉप अभिनेत्रियों में शामिल हैं। अभिनय के साथ-साथ वे अपने अभिनय के लिए भी मशहूर हैं। वर्क फ्रंट की बात करें तो हाल ही में अभिनेत्री का होली स्पेशल सॉन्ग रिलीज हुई है। 'कंगना जोगीरा गावे' गाना आज रविवार को टी-सीरीज हमार यूट्यूब चैनल पर रिलीज हुआ है। अक्षरा के निजी जीवन की बात करें तो एक वक्त पर उनका अफेयर भोजपुरी एक्टर पवन सिंह के साथ रहा। दोनों का कथित रिलेशनशिप मीडिया की सुर्खियां बना। हालांकि, अब इनका ब्रेकअप हो चुका है। दोनों का रिश्ता एक बुरे मोड़ पर आकर खत्म हुआ। अक्षरा ने पवर सिंह पर मारपीट करने के आरोप भी लगाए ।

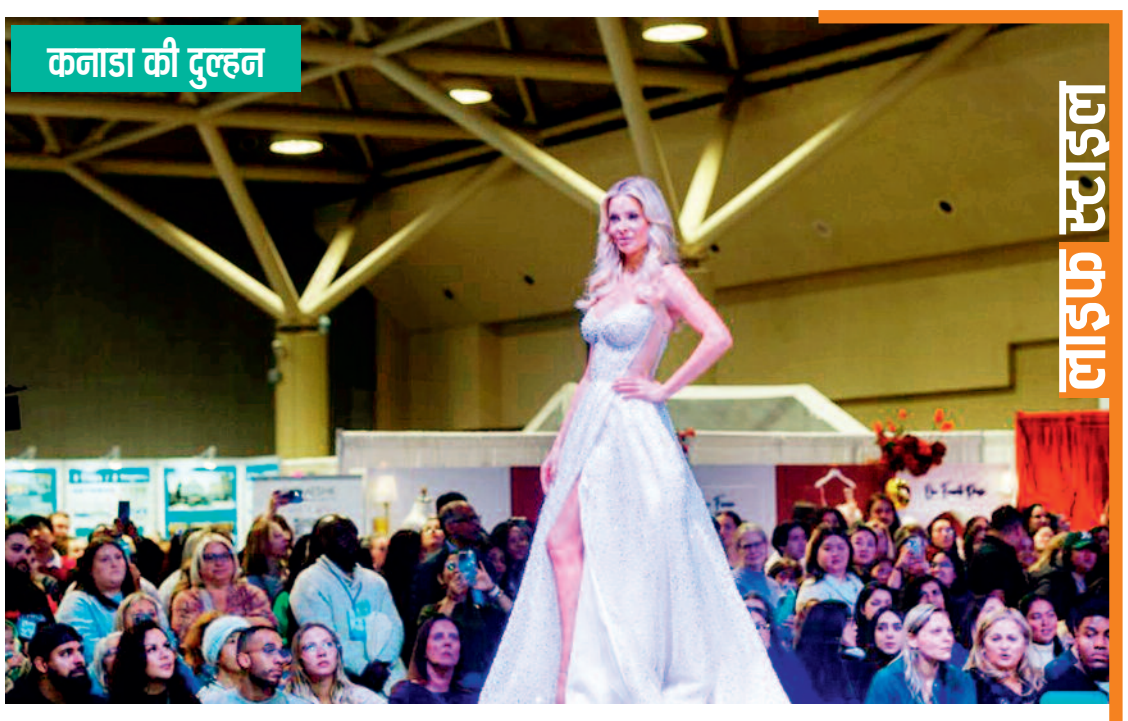

टोरेंटो में हाल ही में कनाडा की दुल्हनों पर आधारित फैशन शो हुआ। जिसमें यहां बहुत सी माडल ने इन दिनों कनाडा में चल रहे ट्रेंड को प्रदर्शित किया। टोरेंटो में हालांकि शादियां किसी मुहूर्त पर आधारित नहीं होती लेकिन यहां दुल्हनों पर आधारित फैशन शो जरूर साल में एक बार होता है, जिसमें दर्शकों का हुजूम उमड़ पड़ता है।

बालों की केयर करने के लिए सूरजमुखी के बीज का इन तीन तरीकों से करें इस्तेमाल

जब भी बालों की केयर की बात आती है तो हम सभी कई तरह के फैन्सी प्रोडक्ट्स पर भरोसा करना पसंद करते हैं। जबकि बालों की सभी समस्याओं का हल हमारी किचन में ही छिपा है। इन्हीं में से एक है सूरजमुखी के बीज। इन्हें अक्सर हम स्नैक्स के रूप में खाना पसंद करते हैं, जबकि ये बालों के लिए भी किसी वरदान से कम नहीं है। इन छोटे-छोटे बीजों में विटामिन ई, जिंक और ओमेगा-6 फैटी एसिड जैसे ज़रूरी पोषक तत्व पाए जाते हैं। ये ना केवल बालों की ग्रोथ में मददगार साबित होते हैं, बल्कि इनसे हेयर फॉल की समस्या दूर होती है और स्कैल्प हेल्थ को भी फायदा मिलता है। अगर आप नेचुरल तरीके से अपने बालों का ख्याल रखना चाहती हैं तो ऐसे में आप सूरजमुखी के बीजों को अपने हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बनाएं। आप इसे कई अलग-अलग तरीकों से अपने हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बना सकती हैं। तो चलिए आज इस लेख में आरवीएमयूए एकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ट आपको बता रही हैं कि आप सूरजमुखी के बीजों को किन तरीकों से अपने हेयर केयर रूटीन का हिस्सा बना सकती हैं-

सूरजमुखी के बीजों को बतौर स्कैल्प स्क्रब की तरह इस्तेमाल करना अच्छा विचार हो सकता है। यह आपकी स्कैल्प को डीप क्लींज करने में मदद करेगा। स्क्रब की मदद से डेड स्किन सेल्स को हटाने और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ावा देने में मदद मिलेगी।

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले सूरजमुखी के बीजों को पीस लें।अब इसमें ब्राउन शुगर और नारियल का तेल डालकर मिक्स करें।अब इसे अपनी स्कैल्प पर लगाकर हल्के हाथों से मसाज करें।इससे हेयर ग्रोथ में मदद मिलेगी।

हेयर मास्क की तरह करें इस्तेमाल

बालों को स्मूथ, सिल्की और शाइनी बनाने के लिए सूरजमुखी के बीजों को बतौर हेयर मास्क भी इस्तेमाल किया जा सकता है।

इस्तेमाल का तरीका-

सबसे पहले एक बाउल में 2 बड़े चम्मच सूरजमुखी के बीज का तेल, 1 बड़ा चम्मच शहद, 1 बड़ा चम्मच नारियल का तेल और लैवेंडर एसेंशियल ऑयल की कुछ बूंदे मिलाएं। अब तैयार मास्क को अपने बालों में लगाएं।

ब्राइडल लहंगा तैयार कराते वक्त रखें इन बातों का ध्यान

यदि आपकी शादी भी पक्की हो गई है और आपने शादी के लिए लहंगा तलाशना शुरू कर दिया है तो ये लेख आपके लिए है। यहां हम आपको बताएंगे कि लहंगा खरीदते और तैयार कराते समय किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

शादी हर लड़की के जीवन का एक सबसे खास और यादगार दिन होता है ।शादी के बाद लड़की एक नए परिवार और नए रिश्तों से जुड़ती है। ऐसे में उसकी जिंदगी में न केवल सामाजिक बल्कि भावनात्मक रूप से भी एक बड़ा परिवर्तन होता है। शादी का हर छोटा-बड़ा पहलू दुल्हन के लिए खास मायने रखता है, लेकिन शादी का लहंगा उसकी भावनाओं, परंपराओं और सपनों से गहराई से जुड़ा होता है। जिसे वो सारी जिंदगी संजो कर रखती हैं।

यदि आपकी भी शादी पक्की हो गई है और आप भी अपनी शादी का जोड़ा तलाश रही हैं तो पहले ये लेख पढ़ लें। दरअसल, यहां हम आपको बताएंगे कि शादी का लहंगा खरीदते और तैयार कराते समय किन-किन बातों का ध्यान रखना चाहिए।

सबसे पहले कर लें रंग का चयन

यदि लहंगा लेने जा रही हैं तो भले ही दुकान पर जाकर हर रंग ट्राई करें, लेकिन एक बार पहले से ही ये सोच लें कि कौन सा रंग आपको लेना है।इससे आपका काफी समय बच जाएगा। रंग का चयन अपनी स्किन टोन के हिसाब से ही करें, वरना आपका लुक खराब हो सकता है।

मौसम के हिसाब से चुनें फैब्रिक

ब्राइडल लहंगा भी मौसम के हिसाब से ही चुनना चाहिए। जैसे कि गर्मी में जॉर्जेट या नेट का चुनाव करें वहीं यदि सर्दी का मौसम है तो रॉ सिल्क, वेलवेट, जॉर्जेट या नेट का चुनाव करें। भारी कढ़ाई वाले लहंगे सुंदर लगते हैं, लेकिन गर्मियों में इन्हें पहनना मुश्किल हो सकता है।

सही फिटिंग का हो ब्लाउज

यदि शादी के लहंगे का ब्लाउज सही फिटिंग का नहीं होगा, तो इससे भी आपका लुक खराब हो सकता है।

फ्लोरल आउटफिट में दिखेंगी बला की खूबसूरत, बस साथ में पहनें ये ज्वेलरी

अमूमन खुद को स्टाइल करते समय हम कई तरह के आउटफिट पहनना पसंद करते हैं। लेकिन अगर बात फेमिनिन लुक की हो तो ऐसे में फ्लोरल आउटफिट यकीनन आपके लुक को बेहद खास दिखाते हैं। फ्लोरल आउटफिट आपके स्टाइल में एक फ्रेशनेस एड करते हैं। यूं तो फ्लोरल आउटफिट पहनकर आप अपने डेली लुक को भी खास बना सकती हैं। लेकिन अगर आप एक परफेक्ट टच चाहती हैं तो ऐसे में आपको फ्लोरल आउटफिट के साथ सही ज्वैलरी को भी पेयर करना करना आना चाहिए। ज्वैलरी ना केवल आपके लुक को एक डिफरेंट टच देती है, बल्कि आप अपने मूड के हिसाब से अपने स्टाइल को क्रिएट कर सकती हैं। मसलन, अगर आप फ्लोरल आउटफिट में एक कैजुअल लुक चाहती हैं तो ऐसे में सिंपल पेंडेंट या फिर स्टड को पेयर किया जा सकता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको बता रहे हैं कि आप फ्लोरल आउटफिट के साथ किस तरह की ज्वैलरी को पेयर कर सकती हैं-

पहनें स्टेटमेंट इयररिंग्स

अगर आप फ्लोरल प्रिंट आउटफिट पहन रही हैं और उसमें एक बोल्ड व मॉडर्न लुक कैरी करना चाहती हैं तो ऐसे में उसके साथ स्टेटमेंट इयरिंरंग्स जैसे ओवरसाइज्ड हूप्स या डैंगल्स को पहन सकती हैं। जब आप स्टेटमेंट इयररिंग्स पहन रही हैं तो हमेशा ऐसे कलर को चुनें, जो आपके फ्लोरल प्रिंट के रंगों में से एक हों। स्टेटमेंट इयररिंग्स पहनते समय इस बात का खास ख्याल रखें कि बाकी एक्सेसरीज़ को आप बेहद ही सिंपल रखें। अगर आप फ्लोरल आउटफिट के साथ एक चिक लुक क्रिएट करना चाहती हैं तो ऐसे में उसके साथ लेयर्ड नेकलेस पहनना अच्छा विचार हो सकता है।

ड्राई स्किन पर कभी इस्तेमाल नहीं करने चाहिए ऐसे होममेड स्क्रब

ऐसे कई होममेड स्क्रब होते हैं, जो स्किन की केयर करते हैं, लेकिन ड्राई स्किन के लिए इन्हें अच्छा नहीं माना जाता है। इन होममेड स्क्रब का इस्तेमाल करने से आपकी स्किन रूखी, इरिटेटिड या रेडनेस महसूस हो सकती है। तो चलिए आज इस लेख में आरवीएमयूए एकेडमी की फाउंडर, सेलिब्रिटी मेकअप आर्टिस्ट और स्किन केयर एक्सपर्ट रिया वशिष्ट आपको कुछ ऐसे ही होममेड स्क्रब के बारे में बता रही हैं, जिन्हें आपको ड्राई स्किन पर अप्लाई करने से बचना चाहिए-

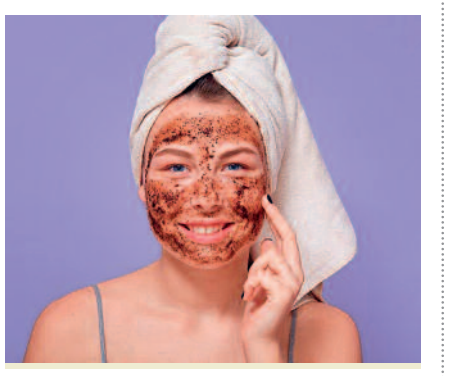

नींबू और नमक स्क्रब

अमूमन स्क्रब बनाते समय हम सभी नींबू और नमक का इस्तेमाल करना पसंद करते हैं। लेकिन अगर आपकी स्किन ड्राई है तो ऐसे में आप इस स्क्रब से बचें। दरअसल, नींबू काफी एसिडिक होता है और इसे सीधे स्किन पर लगाने से स्किन का नेचुरल ऑयल निकल सकता है। वहीं, नमक आपकी स्किन को और भी ज्यादा रूखा, सेंसेटिव व इरिटेटिड बना सकता है। इसलिए अपनी ड्राई स्किन के लिए स्क्रब बनाते समय आप नींबू की जगह शहद या दूध जैसे इंग्रीडिएंट का इस्तेमाल करें। आप इसमें बारीक पिसे हुए ओट्स या बादाम के आटे को मिलाकर हाइड्रेटिंग स्क्रब तैयार कर सकती हैं। ड्राई स्किन के लिए कॉफी स्क्रब का इस्तेमाल करना भी अच्छा नहीं माना जाता है। दरअसल, कॉफी ग्राउंड का टेक्सचर काफी रफ होता है, जो आपकी ड्राई स्किन को काफी परेशान कर सकता है।

कार्नर न्यूज

रिप्ड जींस को स्टाइल करते समय ध्यान दिया जाना चाहिए हर डिटेल पर

रिप्ड जींस में खुद को स्टाइल करते हुए ना करें ये गलतियां, बिगड़ जाएगा आपका पूरा लुक

जींस एक ऐसा बॉटम वियर है, जो हम सभी के वार्डरोब में होता ही है। इतना ही नहीं, जींस में हम सभी कलर से लेकर स्टाइल के साथ भी एक्सपेरिमेंटल होना पसंद करते हैं। रिप्ड जींस भी एक ऐसा ही लुक है, जो हर किसी को काफी अच्छा लगता है। हालांकि, रिप्ड जींस को सही से स्टाइल करना बेहद जरूरी है। अगर रिप्ड जींस की फिटिंग सही नहीं होती या फिर आप इसे गलत ओकेजन पर पहनते हैं तो इससे आपका पूरा लुक बिगड़ सकता है। इसलिए, रिप्ड जींस को स्टाइल करते समय हर डीटेल पर ध्यान दिया जाना चाहिए।

अमूमन लोग सोचते हैं कि रिप्ड जींस काफी ट्रेन्डी लुक देती है, इसलिए इसे किसी भी तरह से स्टाइल किया जा सकता है। जबकि वास्तव में ऐसा नहीं है। कभी भी यह न भूलें कि रिप्ड जींस हर ओकेजन के लिए नहीं होती है। साथ ही साथ, आप इसके साथ एक्सेसरीज से लेकर फुटवियर तक, क्या पहन रही हैं, यह भी बहुत अधिक मायने रखता है। तो चलिए आज इस लेख में हम आपको रिप्ड जींस पहनते

फिटिंग में गड़बड़ होना

यूं तो रिप्ड जींस देखने में बेहद ही स्टाइलिश लगती है, लेकिन एक परफेक्ट लुक के लिए आपको जींस की फिटिंग का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आपकी रिप्ड जींस बैगी है तो यह काफी ढीली व अजीब नजर आ सकती है, वहीं बहुत ज़्यादा टाइट जींस आपको अनकंफर्टेबल फील करवा सकती है। इसलिए, रिप्ड जींस पहनते समय अपने शरीर के हिसाब से फिटिंग चुनें। आप स्लिम, स्ट्रेट या थोड़ा रिलैक्स्ड फ़िट की रिप्ड जींस को अपने लुक का हिस्सा बना सकती हैं।

बहुत लूज टॉप के साथ पहनना

रिप्ड जींस के साथ आप अपर वियर के रूप में क्या पहन रही हैं, यह भी बहुत मायने रखता है। अक्सर हम रिप्ड जींस के साथ बहुत अधिक लूज या ओवरसाइज़्ड टी-शर्ट को पेयर करते हैं। हालांकि, यह आपके लुक को काफी अजीब दिखा सकता है। आपको रिप्ड जींस पहनते समय बैलेंस का खास ख्याल रखना चाहिए। अगर आपकी जींस डिस्ट्रेस्ड है, ता उसके साथ एक स्ट्रक्चर्ड टॉप काफी अच्छा लगता है।

गलत फुटवियर पहनना

रिप्ड जींस पहनते समय अपने लुक को बैलेंस करने के लिए आपको फुटवियर पर भी फोकस करना चाहिए। आप रिप्ड जींस के साथ स्नीकर्स और बूट्स स्टाइल कर सकते हैं, लेकिन बहुत ज़्यादा चंकी या फटे और खराब फुटवियर पहनने से बचें।